बालाघाट म.प्र. से प्रकाशित एवं बालाघाट, सिवनी (म.प्र.) एवं गोंदिया भंडारा (महा.) मे एक साथ प्रसारित हिन्दी दैनिक..

जग प्रेरणा

बालाघाट - 29 अप्रैल 2026 | दिन - बुधवार | वर्ष-14 वां | पृष्ठ - 12 | अंक - 91 | मूल्य - 5 रुपये

बारामती हादसे से जुड़ी कंपनी के विमान से पुणे पहुंचे पार्थ पवार, बोले - बुकिंग में प्रशासनिक चूक..

पुणे, (भाषा)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के राज्यसभा सदस्य पार्थ पवार ने मंगलवार को मुंबई से पुणे की यात्रा वीएसआर एविएशन के विमान से की, जबकि उनके परिवार के कुछ सदस्य इसी कंपनी को बारामती विमान हादसे को लेकर निशाने पर लेते रहे हैं, जिसमें उनके पिता अजित पवार सहित पांच लोगों की मौत हुई थी। पार्थ पवार ने कहा कि यह विमान बुकिंग में हुई प्रशासनिक चूक थी और संबंधित एजेंट के साथ अनुबंध तत्काल प्रभाव से समाप्त किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि उन्हें अंतिम समय पर विमान की व्यवस्था करनी थी और उन्हें यह जानकारी नहीं थी कि विमान वीएसआर एविएशन का है।

गुजरात के सभी 15 नगर निगमों में भाजपा ने दर्ज की ऐतिहासिक जीत.. 9 हजार में 7000 सीटों पर कब्जा..

अहमदाबाद, (भाषा)।

गुजरात की सभी 15 नगर निगम सीटों पर 26 अप्रैल को हुए चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जीत हासिल की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पार्टी ने मोरबी और पोरबंदर नगर निगमों में सभी 52-52 सीटें अपने नाम कीं। राज्य के 17 नगर निगमों में से 15 में

चुनाव हुए। शेष दो निगमों का कार्यकाल अभी समाप्त होना बाकी है। राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार, भाजपा ने अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा, राजकोट, जामनगर, भावनगर, गांधीधाम, सुरेंद्रनगर, मेहसाणा, आणंद, नडियाड, नवसारी और वापी के नगर निगमों में भी जीत हासिल की। अहमदाबाद में भाजपा ने कुल 192 में से 160 सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस को 32 सीटें मिलीं। पिछली बार सात सीटें जीतने वाली एआईएमआईएम इस बार खाता खोलने में भी नाकाम रही। सूरत नगर निगम में भाजपा ने 120 में से 115 सीटें हासिल कीं, जबकि कांग्रेस को केवल एक सीट मिली। पिछली बार 27 सीटें जीतने वाली आम आदमी पार्टी इस बार चार सीटों तक सिमट गई। राजकोट नगर निगम में भाजपा ने 72 में से 65 सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस को सात सीटें मिलीं। वडोदरा नगर निगम में भाजपा ने 76 में से 69 सीटों पर जीत दर्ज की, जबकि कांग्रेस को छह और एक सीट अन्य उम्मीदवार के खाते में गई। भाजपा ने जामनगर और भावनगर नगर निगमों में भी बड़े अंतर से जीत हासिल की। सुरेंद्रनगर और नडियाद नगर निगमों में भाजपा को केवल एक-एक सीट का नुकसान हुआ। नवसारी, गांधीधाम, मोरबी, वापी, आणंद, नडियाद, मेहसाणा, पोरबंदर और सुरेंद्रनगर जैसे नवगठित नगर निगमों में पहली बार हुए चुनाव में भी भाजपा ने जीत दर्ज की। मतगणना मंगलवार सुबह कड़ी सुरक्षा के बीच शुरू हुई। रविवार को 15 नगर निगमों, 84 नगरपालिकाओं, 34 जिला पंचायतों और 260 तालुका पंचायतों के लिए मतदान हुआ था। यह चुनाव अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आरक्षण के संशोधित नियमों के तहत आयोजित किए गए, जिसके कारण कई जिलों में व्यापक परिसीमन और वार्ड पुनर्गठन किया गया था।

भाजपा की जीत के बाद कांग्रेस ने जनादेश स्वीकार किया

गुजरात में स्थानीय निकाय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत के बाद कांग्रेस ने जनादेश स्वीकार करते हुए कहा कि वह लोगों के अधिकारों, लोकतंत्र और संविधान के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेगी। गुजरात इकाई के अध्यक्ष अमित चावड़ा ने दावा किया कि स्कांग्रेस ने 26 अप्रैल को हुए चुनावों में कुल 9,200 से अधिक वार्ड सीटों में से 1,740 सीटें जीतीं, जिनमें तालुका पंचायतों में 1,050, जिला पंचायतों में 136, नगरपालिकाओं में 459 और नगर निगमों में 95 सीटें शामिल हैं। मतगणना मंगलवार को हुई। वहीं भाजपा ने 15 में से सभी नगर निगमों और 34 में से 33 जिला पंचायतों में जीत दर्ज की।

पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण की 142 सीटों पर आज होगा मतदान, 4 मई को परिणाम..

कोलकाता।

पश्चिम बंगाल में आज 29 अप्रैल बुधवार को 142 सीटों पर मतदान होगा। इसको लेकर राज्य में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। ममता की भवानीपुर सीट पर मंगलवार को सीआरपीएफ ने फ्लैग मार्च निकाला। ममता के खिलाफभाजपा ने सुवेंदु अधिकारी

को मैदान में उतारा है। इधर चुनाव कर्मचारी ईवीएम मशीन लेकर पोलिंग बूथ पर पहुंच चुके हैं। कोलकाता में एक महिला कर्मचारी गर्मी के चलते बेहोश हो गई। सेकेंड फेज में कुल 1448 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। 23 अप्रैल को पहले चरण में 92.72त्न मतदान हुआ था। 4 मई को नतीजे आएंगे।

चुनाव के अपडेट..

गौरतलब है कि भाजपा उम्मीदवार के घर के बाहर गोलीबारी की खबर सामने आई है। उत्तर 24 परगना के भाटपारा में भाजपा उम्मीदवार के आवास के बाहर गोलीबारी में एक सीआईएसएफजवान घायल हो गया। मामले में एक पार्षद सहित चार लोग गिरफ्तार हुए हैं। उधर, हावड़ा में एक पोलिंग बूथ के परिसर से आठ क्रूड बम बरामद किए गए। दूसरे चरण के मतदान को शांतिपूर्ण बनाने के लिए चुनाव आयोग के निर्देश पर पुलिस ने राज्य भर में 1,543 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें पूर्व बर्धमान के टीएमसी पार्षद नारु गोपाल भक्त भी शामिल हैं, जिन पर भाजपा नेता के घर हमले और डराने-धमकने का आरोप है।

इसी प्रकार बंगाल में 510 करोड़ रु. से अधिक की अवैध सामग्री जब्त हो चुकी है। 2021 के चुनाव में 339 करोड़ की जब्ती हुई थी। इस बार 30 करोड़ रु. नकद, 126.85 करोड़ की 48,000 लीटर शराब, 110.12 करोड़ के ड्रग्स और 58.28 करोड़ का सोना-चांदी शामिल है।

फालता में अजय पाल शर्मा के खिलाफ महिलाओं ने शिकायत कराई

गौरतलब है कि चुनावी प्रतिद्वंदिता के दौरान फालता में रात के समय घरों में जबरन घुसने और महिलाओं के साथ मारपीट करने के आरोप में अजय पाल शर्मा और केंद्रीय बलों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज की गई है। यह शिकायत पीड़ित महिलाओं में से एक ने दर्ज कराई है। चुनाव आयोग सूत्रों ने बताया कि इस बार पश्चिम बंगाल के चुनावों में किसी भी तरह के बमों का इस्तेमाल न हो। इसके लिए एनआईए को तैनात किया गया है।

असम के काजीरंगा से बालाघाट जिले के कान्हा टाईगर रिजर्व में

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के हस्ते हुआ 4 जंगली भैंसों का पुनर्स्थापन, पर्यटन को बढ़ावा देने प्रदेश सरकार ने की पहल..

प्रदेश में जंगली भैंसा प्रजाति का पुनर्स्थापन ऐतिहासिक अवसर.. बोले मुख्यमंत्री डॉ. यादव

बढ़ेगा टूरिज्म और मिलेंगे रोजगार के अवसर.. बोले मुख्यमंत्री..

लगभग 100 वर्ष पहले प्रदेश की धरती से विलुप्त हो गई थी जंगली भैंसा प्रजाति

जगप्रेरणा बालाघाट।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश में संचालित जैव विविधता संरक्षण के अगले अध्याय के रूप में आज जंगली भैंसा पुनर्स्थापना योजना का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कान्हा टाइगर रिजर्व में काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान असम से लाए गए जंगली भैंसों के पुनर्स्थापना के लिए उन्हें बालाघाट जिले के सूपखार क्षेत्र में सॉफ्ट रिलीज किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश की

धरती पर नए मेहमान के शुभ आगमन के लिए प्रदेशवासियों को बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर मीडिया से चर्चा में कहा कि प्रदेश के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है। लगभग 100 वर्ष के बाद प्रदेश की धरती पर जंगली भैंस का पुनर्वास एवं पुनर्स्थापना कार्य हो रहा है। यह मध्य प्रदेश के वन्य जीव एवं वन पारिस्थितिक संरक्षण के लिए अद्भुत अवसर है। जंगली भैंस के पुनर्वास से घास के मैदान के संरक्षण और इकोसिस्टम को मदद मिलेगी। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार विलुप्त प्रजातियां के वन्यजीवों को मध्य प्रदेश में वापस लेकर आ रही है। इससे जंगल, वन्य प्राणियों से समृद्ध होगा और स्थानीय स्तर पर टूरिज्म के माध्यम से लोगों को रोजगार भी मिलेगा। जंगली भैंसों की ट्रांसलोकेशन से असम के साथ मध्यप्रदेश का एक नया रिश्ता कायम हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि असम यात्रा के दौरान उनकी असम के मुख्यमंत्री डॉ. हेमंत बिश्वा सरमा के साथ जंगली भैंसों और गैंडा के पुनर्वास को लेकर सार्थक चर्चा हुई थी।

मध्यप्रदेश वन्य प्राणी संरक्षण में देश में मिसाल प्रस्तुत कर रहा है..

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि बालाघाट जिले के जंगल में छोड़े गए जंगली भैंसों में तीन मादा और एक नर शामिल है। सभी जंगली भैंसा युवा अवस्था में हैं और स्वस्थ हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश आज टाइगर और चीता स्टेट है, मध्य प्रदेश में मगरमच्छ, घडियाल और भेड़िया भी पर्याप्त संख्या में पाए जाते हैं। मध्य प्रदेश अब वल्चर स्टेट यानी गिद्ध स्टेट भी बना है। मध्य प्रदेश की धरा हर तरह के वन्य प्राणियों से समृद्ध है।

कई सौ साल पहले विलुप्त हुए पर प्राणियों के पुनर्स्थापना से प्रदेश के समृद्ध वनों में वन्य प्राणियों के संरक्षण का सपना साकार हो रहा है, मध्यप्रदेश वन्य प्राणी संरक्षण में देश में मिसाल प्रस्तुत कर रहा है। हमारा यह प्रयास भावी पीढियों को लाभ देगा। राज्य सरकार प्रदेश में अधोसंरचना विकास कार्यों को गति देने के साथ ही पारिस्थितिक तंत्र को मजबूत बनाने के लिए सम्पूर्ण निष्ठा के साथ निर्णय ले रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आशीर्वाद से वर्ष 2022 में चीतों का पुनर्वास हुआ। आज सुपर कूनो अभ्यारण के बाद गांधी सागर अभ्यारण्य में भी चीते दौड़ लगा रहे हैं। सागर के पास नोरादेही अभ्यारण में भी चीतों को बसाने की पूरी तैयारी है। यह सभी कार्य प्रदेश के लिए धरोहर होंगे। इस अवसर पर सांसद श्रीमति भारती पारधी, मध्यप्रदेश अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य श्री भगत सिंह नेताम, मध्य प्रदेश की प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य जीव श्रीमती समिता राजौरा, जबलपुर संभाग के कमिश्नर श्री धनंजय सिंह, कलेक्टर श्री मृणाल मीना, पुलिस अधीक्षक श्री आदित्य मिश्रा, कान्हा टाईगर रिजर्व के अधिकारी एवं पत्रकार उपस्थित रहे। इस अवसर पर वन विभाग के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को जंगली भैसा पुनर्स्थापन के लिए स्मृति चिन्ह भेंट किया।

जंगली भैंसों का असम से मध्यप्रदेश का सफर : विलुप्त प्रजाति की अपने ऐतिहासिक क्षेत्र में वापसी..

अंतर-राज्यीय सहयोग के इस महत्वपूर्ण अभियान के प्रथम चरण में 19 मार्च से 10 अप्रैल 2026 के बीच, कांजीरंगा के मध्य और पूर्वी क्षेत्रों से 7 किशोर भैंसों को लिया गया। 25 अप्रैल 26 को 4 जंगली भैंसों ने कांजीरंगा से कान्हा टाइगर रिज़र्व तक की अपनी 2000 किलोमीटर की यात्रा की। इनका स्थानांतरण काजीरंगा और कान्हा, दोनों जगहों के वरिष्ठ अधिकारियों और अनुभवी पशु चिकित्सकों की देख-रेख में किया गया है। आज दिनांक 28 अप्रैल 2026 इन्हें सूपखार, कान्हा टाइगर रिज़र्व में स्थित बाड़े में सॉफ्ट रिलीज़ किया जा रहा है। स्थानीय रूप से विलुप्त हो चुकी जंगली भैंसे की प्रजाति उनके ऐतिहासिक क्षेत्र (कान्हा) में जैव विविधता को बढ़ावा देगी और कान्हा टाइगर रिज़र्व में घास के मैदानों वाले पारिस्थितिकी तंत्र के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मध्यप्रदेश में जंगली भैंसों की आबादी लगभग 100 वर्ष पहले समाप्त हो गई थी। वर्तमान में इनकी प्राकृतिक आबादी मुख्य रूप से असम में सीमित है, जबकि छत्तीसगढ़ में इनकी संख्या अत्यंत कम है। भारतीय वन्यजीव संस्थान (देहरादून) द्वारा किए गए अध्ययन में कान्हा टाइगर रिजर्व को जंगली भैंसों के पुनर्स्थापन के लिए सबसे उपयुक्त पाया गया है। यहाँ के विस्तृत घासभूमि क्षेत्र, पर्याप्त जल स्रोत और न्यूनतम मानव हस्तक्षेप इस प्रजाति के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ प्रदान करते हैं। उन्होंने इस ऐतिहासिक कार्य के लिए कान्हा टाइगर रिजर्व की टीम, डॉक्टरों और स्टाफकी सराहना करते हुए प्रत्येक सदस्य को 10 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने 14.11 करोड़ के विकास कार्यो एवं पुलिस की मोबाईल फारेंसिक वेन का भी किया शुभारंभ..

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने 28 अप्रैल को बालाघाट जिले के गढ़ी क्षेत्र के प्रवास के दौरान ग्राम टोपला में 14 करोड़ 11 लाख रुपये की लागत के 04 निर्माण कार्यो का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने पुलिस की मोबाईल फारेंसिक वेन एवं स्वास्थ्य विभाग के 100 दिवसीय टीबी रोगमुक्त अभियान के अंतर्गत जागरूकता रथ का शुभारंभ किया और उन्हें झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्र के विशेष पुलिस दस्ते में चयनित युवाओं से भेंट कर उन्हें देश सेवा में आगे आने के लिए बधाई एवं शुभकामनायें दी। इस दौरान मध्यप्रदेश अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य पूर्व विधायक भगत सिंह नेताम, जबलपुर संभाग के कमिश्नर धनंजय सिंह, कलेक्टर मृणाल मीना, पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने ग्राम टोपला में सूपखार-पटवा-छतरपुर-पटवा-छतरपुर मार्ग पर हालोन नदी पर 04 करोड़ 96 लाख रुपये की राशि से बनने वाले 65.48 मीटर लंबाई के पुल के लिए भूमिपूजन किया तथा पीएम जनमन योजना के अंतर्गत ग्राम पंचायत किनारदा के ग्राम पोला के महाजनटोला में 60 लाख रुपये की लागत से बने बहुउद्देशीय भवन, 06 करोड़ 57 लाख रुपये की लागत से निर्मित 09.44 किलोमीटर लंबाई की बंधनखेरो-देवगांव-सरईपतेरा-अकलपुर-जैरासी सड़क एवं 01 करोड़ 98 लाख रुपये की लागत से निर्मित 02.58 किलोमीटर लंबाई की मालूमझोला-हथबन-बंधनखेरो सड़क का लोकार्पण किया। इन कार्यो से आदिवासी बहुल ग्रामों में विकास को नई गति मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा 100 दिवसीय टीबी रोगमुक्त अभियान के अंतर्गत जागरूकता रथ का शुभारंभ करने के साथ ही क्षय रोगियों को जल्द स्वस्थ होने के लिए फुड बास्केट का वितरण किया। पुलिस के मोबाईल फारेंसिक वेन का उन्होंने झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। मोबाईल फारेंसिक वैन की सुविधा होने से पुलिस को किसी वारदात या घटना के अदृश्य प्रतीत होने वाले साक्ष्य एकत्र करने में सुविधा हो जायेगी और वह अपराधियों को पकडऩे व सजा दिलाने के लिए पुख्ता सबूत जुटा सकेगी। इस अवसर पर उन्होंने फारेंसिक वेन के उपकरणों का मुआयना भी किया।

जग प्रेरणा
जिला सिवनी
● अरी ● गंगेरुआ ● बरघाट ● लखनादौन ● छपारा ● केवलारी

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..

हसीब मोहम्मद सिवनी
मो. 7898530101

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क -
9329033433

प्रस्तावित गुनगुन जलाशय बांध के निर्माण को लेकर किसानों ने कलेक्टर से की शिकायत..

जगप्रेरणा सिवनी।

जिले में प्रस्तावित गुनगुन जलाशय बांध के निर्माण को लेकर किसानों ने शिकायत की है। अपनी जमीनों के छिनने के डर और मुआवजे की मांग को लेकर प्रभावित

ग्रामीणों ने 28 अप्रैल को कलेक्ट्रेट पहुंचकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। किसानों ने कहा कि जब तक उन्हें उचित पैसा नहीं मिलता, तब तक काम बंद रखा जाए। भीमकुंडखाल, गुनगुन, गनेरी और लावेसर्रा गांव के किसानों का आरोप है कि ठेकेदारों ने मनमानी शुरू कर दी है। उन्हें अब तक मुआवजे का एक रुपया भी नहीं मिला है, लेकिन ठेकेदारों ने उनके खेतों में सड़क, पुलिया और दूसरे निर्माण कार्य शुरू कर दिए हैं। किसानों का कहना है कि उनकी उपजाऊ जमीन पर बिना किसी भुगतान के कब्जा किया जा रहा है।

नियमों की अनदेखी का आरोप..

ग्रामीणों ने प्रशासन पर कानून तोड़ने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि आदिवासी क्षेत्रों में पेसा एक्ट और भूमि अधिग्रहण कानून के तहत किसी भी प्रोजेक्ट के लिए ग्राम सभा की मंजूरी लेना जरूरी है।किसानों का दावा है कि इस बांध के लिए न तो गांव वालों से पूछा गया और न ही पंचायतों से कोई अनुमति ली गई।

आंदोलन की चेतावनी..

किसानों ने प्रशासन को अल्टीमेटम देते हुए कहा है कि अगर एक हफ्ते के अंदर उन्हें मुआवजा नहीं मिला और अवैध निर्माण नहीं रोका गया, तो वे उग्र आंदोलन करेंगे। उन्होंने साफ चेतावनी दी है कि वे धरना-प्रदर्शन और आमरण अनशन पर बैठने को मजबूर होंगे। किसानों ने स्पष्ट किया कि बिना सरकारी भुगतान के वे अपनी जमीन किसी भी हाल में नहीं छोड़ेंगे और किसी भी अनहोनी के लिए शासन-प्रशासन जिम्मेदार होगा।

देर रात बज रहे डी. जे. पर कोतवाली पुलिस की कार्यवाही

एक डी.जे. साउण्ड सिस्टम सहित पीकप वाहन जप्त..

जगप्रेरणा सिवनी।

पुलिस अधीक्षक सुनील मेहता के द्वारा अवैध रुप से डी. जे. साउंड प्रयोग कर शोरगुल करने वाले डीजे संचालकों के विरूध्द त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश प्राप्त हुए है,

जो एएसपी दीपक मिश्रा एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस सचिन परते के मार्गदर्शन में नियम का उल्लंघन करने वाले डी.जे. संचालकों के विरूध्द लगातार सख्त कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में थाना कोतवाली सिवनी द्वारा वर्तमान में आयोजित बोर्ड परीक्षाओं, छात्र-छात्राओं एवं स्थानीय रहवासियों की समस्याओं को दृष्टिगत रखते हुए लॉन संचालकों के द्वारा बिना अनुमत्ति निर्धारित समयावधि उपरांत भी तेज उल्लंघन करने वाले डीजे संचालक पर कार्यवाही के दौरान आज दिनांक 25/04/2026 को राशी लॉन के सामने सिवनी में बिना अनुमति संचालित किये जाने पर 01 डी.जे. साउंड सिस्टम के संचालक पर धारा 7/15 कोलाहल अधिनियम के तहत कार्यवाही करते हुए डी.जे. साउंड सिस्टम मय वाहन के जप्त करते हुए अपराध पंजीबध्द किया गया है।

इससे पूर्व भी कोतवाली सिवनी पुलिस द्वारा बिना अनुमति तेज आवाज में संचालकों द्वारा डी.जे. साउंड सिस्टम बजाते पाये जाने पर पृथक पृथक अपराध पंजीबध्द किया गया था।

नाम आरोपी- डीजे संचालक नाम आयुष डेहरिया पिता सुनील डेहरिया उम्र 23 साल निवासी ग्राम खैरीटेक सिवनी।

जप्त सामग्री- एक सफेद रंग की पीकप वाहन क्रमांक **MP15G4379** में 04 नग बेस दो टाप एक मिक्सर कासओवर, एक जनरेटर, चार नग सार्किंग लाईट दो फार आईस, एक नग लाईट चलाने वाला मिक्सर, चार नग वीआरएक्स।

सराहनीय कार्य..

निरीक्षक सतीश तिवारी, उनि डालचंद ग्यारसिया, आर. सौरभ ठाकुर, मिथलेश उइके की सराहनीय भूमिका रही।

आई. पी. एल. मैच पर सटटा लगाते एक और सटोरी कोतवाली पुलिस की गिरफ्त में..

दैनिक जगप्रेरणा मे समाचार एवं विज्ञापनो के लिये संपर्क करे मो. 9329033433

नकदी एवं दो एड्राइड मोबाइल फोन जप्त..

एक अन्य आरोपी अंश लाला निवासी भैरोगंज की तलाश जारी..

जगप्रेरणा सिवनी।

पुलिस अधीक्षक सुनील मेहता जुआ-सट्टा एवं अवैध गतिविधियों के खिलाफ सख्त है जिनके नेतृत्व में समय- समय पर कोतवाली पुलिस द्वारा जुआ-सट्टा रेड़ कार्रवाई की जाती रही हैं, इसी क्रम में एडिशनल एस.पी. दीपक मिश्रा एवं एस.डी.ओ.पी. सचिन परते के

मार्गदर्शन में कोतवाली पुलिस द्वारा पर त्वरित कार्रवाई करते हुए ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा खेल रहे एक सटोरी को घेराबंदी कर रेड़ कार्रवाई करते हुए धर दबोचा।

दिनांक 24/04/2026 को जरिये मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि खैरीटेक मे ग्रीन बेली होटल के पास रोड के किनारे सिवनी में एक व्यक्ति आईपीएल मैच पर ऑनलाइन सट्टा खेल रहा है।

सूचना पर तत्काल टीम गठित कर मुखबिर के बताये स्थान पर जाकर घेराबंदी की गई जो एक व्यक्ति आईपीएल का मैच देख रहा था एवं इंटरनेट साइट पर कुछ ट्रांजेक्शन कर रहा था जो पुलिस को देखकर मोबाइल छुपाने लगा जिसे घेराबंदी कर पकडा गया एवं नाम पता पूछने पर अपना नाम पवन यादव पिता स्व. उमेन्द्र यादव उम्र 29 साल निवासी परतापुर रोड चौरसिया आटा चक्की वाले के मकान मे किराये से भैरोगंज सिवनी रहना बताया पूछने पर सिवनी निवासी अंश लाला उर्फ अंश श्रीवास्तव के लिये कमीशन पर

स्वयं के मोबाईल न. पर व्हाट्सअप एप के माध्यम से ऑनलाईन चैटिंग कर लेकर चैन्नई सुपर किंग एवं रॉयल चैलेंजर बैंगलोर के आईपीएल मैच पर ऑनलाइन सट्टा खिलाना बताने पर दो एंड्राइड फोन एवं अवैध तरीके से आर्थिक लाभ अर्जित की गई राशी कुल 3000/- रुपये विधिवत् जप्त कर आरोपियों के विरूध्द सुसंगत धाराओं के तहत अपराध पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया है उक्त प्रकरण में संलिप्त अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

जप्ती- दो विवो कम्पनी का एंड्राइड फोन कीमती 24000/- रुपये एवं नकदी 3000 रुपये।

गिरफ्तार आरोपी..

पवन यादव पिता स्व. उमेन्द्र यादव उम्र 29 साल निवासी परतापुर रोड चौरसिया आटा चक्की वाले के मकान मे किराये से भैरोगंज। **फरार आरोपी-** अंश श्रीवास्तव उर्फ अंश लाला पिता विवेक श्रीवास्तव उर्फ गोलू लाला निवासी भैरोगंज सिवनी।

कार और बाइक की टक्कर में बाइक सवार युवक गंभीर

जगप्रेरणा सिवनी।

जिले के धूमा से गोटेगांव मार्ग पर तिग्गड़े के पास सोमवार दोपहर एक कार और बाइक की टक्कर हो गई। इस हादसे में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

जानकारी के अनुसार बाइक सवार युवक धूमा से गोटेगांव की ओर जा रहा था। तिग्गड़े के पास सामने से आ रही कार से उसकी सीधी टक्कर हो गई। टक्कर के बाद बाइक सवार सड़क पर गिर गया। इस हादसे में कार का सामने का कांच भी फूट गया। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने घायल को संभाला और प्राथमिक उपचार दिया। उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे सिविल अस्पताल लखनादौन रेफर किया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है।

घटना की सूचना पर धूमा पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कार को जब्त कर थाने में खड़ा करवा दिया है। पुलिस फिलहाल घायल युवक की पहचान और उसके निवास स्थान की जानकारी जुटा रही है।धूमा थाना प्रभारी डोमन सिंह मारवी ने बताया कि घायल को बेहतर इलाज के लिए लखनादौन भेजा गया है। घायल के संबंध में विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है। प्रारंभिक जांच में दुर्घटना का कारण तेज रफ्तार और लापरवाही माना जा रहा है।

सरकार के पास पैसे नहीं है तो वो नये नये तरीके इजाद कर रही है - रजनीश सिंह..

जगप्रेरणा सिवनी।

भारतीय जनता पार्टी की सरकार कर्ज मे दबी हुई है और अब वो किसानो का गेहूँ न खरीदने को लेकर तरह तरह के बहाने बना रही है. 22 अप्रैल को मंदसौर के लदूना केन्द्र में सर्वेयरों द्वारा

किसानों का चने को रिजेक्ट किया गया. इसी तरह की 23 अप्रैल को पिपरिया में हुई यहाँ भी किसानों के गेहूँ रिजेक्ट किया गया और 24 अप्रैल को सिवनी में हुई यहाँ भी गेहूँ रिजेक्ट किया गया। उक्ताशय की बात केवलारी विधायक ठाकुर रजनीश सिंह द्वारा जारी विज्ञप्ति में कही गयी है. विधायक श्री सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार कर्ज में डूबी हुई सरकार है. सरकार के पास पैसे नहीं है तो वो नये नये तरीके इजाद कर रही है कि किसी प्रकार उसे किसानो का माल न खरीदना पड़े।

श्री सिंह ने अपनी विज्ञप्ति में बताया कि सिवनी जिले में केवलारी विधानसभा क्षेत्र की 4 समितियों केवलारी, अर्जुनझिर, सुरेखा और सुनेहरा के माल को जिला खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी द्वारा रिजेक्ट कर दिया गया. इसी तरह 23 अप्रैल को भी सरकार के इशारे पर देवगांव पिपरिया के 4 ट्रक, साडिया के 6 ट्रक, धनासरी के 2 ट्रक और गाड़ाघाट के 6 ट्रक गेहूँ को मापदंड अनुसार नहीं बताया जाकर वेयर हाउस में रखने से इंकार करक दिया गया था। केवलारी विधायक ठाकुर रजनीश सिंह ने अपनी विज्ञप्ति में बताया कि वही सिवनी जिला है जहाँ सड़ी धान वेयर हाउस में रख ली जाती थी और जहाँ के ओपन वेयरहाउस में अधिकारियों का लापरवाही के चलते करोड़ों रूपये की धान सड़ गयी. जिसकी जाँच कहाँ दब गयी पता नहीं चला. यह वही भाजपा है जो कहती थी कि किसान का एक एक दाना खरीदा जायेगा और आज ट्रको से माल वापस कर रही है।

अपनी विज्ञप्ति में श्री सिंह ने कहा कि पानी गिर जाने से चमक कम हो जाती है यह बात कृषि वैज्ञानिक भी जानते हैं. अगर किसान के गेहूँ की जाँच कराना है तो कृषि वैज्ञानिक से करा लें सिवनी में बहुत बड़ा कृषि विज्ञान केन्द्र इसीलिये तो खोला गया है ताकि कृषि वैज्ञानिक खेत की मिट्टी का, फसल का, फसलो में लगने वाली बीमारियों, नयी कृषि तकनीकों की जानकारी किसानों और अधिकारियों को साझा कर सके।

केवलारी विधायक ठाकुर रजनीश सिंह ने की मांग..

केवलारी विधायक ठाकुर रजनीश सिंह ने राज्य सरकार से मांग की है कि किसानों के लिए समर्थन मूल्य पर खरीद की तिथि बढ़ाई जाए, क्योंकि बार-बार सर्वर फेल होने से किसान स्लॉट बुक नहीं कर पा रहे हैं.उन्होंने सोसाइटियों में बारदाने की कमी की ओर भी ध्यान दिलाया, जिससे किसान अपना अनाज नहीं बेच पा रहे।

आपने कहा कि सरकार चमकहीन बताकर जो गेहूं रिजेक्ट कर रही है, वह असल में ठीक है और उसे खरीदा जाना चाहिए. गर्मी को देखते हुए हर खरीद केंद्र पर छाया और पानी की पर्याप्त व्यवस्था हो, ताकि किसानों को हीट स्ट्रोक से बचाया जा सके।

सूख चुके हैं हैंडपंप, नल-जल योजना भी ठप

जगप्रेरणा सिवनी।

जिले के गोरखपुर खुर्द गांव में पानी की किल्लत से परेशान ग्रामीणों का सब्र मंगलवार को जवाब दे गया। भीषण गर्मी के बीच बड़ी संख्या में ग्रामीण खाली बर्तन लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे और जनसुनवाई में अपनी समस्या रखी।

ग्रामीणों ने कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपकर जल्द से जल्द समाधान की मांग की। कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन के दौरान गर्मी और भीड़ के कारण एक महिला और एक पुरुष की तबीयत अचानक बिगड़ गई। दोनों को तुरंत एम्बुलेंस बुलाकर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। ग्रामीणों का कहना है कि वे पिछले मंगलवार को भी अपनी समस्या लेकर आए थे, लेकिन प्रशासन ने अब तक कोई कदम नहीं उठाया है।

ज्ञापन के माध्यम से ग्रामीणों ने बताई अपनी व्यथा

गांव के अधिकांश हैंडपंप या तो खराब हो चुके हैं या जलस्तर गिरने से सूख गए हैं।गांव में पाइपलाइन तो बिछी है, लेकिन उससे पानी नहीं मिल पा रहा है। घर की महिलाओं और बच्चों को चिलचिलाती धूप में दूर-दराज के इलाकों से पानी ढोना पड़ रहा है, जिससे उनका दैनिक जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

ग्रामीणों ने दी उग्र आंदोलन की चेतावनी..

ग्रामीणों ने मांग की है कि खराब हैंडपंपों को तुरंत सुधारा जाए, नए हैंडपंप लगाए जाएं और नल-जल योजना की मोटर और पाइपलाइन को दुरुस्त कियाजाए। उन्होंने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही गांव में पानी की सप्लाई शुरू नहीं हुई, तो वे उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

मकान में लगी भीषण आग, लाखों का सामान जलकर खाक

जगप्रेरणा सिवनी।

जिले के लखनादौन नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड क्रमांक-3 में मंगलवार सुबह मकान में भीषण आग लग गई। घटना में घर में रखा लाखों का सामान जलकर खाक हो गया।

हालांकि, राहत की बात यह रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। घटना सुबह लगभग 4 बजे हुई, जब सुरेंद्र गोल्हानी के मकान में अज्ञात कारणों से आग भड़क उठी। आग ने देखते ही देखते घर के अंदर रखे सामान को अपनी चपेट में ले लिया।

लोगों ने शोर मचाकर अन्य लोगों को जगाया..

आग लगने की जानकारी मिलते ही परिजनों और आसपास के लोगों ने शोर मचाकर अन्य लोगों को जगाया। उन्होंने तुरंत आग बुझाने का प्रयास शुरू किया और दमकल विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल वाहन मौके पर पहुंचा और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग इतनी तेज थी कि घर में खड़ी बाइक, घरेलू सामान, फर्नीचर और अन्य उपयोगी वस्तुएं पूरी तरह जलकर खाक हो गईं।

आसपास के मकानों तक फैलने से रोकी..

समय रहते आग पर काबू पा लिए जाने से यह आसपास के मकानों तक फैलने से रुक गई, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद क्षेत्र में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया था। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। संबंधित विभाग की ओर से मामले की जांच की जा रही है। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, शॉर्ट सर्किट से आग लगने की संभावना जताई जा रही है। वास्तविक क्षति का आकलन जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। स्थानीय लोगों ने प्रशासन और दमकल विभाग की तत्परता की सराहना की। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे आगजनी की घटनाओं से बचाव के लिए सतर्क रहें और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत संबंधित विभाग को सूचना दें।

गौ माता के सम्मान में धर्म नगरी बरघाट के गौ भक्तों ने भरी हुंकार, गौरक्षा हेतु सौंपा ज्ञापन..

जगप्रेरणा बरघाट।

'गौमाता सम्मान आह्वान अभियान' के तारतम्य में आज बरघाट नगर में सनातन धर्मियों द्वारा 4 सूत्रीय ज्ञापन सोपा गया। बड़ी संख्या में उपस्थित गौ भक्तों ने तहसील कार्यालय बरघाट पहुंचकर प्रदेश के महामहिम राज्यपाल के नाम

तहसीलदार के माध्यम से ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन का वाचन पंडित प्रभात शर्मा के द्वारा किया गया। उक्ताशय की जानकारी देते हुए उदय पवार (बोपचे) ने बताया कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रम अनुसार वार्ड क्रमांक 11 बरघाट में में स्थित हनुमान मंदिर से रैली के रूप में झंडा बैनर के साथ गौ माता के सम्मान में नारे लगाते हुए श्रद्धालु जन तहसील कार्यालय पहुंचे। इस गरिमामयी गैर राजनीतिक सामाजिक ज्ञापन कार्यक्रम में बरघाट नगर के गौ भक्त पंडित श्री प्रभात शर्मा के साथ ही हरकचंद टेमरे, अनंदी प्रसाद पटले, कामता प्रसाद, नरेश सिंह राजपूत, राजेंद्र सिंह ठाकुर, तेजेंद्र कटरे, विकास जैन, अंशुल पवांर, मनीष जैन, शशांक जैन, दीपक बोपचे, सजल हनवत, तुषार भगत, यश बोपचे, मनीष कटरे, आयुष हनवत आदि जन की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

कक्षा 5 वीं एवं 8 वीं की पुनः परीक्षा 01 से 06 जून 2026 तक होगी आयोजित

जगप्रेरणा सिवनी।

जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केंद्र सिवनी ने जानकारी देकर बताया कि शासन के आदेशानुसार जिले की समस्त शासकीय, मान्यता प्राप्त अशासकीय, अनुदान प्राप्त शालाओं एवं मदरसों में अध्ययनरत कक्षा 5वीं एवं 8वीं के विद्यार्थियों की पुनः परीक्षा सत्र 2025-26 का आयोजन दिनांक 01 जून से 06 जून 2026 तक निर्धारित समय-सारणी के अनुसार किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि निर्देशानुसार मुख्य परीक्षा में अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए विषयवार अतिरिक्त शिक्षण की व्यवस्था विद्यालय स्तर पर सुनिश्चित की जाएगी। सभी पात्र विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को तत्काल सूचना देकर प्रतिदिन अतिरिक्त कक्षाएं संचालित की जाएंगी, जिससे विद्यार्थी पुनः परीक्षा हेतु बेहतर तैयारी कर सकें। जिन विद्यार्थियों द्वारा पूर्व में प्रोजेक्ट कार्य पूर्ण नहीं किया गया है अथवा जिनके प्रोजेक्ट में 7 से कम अंक प्राप्त हुए हैं, ऐसे विद्यार्थियों से संबंधित विषय के शिक्षक द्वारा प्रोजेक्ट कार्य पूर्ण कराया जाएगा तथा उसका मूल्यांकन कर प्राप्तांक परीक्षा पोर्टल पर दर्ज किए जाएंगे। सभी पात्र विद्यार्थियों को पुनः परीक्षा में सम्मिलित कराने की संपूर्ण जिम्मेदारी संबंधित संस्था प्रमुख एवं शिक्षकों की होगी।

साथ ही परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने की व्यवस्था भी विद्यालय स्तर से सुनिश्चित की जाएगी। पुनः परीक्षा के लिए परीक्षा केंद्र केवल जनशिक्षा केंद्र स्तर पर निर्धारित किए गए हैं। पूर्व वर्ष की भांति निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर ऑन-द-स्पॉट प्रश्नपत्र प्रिंटिंग की व्यवस्था लागू रहेगी। इसके लिए परीक्षा से पूर्व सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी जनशिक्षा केंद्र प्रभारी को सौंपी गई है। जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग ने सभी संबंधित अधिकारियों, संस्था प्रमुखों एवं शिक्षकों को निर्देशित किया है कि जारी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें, जिससे परीक्षा प्रक्रिया सुचारु एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न हो सके।

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..
मनोज सचदेव
मो. 94258-22975

बालाघाट जिले में रेत घाट के नए ठेके की नीलामी से पूर्व

उचित एवं वैज्ञानिक समीक्षा के अभाव में सरकार को राजस्व के भारी नुकसान और नदियों के अस्तित्व के खतरे के आसार..

जगप्रेरणा बालाघाट।

बालाघाट जिला वन, खनिज संपदा से परिपूर्ण जिला माना जाता है, तथा नदियों और घाटों के इस जिले से राज्य सरकार को भारी राजस्व प्रतिवर्ष प्राप्त होता है, लेकिन जिस तरह से खनिज साधन विभाग एवं शासन के कर्णधारों द्वारा पर्यावरण संतुलन एवं नदियों के अस्तित्व की समीक्षा किये बिना राजस्व की होड़ में नीलामी प्रक्रिया को लापरवाहीपूर्वक संपन्न करवाया जा रहा है, उससे ऐसा प्रतीत हो रहा है कि सरकार के अधिकारियों की गैरजिम्मेदारी के कारण जरुर आगामी समय में नदियों के जिले में नदियों के अस्तित्व को ना सिर्फ खतरा हो

जायेगा, बल्कि हर वर्ष मिलने वाले परंपरागत राजस्व का भी सरकार का भारी नुकसान होगा। गौरतलब है कि हाल ही में जारी रेत घाटों की नई नीलामी प्रक्रिया पर गंभीर प्रश्न उठ रहे हैं। आरोप है कि पूरी प्रक्रिया ही त्रुटिपूर्ण है और नियमों के विपरीत संचालित की जा रही है। यह न केवल शासन को आर्थिक नुकसान पहुंचा सकती है, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन को भी गहरी चोट पहुँचा रही है।

आखिर क्यों पिछले तीन वर्ष रेत ठेकेदारों को करना पड़ा सरेंडर..

गौरतलब है कि जिले में रेत घाटों की नीलामी के संदर्भ में पिछले तीन वर्षों में अलग ही परिस्थितियां उत्पन्न हुई कि जब पिछले तीन वर्षों में कई ठेकेदारों ने समय से पहले अपने ठेके सरेंडर कर दिए। इसके पीछे मुख्य कारण यह बताया जा रहा है कि तथाकथित संरक्षित रेत चोर छुटभैयों के अवैध खनन के कारण वैध ठेकेदार खुद को असुरक्षित महसूस करने लगे, और इसका परिणाम यह रहा कि उन्हें बीच में ही काम छोड़ने को मजबूर हो जाना पड़ा। एक दो नहीं बल्कि तीन वर्ष निरंतर ऐसा होता चला गया, लेकिन जिला प्रशासन और खनिज विभाग परिस्थितियों को अनुकुल बनाते हुए वैध ठेकेदारों को न्याय नहीं दे सका, जिसे निश्चित ही प्रशासन एवं खनिज विभाग की विफलता मानी जा सकती है।

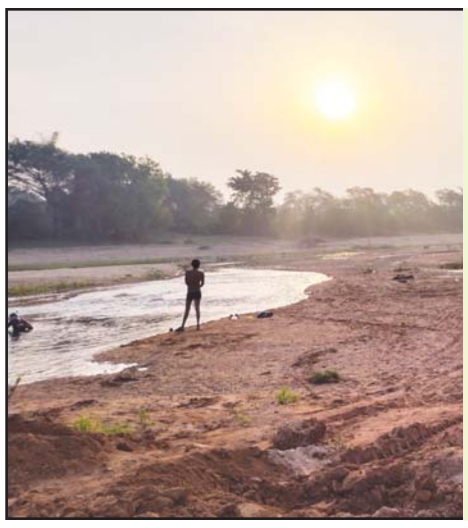

पिछले 15 वर्षों की परिपार्टी को ही बनाया जा रहा आधार..

उल्लेखनीय है कि दूसरी बड़ी समस्या नीलामी प्रक्रिया की मूल संरचना में नजर आ रही है। वर्तमान में जो नए ठेके किए जा रहे हैं, वे पूरी तरह पुराने आंकड़ों और सीमाओं पर आधारित हैं। वर्ष 2011 में निर्धारित रेत घाटों और रकबों को ही आज भी नीलामी में शामिल किया जा रहा है। पिछले 15 वर्षों में न तो नए घाटों का सर्वेक्षण किया गया और न ही रकबे बढ़ाने की दिशा में कोई ठोस प्रयास हुआ। इसका सीधा असर यह हुआ है कि जो वैध रेत घाट हैं, वे अत्यधिक दोहन के कारण लगभग खोखले हो चुके हैं। वहीं दूसरी ओर, नए संभावित क्षेत्रों की अनदेखी के चलते अवैध घाटों की संख्या तेजी से बढ़ी है, जहां से खुलेआम रेत चोरी की जा रही है। यह स्थिति न केवल राजस्व की हानि का कारण बन रही है, बल्कि पर्यावरणीय असंतुलन को भी बढ़ा रही है।

क्या समय रहते सरकार एवं प्रशासन करेगा नीतिगत त्रुटियों में सुधार.. या फिर अन्य जिलों की तरह बालाघाट जिला भी हो जायेगा नदी विहिन..

बालाघाट जिले में रेत घाटों की नीलामी में की जा रही नीतिगत चूक पर जगप्रेरणा की विशेष रिपोर्ट..

एनजीटी के निर्देशों की अवहेलना कर तैयार की गई सर्वेक्षण रिपोर्ट..

ज्ञात हो कि सबसे गंभीर पहलू यह है कि नई नीलामी प्रक्रिया भी पुराने और एक्सपायर्ड जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (डीएसआर) के आधार पर की जा रही है। नियमों के अनुसार, डीएसआर को समय-समय पर अपडेट करना और वैज्ञानिक आधार पर पुनः तैयार करना अनिवार्य होता है। लेकिन बालाघाट में इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया की पूरी तरह अनदेखी की गई है, जबकि आवश्यक यह था कि नई नीलामी से पहले दिल्ली और भोपाल की राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के दिशा-निर्देशों के अनुरूप जिला प्रशासन के साथ मिलकर रेत घाटों का भौतिक (फिजिकल) सत्यापन किया जाता। आधुनिक तकनीकों और चारों मौसमों के अध्ययन के आधार पर यह तय किया जाता कि किन नए क्षेत्रों में रेत उपलब्ध है और किन पुराने घाटों को बंद किया जाना चाहिए, लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं किया गया। 15 साल पुराने घाटों को ही दोबारा नीलामी में शामिल कर दिया गया, जबकि हकीकत यह है कि उन घाटों में अब रेत बची ही नहीं है। इससे यह स्पष्ट होता है कि पूरी प्रक्रिया केवल कागजी औपचारिकता बनकर रह गई है, जिसका जमीनी हकीकत से कोई लेना-देना नहीं है।

रेत व्यवसाय से जुड़े स्थानीय लोगों का भी मानना है कि यदि वास्तव में पारदर्शिता और दीर्घकालिक लाभ सुनिश्चित करना है, तो नए सिरे से सभी घाटों और रकबों का भौतिक सत्यापन कराया जाना चाहिए। इसके बाद ही वैज्ञानिक और व्यावहारिक आधार पर नीलामी की जानी चाहिए। इस पूरे मामले को यदि व्यापक संदर्भ में देखें, तो यह केवल एक प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि एक गंभीर नीति-स्तरीय विफलता है। एक ओर सरकार राजस्व बढ़ाने की बात करती है, वहीं दूसरी ओर ऐसी त्रुटिपूर्ण नीतियां उस लक्ष्य को कमजोर कर रही हैं।

पर्यावरण विशेषज्ञों की चेतावनी..

गौरतलब है कि जो चुक खनिज विभाग एवं प्रशासन द्वारा बालाघाट जिले में रेत घाटों की नीलामी प्रक्रिया में तथा सर्वेक्षण में की गई, ऐसी ही गलतियां प्रदेश में अनेक जिलों में की गई, जिसका परिणाम यह है कि प्रदेश के आधे से जिलों में नदियों का अस्तित्व भी नहीं बच सका। अब प्रदेश के जिलों में बालाघाट जिले के संदर्भ में भी पर्यावरण विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि यदि इसी तरह पुराने और अवैज्ञानिक तरीकों से रेत खनन जारी रहा, तो बालाघाट की नदियां जल्द ही अपना अस्तित्व खो देंगी। नदी के तल का अत्यधिक दोहन, जलधाराओं का असंतुलन और जलीय जीवों के आवास का नष्ट होना एक बड़े पारिस्थितिक संकट का संकेत है। ऐसे में आवश्यक है कि प्रशासन तुरंत इस पूरी नीलामी प्रक्रिया की समीक्षा करे। नई डीएसआर रिपोर्ट तैयार कराई जाए, सभी घाटों का वैज्ञानिक सर्वेक्षण हो और अवैध खनन पर सख्ती से रोक लगाई जाए। साथ ही, वैध ठेकेदारों को सुरक्षा प्रदान कर उन्हें निर्भय होकर कार्य करने का माहौल दिया जाए। यदि समय रहते सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए, तो बालाघाट की नदियां, पर्यावरण और राजस्व–तीनों पर इसका गंभीर और दीर्घकालिक दुष्प्रभाव पड़ेगा। अब यह प्रशासन और शासन पर निर्भर करता है कि वह इस चुनौती को अवसर में बदलता है या इसे नजरअंदाज कर भविष्य को संकट में डालता है।

रजेगांव चेक पोस्ट पर की गई वाहनों की आकस्मिक जांच..

नियम विरुद्ध संचालन पर मातोश्री ट्रेवल्स की दो बसों पर 01 लाख का जुर्माना

जगप्रेरणा बालाघाट।

बालाघाट जिले में परिवहन विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा और यात्री वाहनों के नियमानुसार संचालन सुनिश्चित करने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत रजेगांव चेक पोस्ट पर सोमवार, 28 अप्रैल को

आकस्मिक जांच की गई। इस दौरान मातोश्री ट्रेवल्स की दो बसें नियमों का उल्लंघन करते हुए संचालित पाई गईं, जिन पर कुल 1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। जिला परिवहन अधिकारी श्री अनिमेष गढ़पाल ने बताया कि जांच के दौरान संबंधित बसें बिना परमिट और बिना पंजीयन के संचालित हो रही थीं। इसके साथ ही वाहनों में सड़क सुरक्षा मानकों का भी उल्लंघन पाया गया, जो यात्रियों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। उन्होंने बताया कि परिवहन विभाग द्वारा नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। ऐसे मामलों में न केवल जुर्माना लगाया जाता है, बल्कि आवश्यकता पडने़ पर वाहन जब्ती और अन्य वैधानिक कार्रवाई भी की जाती है। जिला परिवहन अधिकारी ने वाहन संचालकों को सख्त निर्देश दिए हैं कि वे बिना वैध दस्तावेजों के वाहन संचालन न करें और सभी सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। परिवहन विभाग ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि वे यात्रा के दौरान केवल वैध और नियमों का पालन करने वाले वाहनों का ही उपयोग करें, ताकि सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित हो सके।

वारंटी के बावजूद शोरूम में वसूल लिये गए स्कार्पियो सुधार के 53,803 रुपए..

अनुराग मिश्रा की याचिका पर उपभोक्ता फोरम ने दिये 6 प्रतिशत ब्याज के साथ राशि लौटाने के आदेश..

जगप्रेरणा बालाघाट।

अनेक मर्तबा बड़ी कंपनीयां अपने ग्राहकों को लुभाने के लिये तरह तरह के वादे और वारंटी गारंटी आदि दे देती है, लेकिन जब वास्तव में कभी किसी उपभोक्ता को इस गारंटी वारंटी का लाभ देने की जरुरत पड़े तो कंपनीयां मुकर जाती है या फिर उनके अधिनस्थ संचालनकर्ता

अपना व्यवसायिक कर्त्तव्य निभाने में बेईमानी कर जाते हैं, लेकिन यदि उपभोक्ता जागरुक है तो फिर भला ऐसी कंपनीयों को भी सबक मिल ही जाता है, और ऐसा ही बालाघाट के अनुराग मिश्रा की एक याचिका पर उपभोक्ता अदालत के फैसले में सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बालाघाट में गैस एजेंसी में प्रबंधक के रुप में कार्यरत अनुराग मिश्रा ने 2023 में एकार्ड मोटर्स से एक स्कॉर्पियो गाड़ी खरीदी थी। गाड़ी खरीदने के डेढ़ साल के भीतर ही उसमें खराबी आने लगी तो उन्होंने कंपनी शोरुम में गाड़ी की रिपेयरिंग करवाई, लेकिन कंपनी शोरुम में अनुराग मिश्रा से मरम्मत के नाम पर 7,267 रुपए वसूल कर लिये गए, लेकिन गाड़ी ठीक नहीं हुई, जबकि फिर दूसरे महीने सर्विसिंग के दौरान 48, 535 रुपए का बिल बनाकर कुल सुधार के नाम पर 53,803 रुपए अवैधानिक तरीके से वसूल लिए गए। तब अनुराग मिश्रा ने इसकी शिकायत उपभोक्ता अदालत में करते हुए एक याचिका दायर की, जिस पर एकार्ड मोटर्स ने केस को खारिज कराने पूरी ताकत भी लगाई, लेकिन कोर्ट ने आखिरकार आयोग के अध्यक्ष उपेंद्र सोनकर और सदस्यों की पीठ ने कंपनी 53,803 रुपए की पूरी राशि 6 प्रतिशत सालाना ब्याज के साथ वापस करने के आदेश जारी किये, साथ ही मानसिक और शारीरिक परेशानी के लिए 3,000 रुपए का हर्जाना देने व कोर्ट कचहरी के खर्च के लिए 1,500 रुपए अलग से चुकाने का भी फैसला सुनाया।

अनुराग मिश्रा ने जाहिर की खुशी..

अनुराग मिश्रा ने जगप्रेरणा से चर्चा में कहा कि मुझे उपभोक्ता अदालत पर विश्वास था, और मेरे विश्वास की जीत हुई। अनुराग मिश्रा ने आगे यह भी कहा कि कंपनीयों को किसी भी उपभोक्ता के साथ ऐसा करना शोभा नहीं देता, व्यवसायिक लाभ को सुनिश्चित करने के लिये किसी भी कंपनी को किसी भी उपभोक्ता के साथ धोखाधड़ी नहीं करना चाहिये। श्री मिश्रा ने कहा कि जब भी किसी के साथ अन्याय हो तो उन्हें न्यायालय के समक्ष याचिका अवश्य दायर करना चाहिये।

जैन तीर्थ संरक्षणीय महासभा द्वारा पुरातत्व संग्रहालय में मनाया गया जैन धरोहर दिवस..

जगप्रेरणा बालाघाट।

जैन धरोहर दिवस स्वर्गीय श्री निर्मल जी सेठी द्वारा विगत 40 वर्षों में देश विदेश में जैन धरोहरों एवं प्राचीन मंदिरों के जीर्णोद्धार, पुरातत्व संग्रहालय निर्माण जैसे अनेको कार्य किये हैं। उनकी पांचवी पुण्यतिथि के अवसर पर

जैन धरोहर दिवस मनाया जाता है। प्रथम चरण कार्यक्रम में सुबह 9.30 बजे मंदिर जी में जैन धरोहर दिवस के उपलक्ष्य में जानकारी दी गई। द्वितीय चरण श्री दिगम्बर जैन पंचायत तथा इतिहास एवं पुरातत्व शोध संस्थान संग्रहालय बालाघाट के संयुक्त तत्वावधान में शाम 5.30 बजे 7.30 बजे तक पुरातत्व संग्रहालय परिसर में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस आयोजन में उपस्थिति सभी समाजजनों के साथ संग्रहालय का अवलोकन किया, जिसमें जैन तीर्थंकर श्री आदिनाथ भगवान एवं महावीर भगवान की अति प्राचीन खंडित प्रतिमाओं को देखकर सभी का मन हर्षित हुआ। उक्त दोनों प्रतिमाये लगभग छठवीं सातवीं ई की बताई गई जिन्हें उसे समय की आतताइयों द्वारा क्षतिग्रस्त कर दिया गया था। दोनों तीर्थंकर की प्रतिमाएं आज से 40-50 वर्ष पूर्व स्थानीय काली पुतली चौक के आसपास खुदाई के समय भूगर्भ से प्राप्त हुई थी, जो कई वर्षों तक यत्र तत्र पड़ी हुई थी। पुरातत्व संग्रहालय के संग्रहाध्यक्ष डॉ.वीरेन्द्र सिंह गहरवार के अथक प्रयासों से पुरातत्व संग्रहालय की स्थापना स्थानीय पंच कोणी मार्ग [तिराहे] पर की गई, जहाँ दोनों जैन तीर्थंकरों की प्रतिमाओं को जैन धरोहर के रूप में संजोकर रखा गया है। समाज की अनोखी कलाकार श्रीमती ज्योति दीपक जैन द्वारा आदि मानव के विकास, अग्निवेश, अप्सरा पर बनाई गईं पेंटिंग भी देखी व सराहना की गई। डॉ.वीरेन्द्र सिंह गहरवार के इन्हीं प्रयासों के लिए श्री दिगंबर जैन पंचायत के अध्यक्ष श्री वीरेंद्र जैन, उपाध्यक्ष श्री दीपक जैन, पूर्व कमेटी उपाध्यक्ष श्री राजकुमार जैन एवं तीर्थ संरक्षणी महासभा की स्थानीय समन्वयक श्रीमती माधुरी जैन द्वारा पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर श्री दिगंबर जैन महिला मंडल की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती अंगूरी जैन श्रीमती सुनीता जैन महिला मंडल उपाध्यक्ष श्रीमती संध्या जैन, श्री विद्यासमय शाखा की अध्यक्ष श्रीमती रजनी जैन, कोषाध्यक्ष श्रीमती आभा जैन, वरिष्ठ सदस्य श्रीमती सुषमा जैन एवं उच्च श्रविका माँ उपस्थित रही। साथ ही पुरातत्व संग्रहालय की ओर से दिनेश नेमा, सतीश भारद्वाज एवं बलिंदर चौहान जी ने सहयोग प्रदान किया। श्रीमती माधुरी जैन द्वारा जैन धर्म और जैन तीर्थ क्षेत्रों एवं धरोहरों की रक्षा के लिए इस आयोजन में सम्मिलित सभी सदस्यों का आभार प्रकट किया गया।

एनएसएस स्वयंसेवकों की अभिनव पहल: कचरे से बनी जैविक खाद से खेतों में लौटी हरियाली..

जगप्रेरणा बालाघाट।

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयंसेवकों ने पर्यावरण संरक्षण और किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में एक सराहनीय पहल की है। सोनबाटोला मुरझड फार्म क्षेत्र में कृषि महाविद्यालय के बीएससी कृषि चतुर्थ वर्ष के स्वयंसेवकों ने किसानों को किचन वेस्ट से तरल जैविक खाद बनाने का प्रशिक्षण दिया।

इस पहल का नेतृत्व स्वयंसेवक कविता चौहान और उनके साथियों ने किया, जिसमें बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लेकर प्राकृतिक खेती के प्रति अपनी रुचि दिखाई। प्रशिक्षण के दौरान स्वयंसेवकों ने बताया कि केले, गाजर, प्याज, आलू के छिलके, पत्ता गोभी, पालक, गुड़ और लगभग 5 लीटर पानी की मदद से मात्र तीन दिनों में 100 प्रतिशत जैविक तरल खाद तैयार की जा सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह जैविक खाद नाइट्रोजन, फॉस्फोरस और पोटाश जैसे आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर होती है, जो पौधों की वृद्धि, जड़ों की मजबूती और फसल की गुणवत्ता सुधारने में सहायक है। इसके नियमित उपयोग से मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है और भूमि की दीर्घकालिक उत्पादकता में भी सुधार होता है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कचरे के बेहतर प्रबंधन के साथ रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करना है। स्वयंसेवकों ने किसानों को जागरूक करते हुए बताया कि जैविक विकल्प अपनाने से उत्पादन लागत घटेगी और पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलेगी। इस कार्यक्रम के सफल संचालन में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. शैलेन्द्र भलावे एवं डॉ. अतुल श्रीवास्तव का महत्वपूर्ण मार्गदर्शन रहा। वहीं कृषि महाविद्यालय बालाघाट के अधिष्ठाता डॉ. घनश्याम देशमुख के सहयोग और प्रेरणा से यह पहल प्रभावी रूप से आयोजित की गई। कई किसानों ने इस विधि को अपनाने का संकल्प लिया है। स्वयंसेवकों की यह पहल न केवल किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अहम कदम है, बल्कि स्वच्छता, सतत विकास और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का भी मजबूत संदेश देती है।

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..

अजय रजक गढ़ी

मो. 84353 19391

आरोह-2026: परसवाड़ा में ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर 1 मई से शुरू..

जगप्रेरणा परसवाड़ा (बालाघाट)।

विकासखंड परसवाड़ा में 1 मई 2026 से ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर ÷आरोह-2026÷ का शुभारंभ होने जा रहा है। यह शिविर संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण, टीटी नगर स्टेडियम भोपाल के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है।

प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग के निर्देशानुसार जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी राहुल बारेसा के नेतृत्व में जिले के प्रत्येक विकासखंड में खेल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। परसवाड़ा विकासखंड के ग्राम उकवा में फुटबॉल प्रशिक्षण का आयोजन किया जाएगा। इसमें कोच रोहित यादव द्वारा प्रतिदिन शाम 5 बजे से 7 बजे तक उकवा मॉयल ग्राउंड में प्रशिक्षण दिया जाएगा। वहीं, परसवाड़ा मुख्यालय स्थित छात्रावास ग्राउंड में कबड्डी, योग एवं एथलेटिक्स का प्रशिक्षण कोच कारण ऊईके द्वारा इसी समयावधि में प्रदान किया जाएगा। सभी गतिविधियां ब्लॉक समन्वयक खेमलाल वरकड़े के मार्गदर्शन में संचालित होंगी।

यह शिविर लगभग 30 दिनों तक चलेगा, जिसमें बच्चों एवं युवाओं को खेलों के साथ फिटनेस, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता एवं व्यक्तित्व विकास का प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में पढ़ाई के साथ खेलों के प्रति रुचि बढ़ाना, शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करना तथा छिपी हुई खेल प्रतिभाओं को निखारना है।

ब्लॉक समन्वयक खेमलाल वरकड़े ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों को इस शिविर में अवश्य शामिल कराएं, जिससे उनका समग्र विकास सुनिश्चित हो सके। साथ ही, समाज में फिटनेस संस्कृति को बढ़ावा देने और महिलाओं व युवतियों की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। 'आरोह-2026' अभियान 1 मई से 30 जून 2026 तक पूरे प्रदेश में आयोजित किया जाएगा। इच्छुक प्रतिभागी स्र्ह्य42द्वश्च पोर्टल अथवा त्तक्र कोड के माध्यम से पंजीयन कर सकते हैं।'एक कदम खेल की ओर, एक कदम सफलता की ओर'

परसवाड़ा में गूंजा 'गोमाता राष्ट्रमाता बने' का स्वर, गौ सम्मान अभियान के तहत भव्य रैली, सौंपा ज्ञापन..

जगप्रेरणा परसवाड़ा।

'गो सम्मान आह्वान अभियान' के अंतर्गत क्षेत्र में गोवंश संरक्षण, संवर्धन एवं सम्मान को लेकर व्यापक जनजागरण देखने को मिला। ग्राम डोगरिया स्थित गौशाला से प्रारंभ हुई भव्य रैली में बड़ी संख्या में गौभक्त, ग्रामीणजन एवं सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए।

रैली मुख्य मार्गों से होते हुए परसवाड़ा नगर पहुंची, जहां श्री राम मंदिर प्रांगण में भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। इस दौरान वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया और 'जय गोमाता', 'गोमाता राष्ट्रमाता बने' जैसे नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा।

रैली के दौरान प्रतिभागियों ने हाथों में बैनर और तख्तियां लेकर गोवंश संरक्षण का संदेश दिया। गौसेवकों ने आमजन से अपील की कि वे गोवंश की सेवा और सुरक्षा के लिए आगे आएं तथा प्लास्टिक और कचरा सड़कों पर न फेंकें, जिससे गौवंश को होने वाले नुकसान को रोका जा सके। इसके पश्चात रैली तहसील कार्यालय परसवाड़ा पहुंची, जहां उपस्थित गौभक्तों एवं नागरिकों ने भारत के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन एसडीएम श्री शिरीष प्याशी को सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से गोवंश पर हो रहे अत्याचारों को तत्काल रोकने, गो-तस्करी एवं गो-वध पर कठोर प्रतिबंध लगाने तथा देशी गोवंश को 'राष्ट्रमाता' घोषित करने की प्रमुख मांग उठाई गई। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि गोवंश भारतीय संस्कृति, आस्था और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार है। गो-आधारित प्राकृतिक खेती, जैविक खाद एवं पंचगव्य उत्पादों को बढ़ावा देकर किसानों को आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। इसके लिए सरकार से गौशालाओं के सुदृढ़ीकरण, निराश्रित गोवंश के लिए स्थायी व्यवस्था, चारा उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा गो-चिकित्सा सुविधाओं को बेहतर बनाने की मांग की गई।

रैली के दौरान वक्ताओं ने कहा कि यदि समय रहते गोवंश संरक्षण के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए तो यह हमारी सांस्कृतिक विरासत के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। उन्होंने शासन-प्रशासन से आग्रह किया कि गोसंरक्षण को प्राथमिकता देते हुए ठोस नीतियां लागू की जाएं और समाज को भी इसमें सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए।

इस अवसर पर क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक एवं गौसेवक उपस्थित रहे, जिनमें गब्बूलाल अमूले, जेसी अमुले, हरिप्रसाद चांवले, प्रणिता साकरे, अशोक कटरे, जनपद उपाध्यक्ष कांति राहंगडाले, निरख अमूले, शिव पटले, नरेंद्र पप्पू पटले, लोकेश राहंगडाले, लोकेश पटले, अमित कोचर, परमानंद ठाकरे सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन शामिल रहे।

कार्यक्रम के अंत में सभी गौसेवकों ने एक स्वर में संकल्प लिया कि वे गोवंश की सेवा, सुरक्षा एवं सम्मान के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे तथा जनजागरण के माध्यम से इस अभियान को और अधिक व्यापक बनाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने 14.11 करोड़ के विकास कार्यो का लोकर्पण एवं भूमिपूजन किया..

पुलिस की मोबाईल फारेंसिक वेन का शुभारंभ किया

अजय रजक, जगप्रेरणा गढ़ी।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने 28 अप्रैल को बालाघाट जिले के गढ़ी क्षेत्र के प्रवास के दौरान ग्राम टोपला में 14 करोड़ 11 लाख रुपये की लागत के 04 निर्माण कार्यो का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया।

इस अवसर पर उन्होंने पुलिस की मोबाईल फारेंसिक वेन एवं स्वास्थ्य विभाग के 100 दिवसीय टीबी रोगमुक्त अभियान के अंतर्गत जागरूकता रथ का शुभारंभ किया और उन्हें झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्र के विशेष पुलिस दस्ते में चयनित युवाओं से भेंट कर उन्हें देश सेवा में आगे आने के लिए बधाई एवं शुभकामनायें दी। इस दौरान सांसद श्रीमति भारती पारधी, मध्यप्रदेश अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य श्री भगत सिंह नेताम, जबलपुर संभाग के कमिश्नर श्री धनंजय सिंह, कलेक्टर श्री मृणाल मीना, पुलिस अधीक्षक श्री आदित्य मिश्रा एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने ग्राम टोपला में सूपखार-पटवा-छतरपुर-पटवा-छतरपुर मार्ग पर हालोन नदी पर 04 करोड़ 96 लाख रुपये की राशि से बनने वाले 65.48 मीटर लंबाई के पुल के लिए भूमिपूजन किया तथा पीएम जनमन योजना के अंतर्गत ग्राम पंचायत किनारदा के ग्राम पोला के महाजनटोला में 60 लाख रुपये की लागत से बने बहुउद्देशीय भवन, 06 करोड़ 57 लाख रुपये की लागत से निर्मित 09.44 किलोमीटर लंबाई की बंधनखेरो-देवगांव-सरईपतेरा-अकलपुर-जैरासी सड़क एवं 01 करोड़ 98 लाख रुपये की लागत से निर्मित 02.58 किलोमीटर लंबाई की मालूमझोला-हथबन-बंधनखेरो सड़क का लोकार्पण किया।

इन कार्यो से आदिवासी बहुल ग्रामों में विकास को नई गति मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा 100 दिवसीय टीबी रोगमुक्त अभियान के अंतर्गत जागरूकता रथ का शुभारंभ करने के साथ ही क्षय रोगियों को जल्द स्वस्थ होने के लिए फुड बास्केट का वितरण किया।

पुलिस के मोबाईल फारेंसिक वेन का उन्होंने झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। मोबाईल फारेंसिक वैन की सुविधा होने से पुलिस को किसी वारदात या घटना के अदृश्य प्रतीत होने वाले साक्ष्य एकत्र करने में सुविधा हो जायेगी और वह अपराधियों को पकड़ने व सजा दिलाने के लिए पुख्ता सबूत जुटा सकेगी।

इस अवसर पर उन्होंने फारेंसिक वेन के उपकरणों का मुआयना भी किया।

कान्हा राष्ट्रीय पार्क सूपखार में छोड़े गए चार जंगली भैंसे..

प्रदेश की मुखिया डॉक्टर मोहन यादव इस दौरान रहे मौजूद

अजय रजक, जगप्रेरणा गढ़ी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश में संचालित जैव विविधता संरक्षण के अगले अध्याय के रूप में आज जंगली भैंसा पुनर्स्थापना योजना का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कान्हा टाइगर रिजर्व में काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान असम से लाए गए जंगली

भैंसों के पुनर्स्थापना के लिए उन्हें बालाघाट जिले के सूपखार क्षेत्र में सॉफ्ट रिलीज किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश की धरती पर नए मेहमान के शुभ आगमन के लिए प्रदेशवासियों को बधाई दी।

वन्य प्राणियों से समृद्ध होंगे प्रदेश के वन, स्थानीय स्तर बढ़ेगा टूरिज्म और लोगों को मिलेंगे रोजगार के अवसर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर मीडिया से चर्चा में कहा कि प्रदेश के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है। लगभग 100 वर्ष के बाद प्रदेश की धरती पर जंगली भैंस का पुनर्वास एवं पुनर्स्थापना कार्य हो रहा है। यह मध्य प्रदेश के वन्य जीव एवं वन पारिस्थितिक संरक्षण के लिए अद्भुत अवसर है। जंगली भैंस के पुनर्वास से घास के मैदान के संरक्षण और इकोसिस्टम को मदद मिलेगी। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार विलुप्त प्रजातियां के वन्यजीवों को मध्य प्रदेश में वापस लेकर आ रही है। इससे जंगल, वन्य प्राणियों से समृद्ध होगा और स्थानीय स्तर पर टूरिज्म के माध्यम से लोगों को रोजगार भी मिलेगा। जंगली भैंसों की ट्रांसलोकेशन से असम के साथ मध्यप्रदेश का एक नया रिश्ता कायम हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि असम यात्रा के दौरान उनकी असम के मुख्यमंत्री डॉ. हेमंत बिश्वा सरमा के साथ जंगली भैंसों और गैंडा के पुनर्वास को लेकर सार्थक चर्चा हुई थी।

मध्यप्रदेश वन्य प्राणी संरक्षण में देश में मिसाल प्रस्तुत कर रहा है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि बालाघाट जिले के जंगल में छोड़े गए जंगली भैंसों में तीन मादा और एक नर शामिल है। सभी जंगली भैंसा युवा अवस्था में हैं और स्वस्थ हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश आज टाइगर और चीता स्टेट है, मध्य प्रदेश में मगरमच्छ, घड़ियाल और भेड़िया भी पर्याप्त संख्या में पाए जाते हैं। मध्य प्रदेश अब वल्चर स्टेट यानी गिद्ध स्टेट भी बना है। मध्य प्रदेश की धरा हर तरह के वन्य प्राणियों से समृद्ध है। कई सौ साल पहले विलुप्त हुए पर प्राणियों के पुनर्स्थापना से प्रदेश के समृद्ध वनों में वन्य प्राणियों के संरक्षण का सपना साकार हो रहा है, मध्यप्रदेश वन्य प्राणी संरक्षण में देश में मिसाल प्रस्तुत कर रहा है। हमारा यह प्रयास भावी पीढ़ियों को लाभ देगा। राज्य सरकार प्रदेश में अधोसंरचना विकास कार्यों को गति देने के साथ ही पारिस्थितिक तंत्र को मजबूत बनाने के लिए सम्पूर्ण निष्ठा के साथ निर्णय ले रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आशीर्वाद से वर्ष 2022 में चीतों का पुनर्वास हुआ। आज सुपर कूनो अभ्यारण के बाद गांधी सागर अभ्यारण्य में भी चीते दौड़ लगा रहे हैं। सागर के पास नोरादेही अभ्यारण में भी चीतों को बसाने की पूरी तैयारी है। यह सभी कार्य प्रदेश के लिए धरोहर होंगे। इस अवसर पर सांसद श्रीमति भारती पारधी, श्री भगत सिंह नेताम सहित वन विभाग के अधिकारी कर्मचारी एवं स्थानीय प्रशासन के अधिकारी उपस्थित रहे।

जंगली भैंसों का असम से मध्यप्रदेश का सफर : विलुप्त प्रजाति की अपने ऐतिहासिक क्षेत्र में वापसी

अंतर-राज्यीय सहयोग के इस महत्वपूर्ण अभियान के प्रथम चरण में 19 मार्च से 10 अप्रैल 2026 के बीच, कांजीरंगा के मध्य और पूर्वी क्षेत्रों से 7 किशोर भैंसों को लिया गया।

25 अप्रैल 26 को 4 जंगली भैंसों ने कांजीरंगा से कान्हा टाइगर रिज़र्व तक की अपनी 2000 किलोमीटर की यात्रा की। इनका स्थानांतरण काजीरंगा और कान्हा, दोनों जगहों के वरिष्ठ अधिकारियों और अनुभी पशु चिकित्सकों की देख-रेख में किया गया है।

आज दिनांक 28 अप्रैल 2026 इन्हें सूपखार, कान्हा टाइगर रिज़र्व में स्थित बाड़े में सॉफ्ट रिलीज़ किया जा रहा है।

स्थानीय रूप से विलुप्त हो चुकी जंगली भैंसे की प्रजाति उनके ऐतिहासिक क्षेत्र (कान्हा) में जैव विविधता को बढ़ावा देगी और कान्हा टाइगर रिज़र्व में घास के मैदानों वाले पारिस्थितिकी तंत्र के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मध्यप्रदेश में जंगली भैंसों की आबादी लगभग 100 वर्ष पहले समाप्त हो गई थी। वर्तमान में इनकी प्राकृतिक आबादी मुख्य रूप से असम में सीमित है, जबकि छत्तीसगढ़ में इनकी संख्या अत्यंत कम है।

भारतीय वन्यजीव संस्थान (देहरादून) द्वारा किए गए अध्ययन में कान्हा टाइगर रिजर्व को जंगली भैंसों के पुनर्स्थापन के लिए सबसे उपयुक्त पाया गया है। यहाँ के विस्तृत घासभूमि क्षेत्र, पर्याप्त जल स्त्रोत और न्यूनतम मानव हस्तक्षेप इस प्रजाति के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ प्रदान करते हैं।

कलेक्टर मीना ने बैहर एसडीएम कार्यालय का भी किया निरीक्षण

जगप्रेरणा बैहर।

कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने सोमवार को बैहर प्रवास के दौरान एसडीएम कार्यालय बैहर का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने एसडीएम न्यायालय में लंबित प्रकरणों एवं उनके निराकरण की स्थिति की जानकारी प्राप्त की।

कलेक्टर श्री मीना ने आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी मामलों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम नागरिकों को त्वरित न्याय और प्रशासनिक सेवाएं उपलब्ध हो सकें।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालय में अभिलेखों के संधारण, रखरखाव तथा अन्य प्रशासनिक व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर एसडीएम श्री अर्पित गुप्ता भी उपस्थित रहे।

दैनिक जग प्रेरणा
में समाचार
एवं विज्ञापन प्रकाशन
हेतु संपर्क करें..

गौरव अग्रवाल कटंगी
मो. 7974944900

पार्षद चौकसे ने दी धरने पर बैठने की चेतावनी

कहां किसके परमिशन से लग रही एलईडी कटंगी बस स्टैंड में

30 अप्रैल तक नहीं हटाया ढांचा तो 1 मेंई से बैठेंगे धरने पर

जगप्रेरणा कंटगी (बालाघाट)।

बालाघाट जिले के कटंगी नगर परिषद के बस स्टैंड की बात की जाये तो बस स्टैंड में वारासिवनी के एक व्यक्ति द्वारा एलईडी स्क्रीन लगाने की लिए ढांचा तैयार कर दिया गया है वहां पर

एलईडी स्क्रीन लगती है जो गलत है बस स्टैंड में किसी भी प्रकार का व्यक्ति कोई छोटी सी दुकान लगाता है तो उसको हटा दिया जाता है तो यह व्यक्ति कैसे एलईडी स्क्रीन लगा सकता है सोच का विषय है इस पूरे मामले के चलते कटंगी वार्ड नंबर 11 के पार्षद मनीष चौकसे द्वारा पिछले दिनों कटंगी नगर परिषद की बैठक में मुद्दा उठाया गया कि किसकी परमिशन से बस स्टैंड में एलईडी लग रही है वहीं बैठक के दौरान प्रभारी अध्यक्ष को छोड़ सभी पार्षद मनीष चौकसे के समर्थन में नजर आए बात की जाए तो पार्षद मनीष चौकसे का कहना है कि पिछले 5 साल पहले इसी स्थान से नगर के कुछ लोगों को बस स्टैंड को सुंदर बनाने के लिए है हटाया गया था उनकी रोजी-रोटी खराब हो गई जो कटंगी के रहने वाले हैं उसी स्थान पर बाहर के व्यक्ति को ऐसी कैसी परमिशन दे दी गई एलइडी लगाने की परिषद हमारी है परिषद के अधिकारी कर्मचारियों ने पार्षदों को अवगत क्यों नहीं कराया इस बात से बगैर पार्षदों से पूछे कैसे परमिशन दी इस बात की पार्षद ने ईस बात की निंदा की और पार्षद मनीष चौकसे ने जानकारी देते हुए बताया कि 30 अप्रैल की शाम 5:00 बजे तक स्क्रीन का ढांचा अगर नहीं हटाया जाता तो 1 मेंई को मजदूर दिवस है मजदूर दिवस के दिन मैं मनीष चौकसे इसी स्थान पर धरने पर बैठूंगा शुगर का पेशेंट होने के बाद भी अपनी सब दवाइयां लेकर मैं धरने पर बैठने की तैयारी बना चुका हूं और जब तक इस ढांचे को हटाया नहीं जाता मैं उठने वाला नहीं।

नगर की सभी कालोनी मे कालोनाइजर को पानी की टंकी के निर्माण के साथ पानी निकासी की करनी होगी व्यवस्था.. प्रदीप जायसवाल..

जनसुनवाई का दिखा असर, नागरिको की समस्याओ का त्वरित मे हुआ समाधान

जगप्रेरणा वारासिवनी।

पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे के अभिनव प्रयास प्रति मंगलवार जनसुनवाई का आज स्पष्ट तौर पर असर देखा गया। नागरिको ने वार्ड मे सफाई, प्रकाश व्यवस्था सहित मूलभूत सुविधाओ की दिक्कतो पर खुलकर आमने सामने विषय रखा। जिसका त्वरित मे समाधान भी किया गया।

जनसुनवाई को लेकर सजग नागरिको ने सबसे ज्यादा उत्साह दिखाया। निर्धारित समय के पहले ही नगरवासी अपनी अपनी समस्याओ के समाधान के लिये नपा भवन मे पहुचते देखे गये। वार्ड तीन से पार्षद प्रतिनिधी समीर बिसेन की बडी बडी वार्ड समस्या पर मंथन कर प्रथक से राशी की व्यवस्था कर समाधान की दिशा मे कदम बडाये गये। इसी तरह कालोनीयो मे पेयजल व प्रकाश व्यवस्था की दिक्कतो पर गंभीर निर्णय लिये गये। साथ ही दो बडी पानी टंकी के अलावा अब पेयजल दिक्कत के लिये नगर के चन्दौरी,वार्ड एक,दो तीन में छोटी टँकी के निर्माण के अलावा कालोनाइजरों को बुलाकर कालोनी में पेयजल की दिक्कत पर पानी टँकी निर्माण को अनिर्वाय करने के निर्देश देकर न पा परिषद ने अपनी चुस्त कार्यशैली का आज परिचय करा दिया। दुसरी तरफपानी की निकासी के विषय मे भी कालोनाइजरो को स्पष्ट निर्देश देकर कालोनीवासीयो की समस्याओ का समाधान तत्काल करने के निर्देश सुनकर नागरिकगण भी आयोजन की सफ्लता के गाथा गाते हुये देखे गये। निर्धारित समय से अधिक समय तक चली जनसुनवायी मे सजग नागरिको ने भी इस पहल का स्वागत किया। दूसरी ओर नपा मे एक कर्मचारी के द्वारा शासकीय योजना के नाम पर राशी लेने की शिकायत पर प्रदीप जायसवाल व मुख्य अधिकारी ने उसके खिलाफ गंभीर कदम उठाने का निर्णय लेकर पुरी परिषद को कार्य मे ईमानदारी बरतने के संकेत दे दिये। इसी तरह कैमरे के सामने फेस दिखाकर अपनी हाजिरी लगाकर चले जाने वाले कर्मचारियो के विषय मे भी पारदर्शी निर्णय लेकर चेतावनी तक जारी कर दी गयी। जनसुनवाई मे पार्षदगणो के साथ वार्ड प्रभारी, अन्य अधिकारीगण भी बेहद सकिय नजर आये।

वारासिवनी की शैक्षणिक प्रतिभाओं का भव्य सम्मान समारोह का तीस अप्रैल को होंगा आयोजन

पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज के आतिथ्य में कार्यक्रम होगा आयोजित..

जगप्रेरणा वारासिवनी।

नगर और ग्रामीण क्षेत्र की शैक्षणिक प्रतिभाओं को निखारने और उनका उत्साहवर्धन करने के लिए नगर पालिका परिषद वारासिवनी के द्वारा एक विशाल सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। वारासिवनी के इंडोर स्टेडियम में आगामी 30 अप्रैल 2026 को आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में क्षेत्र के होनहार सितारों को पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के हाथों सम्मानित किया जाएगा। यह कार्यक्रम पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के मुख्य आतिथ्य, नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे की अध्यक्षता एवं सभी पार्षद व मनोनीत पार्षदों की गरिमामय उपस्थिति में यह आयोजन संपन्न होगा। नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि मनोज दांदरे ने जानकारी देते हुए बताया कि परिषद ने शिक्षा की गुणवत्ता और छात्रों की मेहनत को प्रोत्साहित करने का निर्णय लिया है। इसके तहत क्षेत्र मे कक्षा 10 वीं में 85 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र एवं कक्षा 12 वीं में 80 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं का सम्मान करेंगे।

भीषण गर्मी में नगरवासियों को राहत देने नगर पालिका परिषद मलाजखंड द्वारा प्याऊ (पेयजल) की समुचित व्यवस्था

जगप्रेरणा मलाजखंड।

नगर पालिका परिषद मलाजखंड द्वारा भीषण गर्मी को देखते हुए नगर के सभी नागरिकों एवं राहगीरों की सुविधा एवं स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखते हुए व्यापक स्तर पर पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। गर्मी के इस मौसम में आमजन को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से नगर के प्रमुख चौराहों, बाजार क्षेत्रों एवं सार्वजनिक स्थलों पर प्याऊ (पेयजल) की समुचित व्यवस्था की गई है, ताकि कोई भी व्यक्ति प्यासा न रहे और सभी को स्वच्छ एवं ठंडा पेयजल आसानी से उपलब्ध हो सके।

नगर पालिका परिषद द्वारा वर्तमान में नगर के लगभग 20 स्थानों पर प्याऊ स्थापित किए गए हैं, जहां नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। इन प्याऊ स्थलों की साफ-सफाई, जल की गुणवत्ता एवं निरंतर जल आपूर्ति बनाए रखने के लिए संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए गए हैं। यह सराहनीय पहल ÷जल गंगा संवर्धन अभियान÷ के अंतर्गत संचालित की जा रही है, जिसका उद्देश्य जल संरक्षण, जल प्रबंधन एवं नागरिकों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना है।

यह व्यवस्था विशेष रूप से राहगीरों, श्रमिकों, व्यापारियों एवं आम नागरिकों के लिए राहत प्रदान कर रही है और गर्मी के मौसम में जनसेवा का महत्वपूर्ण उदाहरण बन रही है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री दिनेश वाघमारे ने बताया कि नगर पालिका परिषद मलाजखंड का उद्देश्य नगर के प्रत्येक नागरिक को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना है। भीषण गर्मी के दौरान पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए नगर के विभिन्न स्थानों पर प्याऊ की व्यवस्था की गई है, जिससे आमजन को राहत मिल सके। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि वे इन प्याऊ स्थलों का उपयोग करते समय स्वच्छता बनाए रखें एवं जल का दुरुपयोग न करें, ताकि सभी को निरंतर पेयजल की सुविधा मिलती रहे। नगर पालिका परिषद मलाजखंड की यह जनहितकारी पहल सेवा, संवेदनशीलता एवं जिम्मेदारी का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत कर रही है।

110 आवेदकों ने दिये आवेदन, जनसुनवाई में कलेक्टर मृणाल मीना ने सुनी आवेदकों की समस्या..

जगप्रेरणा बालाघाट।

प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 28 अप्रैल को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर श्री मृणाल मीना के निर्देशन में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक सराफ

संयुक्त कलेक्टर श्री एमआर कोल, डिप्टी कलेक्टर श्री प्रदीप कौरव एवं एसडीएम श्री गोपाल सोनी ने आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनका निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में 110 आवेदक अपनी समस्या लेकर आए थे।

जनसुनवाई में वारासिवनी तहसील की निवासी शीला बाई बर्वे शहर एवं नहर के पानी की निकासी के लिए बने नाले और प्राकृतिक रास्ते से अतिक्रमण हटाने की मांग लेकर आयी थी। शीलाबाई का कहना था कि बीड़ी कॉलोनी, एरिगेशन कार्यालय के पीछे जल निकासी मार्ग पर हुए अतिक्रमण से स्थानीय रहवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जल निकासी मार्ग के आसपास कुछ लोगों द्वारा मिट्टी और मुरम डालकर भराव कर दिया गया है, जिससे नाला संकरा हो गया है और कई स्थानों पर जल प्रवाह बाधित हो रहा है। अतः जल निकासी मार्ग पर किए गए अतिक्रमण को शीघ्र हटाया जाए तथा नाले की साफ-सफाई और चौड़ीकरण कराया जाए, ताकि शहर एवं नहर के पानी का सुचारु रूप से निकास हो सके। इस प्रकरण में सीएमओ वारासिवनी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

लालबर्रा तहसील के ग्राम पाथरी निवासी गेंदलाल घोड़ेश्वर भू-स्वामित्व अधिकार अभिलेख में अपनी पत्नी का नाम जोड़े जाने की मांग लेकर आए थे। गेंदलाल का कहना था कि वह निःसंतान एवं विकलांग है तथा उसके अधिकार अभिलेख में केवल उसी का नाम अंकित है। अतः उसने प्रशासन से मांग की है उसके अधिकार अभिलेख में उसकी पत्नी का नाम जोड़ा जाए। इस प्रकरण में लालबर्रा तहसीलदार को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

लालबर्रा तहसील अंतर्गत ग्राम सर्रा निवासी मंगुलाल ठाकरे पटवारी द्वारा सीमांकन नही किये जाने की शिकायत लेकर आए थे। मंगुलाल का कहना था कि उसकी भूमि का सीमांकन करने का आदेश 23 अक्टूबर 2025 को जारी किया गया है, किंतु अब तक पटवारी द्वारा उसकी भूमि का सीमांकन नही किया गया है। अतः शीघ्र भूमि का सीमांकन किया जाए। इस प्रकरण में तहसीलदार लांजी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

जनसुनवाई में लांजी तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत बडग़ांव के पीएम आवास योजना के हितग्राही योजना की दूसरी किश्त न मिलने की शिकायत लेकर आए थे। ग्रामीणों का कहना था कि वर्ष 2024-25 में प्रधानमंत्री आवास योजना में उनके आवास स्वीकृत किये गए थे। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना की पहली किश्त उनके खाते में आ चुकी है जिसके बाद गृह निमार्ण का कार्य भी शुरू कर दिया गया था, किंतु अब तक उन्हें योजना की दूसरी किश्त प्राप्त नही हो पायी है, जिसके कारण गृह निमार्ण का कार्य रूक गया है। अतः योजना अंतर्गत हितग्राहियों को शीघ्र योजना की दूसरी किश्त प्रदान की जाए। इस प्रकरण में जनपद सीईओ लांजी को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

बिरसा तहसील के ग्राम बीजाटोला निवासी मुकेश धुर्वे समग्र पोर्टल में दर्ज मृत्यु तिथि में शीघ्र सुधार करवाने की मांग लेकर आए थे। मुकेश का कहना था कि उसकी माता तुलसा धुर्वे की मृत्यु 15 नवम्बर 2025 को हो चुकी है, किंतु समग्र पोर्टल में ग्राम सहायक सचिव द्वारा मृत्यु तिथि 06 अक्टूबर 2024 दर्ज की गई है। जिसके कारण उसे अंत्येष्टि राशि एवं अनुग्रह सहायता राशि जैसी योजना का लाभ प्राप्त नही हो पाया है। अतः मुकेश की माता की मृत्यु तिथि में शीघ्र सुधार किया जाए जिससे की उसे योजना का लाभ प्राप्त हो सके। इस प्रकरण में जनपद सीईओ बिरसा को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

लालबर्रा तहसील के ग्राम गर्रा निवासी रचना सिंगमारे सुमित पोहा मिल से निकलने वाले अपशिष्ट की वजह से होने वाली समस्या के संबंध में शिकायत लेकर आयी थी। रचना का कहना था कि वार्ड नं.12 हरिओम नगर गर्रा में स्थित सुमित पोहा मिल से प्रतिदिन धान का जला राख उड़कर उनके एवं आसपास के घरों में आता है, जिससे की आंखो मे जलन एवं सांस लेने में परेशानी जैसी समस्या का सामना करना पड़ता है। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है कि इस समस्या का शीघ्र निराकरण किया जाए। इस प्रकरण में एसडीएम वारासिवनी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

जनसुनवाई में वारासिवनी निवासी योगेश देवेश्वर पिता के सेवा निवृत्ति उपरांत सेवा लाभ ग्रेच्यूटी एवं अवकाश समर्पण राशि का भुगतान नही किये जाने की शिकायत लेकर आए थे। योगेश्वर देवेश्वर का कहना था कि उनके पिता स्व. श्री पुनमचंद देवेश्वर जनपद पंचायत कटंगी में सहायक ग्रेड-03 के पद पर कार्यरत थे तथा वे 31 मार्च 2022 को सेवानिवृत्त हो चुके है किंतु अब तक उन्हें सेवा लाभ ग्रेच्यूटी एवं अवकाश समर्पण राशि का भुगतान नही किया गया है। योगेश ने बताया कि उनका परिवार आर्थिक संकट से जूझ रहा है। अतः उन्हें शीघ्र राशि का भुगतान किया जाए। इस प्रकरण में जनपद सीईओ कटंगी को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

भरवेली के वार्ड नं.10 की निवासी शकुंतला खुरसेल अपने नाती की सीएम राईस स्कूल में एडमिशन दिलाने की मांग लेकर आयी थी। शकुंतला का कहना था कि उसके नाती सुभाष लंगोटे द्वारा कक्षा 08वीं की परीक्षा विजलेंस स्कूल भरवेली से निःशुल्क शिक्षा अध्ययन करते हुये प्रथम श्रेणी मे उत्तीर्ण किया है और अब वह 09वीं कक्षा से सीएम राईस स्कूल में अध्ययन करना चाहता है। शकुंतला ने बताया कि वह उसे अध्ययन करवाने में सक्षम नही है अतः उसने जिला प्रशासन से मांग की है कि उसके नाती का सीएम राईज स्कूल में एडमिशन करवाया जाए। इस प्रकरण में जिला शिक्षा अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

भरवेली के ग्राम हीरापुर की सूरजकुमारी अपने पति जैराम भलावी को दोबारा से उनकी नौकरी दिलवाने की मांग लेकर आयी थी। सूरजकुमारी का कहना था कि उसके पति जैराम भलावी मॉयल लिमिटेड बालाघाट में कार्यरत थे। जैराम की तबियत खराब होने के कारण वह कुछ समय अपने कार्य से अनुपस्थित रहे। वहीं जब मॉयल से समय समय पर नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया तब तब जैराम द्वारा जवाब बनाकर पेश किया गया, किंतु मॉयल द्वारा जवाब पर असंतुष्टि जताते हुए जैराम को निष्कासित कर दिया गया। सूरजकुमारी का कहना है कि उसके पति को एक और मौका दिया जाए। इस प्रकरण में जिला श्रम अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

जनसुनवाई में लालबर्रा तहसील अंतर्गत ग्राम बम्हनी निवासी सावित्री मरठे मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना की राशि दिलाने की मांग लेकर आयी थी। सावित्री का कहना था कि वह एक दिव्यांग महिला है तथा उसे दिव्यांगजन का पेंशन राशि 600 रुपए प्राप्त होता है। सावित्री का कहना था कि उसे लाडली बहना योजना के तहत पंजीयन किया गया है और योजना की राशि भी प्रदान की जाती थी। किंतु विगत एक वर्ष से लाडली बहना योजना की राशि प्राप्त नही हो रही है। इस प्रकरण में महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

कटंगी तहसील अंतर्गत ग्राम आगरी निवासी उपेंद्र देहलींगे ग्रामीण कोटा कटंगी से लोन जमा करने में कुछ दिनों का समय देने की मांग लेकर आये थे। उपेंद्र का कहना था कि उसने दुकान के लिए लोन ग्रामीण कोटा कटंगी से एक लाख रुपए का लोन लेकर दुकान शुरू किया था, किंतु उनकी दुकान एक ट्रक हादसे में सामान सहित तबाह हो गई। उपेंद्र की दुकान उसकी आय का एक मात्र साधन थी जो कि उसके परिवार का भरण पोषण का सहारा थी। अतः उपेंद्र को लोन की राशि जमा करने में कुछ समय और दिया जाए। इस प्रकरण में अग्रणी बैंक प्रबंधक को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..
रूपेश रावते भानेगांव
मो. 9826602705

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - 9329033433

सरस्वती शिशु मंदिर में 1 मई से 5 दिवसीय समर कैंप, नि:शुल्क कैंप में बच्चों को मिलेगी भविष्य के लिए जानकारियां..

जगप्रेरणा लांजी।

स्कूली शिक्षा के साथ-साथ बच्चों के सर्वांगीण विकास और उनकी छिपी हुई प्रतिभाओं को निखारने के उद्देश्य से एक सराहनीय पहल की जा रही है।

कोटेश्वर ज्ञानपीठ समिति लांजी द्वारा संचालित विद्याभारती सरस्वती शिशु मंदिर/ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आगामी 1 मई से 5 मई 2026 तक पांच दिवसीय निःशुल्क समर कैंप का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर सत्र 2026-27 के तहत आयोजित किया जा रहा है, जिसमें नगर के सभी वर्गों के बच्चों को भाग लेने का अवसर मिलेगा।

गर्मी की छुट्टियों में जहां अधिकांश बच्चे मोबाइल और टीवी तक सीमित हो जाते हैं, वहीं यह समर कैंप उन्हें रचनात्मक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों से जोड़ने का एक बेहतर मंच प्रदान करेगा। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार, इस शिविर का उद्देश्य बच्चों के भीतर छिपी प्रतिभा को पहचानना और उसे सही दिशा देना है।

रोचक गतिविधियों से होगा व्यक्तित्व विकास..

इस पांच दिवसीय शिविर में बच्चों को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि जीवन कौशल और व्यवहारिक ज्ञान पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। शिविर के दौरान विज्ञान के जादू के माध्यम से जटिल वैज्ञानिक सिद्धांतों को सरल प्रयोगों के जरिए समझाया जाएगा, जिससे बच्चों में जिज्ञासा और वैज्ञानिक सोच का विकास होगा।इसके साथ ही वैदिक गणित के जरिए बच्चों को तेजी से गणना करने की पारंपरिक तकनीकों से परिचित कराया जाएगा। स्पोकन इंग्लिश के विशेष सत्र बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाने और अंग्रेजी भाषा के प्रति झिझक दूर करने में मदद करेंगे। शिविर में योग एवं वंदना को भी विशेष स्थान दिया गया है, जिससे बच्चों के शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक संतुलन भी बेहतर होगा। इसके अलावा कला और खेल गतिविधियों जैसे पेंटिंग, नृत्य, व्यायाम और विभिन्न खेल-कूद के माध्यम से बच्चों की रचनात्मकता और शारीरिक क्षमता को भी प्रोत्साहित किया जाएगा।

सुबह के समय होगा आयोजन, गर्मी से मिलेगी राहत..

भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए शिविर का समय सुबह 7 बजे से 9 बजे तक निर्धारित किया गया है, ताकि बच्चे आरामदायक माहौल में गतिविधियों का आनंद ले सकें। विद्यालय समिति ने सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों को इस निशुल्क समर कैंप में अवश्य भेजें, ताकि वे छुट्टियों का सदुपयोग कर सकें। इस प्रकार के आयोजन न केवल बच्चों के बौद्धिक विकास में सहायक होते हैं, बल्कि उनमें अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना जैसे महत्वपूर्ण गुणों का भी विकास करते हैं। यह समर कैंप बच्चों के लिए सीखने और आनंद लेने का एक बेहतरीन अवसर होगा।

मनोनीत पार्षदों का नगर परिषद में हुआ स्वागत

शासन की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने लिया संकल्प..

जगप्रेरणा लांजी।

मध्यप्रदेश शासन के नगरीय विकास एवं आवास विभाग, भोपाल द्वारा जारी आदेश दिनांक 29 मार्च 2026 के अनुसार नगर परिषद् लांजी में चार नए मनोनित पार्षदों की नियुक्ति की गई है।

इन मनोनित पार्षदों में आलोक चौरसिया, श्रीमती सुशीला दुग्गड़, श्रीमती प्रगति पालिवाल एवं अविनाश रैंच शामिल हैं।

मंगलवार 28 अप्रैल को नगर परिषद् लांजी के सभा कक्ष में इन सभी मनोनित पार्षदों का फूल मालाओं से भव्य स्वागत सत्कार किया गया। स्वागत कार्यक्रम के दौरान नगर परिषद् पदाधिकारियों ने नए मनोनित पार्षदों का स्वागत करते हुए उन्हें शासन की विभिन्न योजनाओं एवं अभियानों को जन-जन तक पहुंचाने तथा उन्हें सफल बनाने में सक्रिय सहयोग देने की अपेक्षा की।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से नगर परिषद् अध्यक्ष श्रीमती रेखा ताराचंद कालबेले, उपाध्यक्ष संदीप रामटेक्कर, सभापति दिनेश कचवाहे, विजय गोस्वामी, किशोर रामटेक्कर, पार्षद संजय सैयाम, विधायक प्रतिनिधि कैलाश गोस्वामी, मुख्य नगरपालिका अधिकारी मयुर वाहने, उपयंत्री अमित नगपुरे, लेखापाल श्रीमती वंदना भार्गव, छगनलाल मिश्रा, उत्तम रामटेक्कर, उपकेन वराड़े, श्याम वघारे सहित नगर परिषद् के समस्त पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

नए मनोनित पार्षदों ने भी नगर परिषद् की प्रगति और लांजी शहर के विकास में पूर्ण सहयोग देने का विश्वास व्यक्त किया।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत लांजी में शासकीय कुंओं की व्यापक सफाई..

जगप्रेरणा लांजी।

जल संरक्षण और जलस्त्रोतों के संवर्धन को लेकर नगर परिषद लांजी द्वारा सराहनीय पहल करते हुए 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 09 में विशेष सफाई अभियान चलाया गया।

इस दौरान क्षेत्र के शासकीय कुंओं की व्यापक साफ-सफाई की गई। अभियान के तहत कुंओं में जमा गाद, कचरा एवं अन्य मलबे को बाहर निकालकर जलस्त्रोतों को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया गया। साथ ही जल की शुद्धता बनाए रखने के उद्देश्य से कुंओं में ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव भी किया गया। इस पहल से क्षेत्र में जलस्तर बढ़ने के साथ-साथ स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित होने की उम्मीद जताई जा रही है। कार्यक्रम में नगर परिषद के सभापति एवं पार्षद श्री किशोर रामटेक्कर की विशेष उपस्थिति रही। वहीं मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री मयूर वाहने ने नगर परिषद के कर्मचारियों के साथ सक्रिय सहभागिता निभाते हुए अभियान को सफलता पूर्वक संपन्न कराया। नगर परिषद लांजी द्वारा संचालित यह अभियान जल संरक्षण, स्वच्छता और जनस्वास्थ्य के प्रति प्रशासन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

घरेलू विवाद के चलते प्राण घातक हमले में महिला की मौत, 24 घंटे में बहला पुलिस ने सुलझाई गुत्थी

जगप्रेरणा बहेला।

लांजी अनुभाग के थाना बहेला अंतर्गत ग्राम रिसेवाड़ा में हुई 27 वर्षीय नंदनी नाईक की हत्या की गुत्थी को पुलिस ने 24 घंटे के अंदर सुलझा लिया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मृतिका के पति योगराज उर्फ योगेश उर्फ 'टेंपू' नाईक को गिरफ्तार कर लिया है।

जांच में सामने आया है कि घरेलू विवाद और पत्नी पर अनावश्यक पाबंदियां लगाने की सनक के चलते आरोपी ने इस खूनी वारदात को अंजाम दिया। पुलिस जांच और परिजनों के बयानों के अनुसार, आरोपी योगराज अपनी पत्नी नंदनी को मायके जाने और बच्चों को घर से बाहर निकलने पर पाबंदी लगाता था। इसी बात को लेकर घर में अक्सर विवाद और मारपीट होती थी। घटना वाली रात 26 अप्रैल को भी इसी बात पर विवाद हुआ, जिससे आक्रोशित होकर आरोपी ने नंदनी के सिर पर किसी भारी वस्तु से प्राणघातक हमला कर दिया। अत्यधिक रक्तस्राव होने के कारण नंदनी की मौके पर ही मृत्यु हो गई।

सिर में गंभीर चोट लगने से हुई थी महिला की मृत्यु.....

बहेला थाना प्रभारी उपनिरीक्षक रामकुमार रघुवंशी ने बताया कि 27 अप्रैल को मर्ग जांच के दौरान घटनास्थल का सूक्ष्म निरीक्षण किया गया और साक्ष्यों का मिलान किया गया। शासकीय अस्पताल बहेला के चिकित्सक द्वारा दी गई संक्षिप्त पीएम रिपोर्ट में मृत्यु का मुख्य कारण सिर में आई गंभीर चोट को बताया गया है। साक्ष्यों और गवाहों के बयानों के आधार पर पुलिस ने आरोपी योगराज के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपी पर निम्नलिखित धाराओं के तहत कार्यवाही की है जिसमें धारा 103(1) बीएनएसः हत्या के लिए दंड। धारा 238(ख) बीएनएसः साक्ष्यों को मिटाने या पुलिस को गुमराह करने का प्रयास।

ग्रामीणों और परिजनों ने दी जानकारी..

मृतिका के पिता रामू टेकाम ने बताया कि उनकी बेटी ने 7-8 वर्ष पूर्व योगराज से प्रेम विवाह किया था, लेकिन विवाह के कुछ समय बाद से ही आरोपी उसे प्रताड़ित करने लगा था। पूर्व में गांव के सरपंच और अन्य गणमान्य नागरिकों ने भी आरोपी को समझाने का प्रयास किया था, किंतु उसकी आदतों में कोई सुधार नहीं आया। सोमवार सुबह जब परिजन मौके पर पहुंचे, तो कमरे में चारों तरफ खून फैला हुआ था। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। फिलहाल पुलिस मामले की आगे की विवेचना कर रही है।

रजेगांव चेक पोस्ट पर वाहनों की आकस्मिक जांच

नियम विरुद्ध संचालन पर मातोश्री ट्रेवल्स की दो बसों पर 01 लाख रुपए का जुर्माना..

जगप्रेरणा किरनापुर।

बालाघाट जिले में परिवहन विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा और यात्री वाहनों के नियमानुसार संचालन सुनिश्चित करने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत रजेगांव चेक पोस्ट पर सोमवार, 28 अप्रैल को आकस्मिक जांच की गई।

इस दौरान मातोश्री ट्रेवल्स की दो बसें नियमों का उल्लंघन करते हुए संचालित पाई गईं, जिन पर कुल 1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया।

जिला परिवहन अधिकारी श्री अनिमेष गढ़पाल ने बताया कि जांच के दौरान संबंधित बसें बिना परमिट और बिना पंजीयन के संचालित हो रही थीं। इसके साथ ही वाहनों में सड़क सुरक्षा मानकों का भी उल्लंघन पाया गया, जो यात्रियों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। उन्होंने बताया कि परिवहन विभाग द्वारा नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। ऐसे मामलों में न केवल जुर्माना लगाया जाता है, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर वाहन जब्ती और अन्य वैधानिक कार्रवाई भी की जाती है।

जिला परिवहन अधिकारी ने वाहन संचालकों को सख्त निर्देश दिए हैं कि वे बिना वैध दस्तावेजों के वाहन संचालन न करें और सभी सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

परिवहन विभाग ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि वे यात्रा के दौरान केवल वैध और नियमों का पालन करने वाले वाहनों का ही उपयोग करें, ताकि सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित हो सके।

शादी विवाह के सीजन में नियमों को ताक में रख कर बज रहे कानफोड़ू डी जे..

जगप्रेरणा लांजी।

वर्तमान में जारी वैवाहिक सीजन में 'दिखावे' की संस्कृति आम जनजीवन पर भारी पड़ रही है। सड़कों पर डीजे और धुमाल की कान फोडू ध्वनि के साथ अब 'पेपर ब्लास्टर' मशीनों का बढ़ता चलन शहर की व्यवस्था बिगाड़ रहा है।

विडंबना यह है कि प्रशासन द्वारा दी जा रही अनुमतियां केवल कागजों तक सीमित हैं, जबकि सड़कों पर नियमों की सरेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। भीषण गर्मी के इस दौर में अचानक आंधी और तेज हवाओं का चलना आम बात हो चुकी है। बाराती सड़कों पर पेपर ब्लास्टर चलाकर और कचरा फैलाकर आगे बढ़ जाते हैं, लेकिन असली समस्या उसके बाद शुरू होती है। जब तेज हवाएं चलती हैं, तो सड़कों पर जमा यह बारीक कागजी कचरा बवंडर बनकर हवा में तैरने लगता है। यह उड़ता हुआ कचरा राहगीरों और वाहन चालकों की आंखों में गिरकर दुर्घटनाओं को आमंत्रण दे रहा है। सड़कों के किनारे स्थित घरों और प्रतिष्ठानों में यह कचरा इस कदर भर जाता है कि लोगों का वहां बैठना दूभर हो गया है। प्रशासन की अनदेखी का खामियाजा उन निर्दोष नागरिकों को भुगतना पड़ रहा है, जिनका इन आयोजनों से कोई लेना-देना नहीं है।

मवेशियों के लिए 'डेथ वारंट, प्रशासनिक अनुमति पर उठे सवाल'..

इस कचरे का सबसे भयावह पक्ष पशुधन से जुड़ा है। सड़कों पर चारा तलाशने वाले बेजुबान मवेशी इन चमकदार और जहरीले कागज के टुकड़ों को खा रहे हैं। ये टुकड़े मवेशियों के पेट में जाकर जमा हो रहे हैं, जो उनके लिए जानलेवा साबित हो सकते हैं। एक ओर सरकार गौ-संवर्धन की बात करती है, वहीं दूसरी ओर प्रशासन की नाक के नीचे सड़कों पर ऐसा जानलेवा कचरा फैलाया जा रहा है, जो सीधे तौर पर पशुओं की मौत का कारण बन रहा है। इस पूरे घटनाक्रम ने प्रशासन की कार्यप्रणाली को कटघरे में खड़ा कर दिया है। सवाल यह उठता है कि जब प्रशासन डीजे और धुमाल के उपयोग की अनुमति प्रदान करता है, तो क्या उस अनुमति पत्र में ध्वनि की सीमा और सड़कों पर गंदगी न फैलाने की शर्तें स्पष्ट रूप से उल्लेखित होती हैं? यदि नियम हैं, तो उनका पालन कराने के लिए जिम्मेदार अधिकारी सड़कों पर क्यों नजर नहीं आते? प्रशासन द्वारा दी जा रही यह 'शिथिल अनुमति' आयोजकों के हौसले बुलंद कर रही है।

प्रशासन से कार्यवाही की मांग..

क्षेत्र की जनता अब प्रशासन से ठोस जवाब और कार्यवाही की मांग कर रही है। क्या प्रशासन ऐसे आयोजकों और डीजे संचालकों पर जुर्माना लगाएगा जो सड़कों को कूड़ेदान बना रहे हैं? क्या अनुमति पत्र की शर्तों का उल्लंघन करने वालों के लाइसेंस निरस्त किए जाएंगे? यदि समय रहते इन 'पेपर ब्लास्टर' मशीनों और अनियंत्रित शोर पर अंकुश नहीं लगाया गया, तो सार्वजनिक व्यवस्था पूरी तरह चरमरा जाएगी।

लेख, लघु कथा, कविताएं एवं साहित्य सोमग्रीयां आमंत्रित है..

Email - jagprernaw@gmail.com
Whatsapp - 93290-33433

दैनिक जग प्रेरणा में साहित्य लेख रचनाएं प्रकाशन के लिये संपर्क करें..

एकता आशीष वर्मा
मो. 94070 33433

अमेरिका और ईरान अस्थायी युद्ध विराम के दौरान नाजुक संतुलन और भविष्य की अनिश्चितता –28 अप्रैल 2026 तक नाजुक दौर में प्रवेश?– समग्र वैश्विक विश्लेषण..

वैश्विक स्तरपर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कोई नई कहानी नहीं है,बल्कि यह दशकों से विकसित होता एक जटिल भू-राजनीतिक समीकरण है, जो आज 2026 में एक बार फिर निर्णायक मोड़ पर खड़ा दिखाई दे रहा है। जब यूएसएस जॉर्ज एच.डब्लू.बुश,यूएसएस अब्राहम लिनकोलन और यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड जैसे तीन शक्तिशाली एयरक्राफ्ट कैरियर स्ट्राइक ग्रुप एक साथ मिडिल ईस्ट में तैनात दिखाई देते हैं, तो यह केवल एक सामान्य सैन्य गतिविधि नहीं मानी जा सकती।

यह एक ऐसा संकेत है जो अंतरराष्ट्रीय समुदाय को यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या यह केवल शक्ति प्रदर्शन (शो ऑफ़ फ़ोर्स) है या वास्तव में युद्ध की तैयारी का पूर्वाभास। इस पूरे परिदृश्य को समझने के लिए हमें केवल सैन्यगतिविधियों पर ही नहीं, बल्कि इसके पीछे छिपे राजनीतिक, आर्थिक और रणनीतिक कारकों पर भी गहराई से नजर डालनी होगी। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि़ सबसे पहले यदि हम वर्तमान सैन्य स्थिति को देखें, तो तीनों अमेरिकी कैरियर स्ट्राइक ग्रुप्स की संयुक्त मौजूदगी अपने आप में एक असाधारण घटना है। आमतौर पर अमेरिका किसी एक क्षेत्र में एक या दो कैरियर तैनात करता है, लेकिन तीन कैरियर का एक साथ होना यह दर्शाता है कि वॉशिंगटन इस क्षेत्र कोअत्यधिक संवेदनशील और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मान रहा है। प्रत्येक कैरियर अपने साथ फाइटर जेट्स,मिसाइल सिस्टम, डेस्ट्रॉयर और सबमरीन का पूरा नेटवर्क लेकर चलता है, जिससे यह एक चलते-फिरते सैन्य बेस की तरह काम करता है। इस तरह की तैनाती का सीधा संदेश ईरान को है कि यदि वह किसी भी प्रकार की आक्रामक कार्रवाई करता है, तो उसे तत्काल और व्यापक जवाब का सामना करना पड़ेगा।

साथियों बात अगर हमअमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय से तनावपूर्ण संबंधों को समझने की करें तो हाल ही में लागू अस्थायी युद्ध विराम की स्थिति वैश्विक राजनीति के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ है। 8 अप्रैल 2026 से लागू यह 14-दिन का विराम, जो अमेरिका और ईरान के बीच सीधे सैन्य टकराव को रोकने के उद्देश्य से स्थापित किया गया था,अब 27अप्रैल 2026 तक एक नाजुक दौर में प्रवेश कर चुका है। इस विराम के पीछे की कूटनीतिक प्रक्रिया अत्यंत जटिल और संवेदनशील रही है, क्योंकि दोनों पक्षों के बीच गहरी अविश्वास की स्थिति बनी हुई है। अमेरिका और ईरान दोनों ने इस विराम का पालन करने की प्राथमिकता जताई है, लेकिन साथ ही दोनों ही पक्ष अपने-अपने रणनीतिक हितों की रक्षा के लिए कड़े रुख पर बने हुए हैं। विशेषकर हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य के संकट और अमेरिकी नौसेना द्वारा ईरानी जहाज टोस्का की जब्ती जैसी घटनाओं ने दोनों देशों के बीच भरोसे को गंभीर रूप से कमजोर कर दिया है। ईरान ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताते हुए अमेरिका पर आरोप लगाया है, जबकि अमेरिका इसे हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य में वैश्विक तेल परिवहन को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई के रूप में प्रस्तुत कर रहा है।

पाकिस्तान की मध्यस्थता में चल रही शांति वार्ता भी फिलहाल गतिरोध में है।इस्लामाबाद में आयोजित होने वाली वार्ता में ईरान ने अमेरिका की हालिया कार्रवाइयों को अस्वीकार्य बताते हुए अंतिम निर्णय पर हस्ताक्षर करने से इनकार किया है। इस असमंजसपूर्ण स्थिति में, वार्ता न केवल स्थगित हुई है बल्कि इसका भविष्य भी अनिश्चित है। ईरान का तर्क है कि यदि हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य में नाकाबंदी और अमेरिकी जहाजों की जब्ती जैसी घटनाओं को समाधान नहीं मिलता,तो कोई दीर्घकालिक समझौता संभव नहीं है। वहीं, अमेरिका ने स्पष्ट रूप से संकेत दिया है कि वे इस क्षेत्र में अपनी सैन्य उपस्थिति बनाए रखने और जल मार्ग को सुरक्षित करने के लिए कोई समझौता छोड़ने के मूड में नहीं हैं।

साथियों बात अगर हमअमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के अभी बयान की करें तो उन्होंने सार्वजनिक रूप से कहा है कि वे ईरान के साथ समझौते के बेहद करीब हैं, लेकिन उन्होंने साथ ही स्पष्ट चेतावनी दी कि अगर ईरान ने अस्थायी युद्ध विराम का उल्लंघन किया या अमेरिकी हितों पर हमला किया, तो अमेरिका कट्टर सैन्य कार्रवाई करने से पीछे नहीं हटेगा। इस प्रकार, अमेरिका का दृष्टिकोण इस क्षेत्र में रणनीतिक दबाव बनाए रखने और ईरान को समझौते के लिए बाध्य करने का रहा है।हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य का संकट, जो विश्व तेल बाजार के लिए संवेदनशील है, वर्तमान तनाव का सबसे महत्वपूर्ण कारक बना हुआ है। ईरान की नाकाबंदी ने वैश्विक तेल आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित किया है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों में अस्थिरता बढ़ी है। अमेरिका ने इस जलडमरूमध्य को खोलने के लिए न केवल कूटनीतिक दबाव बढ़ाया है, बल्कि युद्ध विकल्पों पर भी अपनी तैयारी दिखाई है। इस बीच ईरान ने स्पष्ट किया है कि अगर अमेरिकी हमला हुआ, तो वे मिडिल ईस्ट में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाएंगे। यह स्थिति पूरी तरह से अस्थायी युद्ध विराम की स्थिरता को चुनौती दे रही है। इस तरह का तनाव केवल अमेरिका और ईरान तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे मिडिल ईस्ट और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर परिणाम ला सकता है। तेल की बढ़ती कीमतें, व्यापार में व्यवधान और क्षेत्रीय सैन्य तनाव, वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता को प्रभावित कर रहे हैं।

साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में रूस की भूमिका इस संकट में नई गहराई जोड़ रही है इसको समझने की करें तो, ईरान के विदेश मंत्री रूस के राष्ट्रपति से मुलाकात करने रूस जा रहे हैं, ताकि मिडिल ईस्ट के हालात और हॉर्मुज़ की नाकाबंदी पर चर्चा की जा सके। यह कदम न केवल ईरान की कूटनीतिक सक्रियता को दर्शाता है, बल्कि यह भी संकेत है कि ईरान अमेरिका के एकतरफा दबाव को अस्वीकार करते हुए बहुपक्षीय दृष्टिकोण अपनाना चाहता है। रूस की मध्यस्थता संभावित रूप से अस्थायी युद्ध विराम को स्थिर करने और दोनों पक्षों को बातचीत की मेज पर वापस लाने में मदद कर सकती है। इसके अलावा, इस कदम से यह भी साफ़होता है कि ईरान वैश्विक शक्ति संतुलन के दृष्टिकोण से अपने विकल्पों का विस्तार करना चाहता है, ताकि अमेरिका पर निर्भरता कम हो और मध्यस्थ देशों के माध्यम से सटीक रूप से दबाव संतुलित किया जा सके।

साथियों हालांकि, स्थिति अत्यंत नाजुक है। 27 अप्रैल 2026 की स्थिति के अनुसार, अस्थायी युद्ध विराम टूटने की कगार पर है। हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य में नाकाबंदी, जहाजों की जब्ती और अमेरिका की सैन्य दबाव नीति ने दोनों देशों के बीच अविश्वास को और गहरा कर दिया है।पाकिस्तान की मध्यस्थता और रूसी कूटनीतिक प्रयास फिलहाल गतिरोध में हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि इस तनावपूर्ण दौर में किसी भी पक्ष की जल्दबाजी एक व्यापक सैन्य संघर्ष की चिंगारी पैदा कर सकती है। अमेरिका और ईरान दोनों ही अपने रणनीतिक हितों की रक्षा के लिए सख्त रुख पर बने हुए हैं, जिससे वार्ता में किसी भी प्रकार के तत्काल समाधान की संभावना कम दिख रही है। इस तनाव का प्रभाव न केवल क्षेत्रीय स्तर पर, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा पर भी पड़ रहा है।

साथियों अंतरराष्ट्रीय विश्लेषक मानते हैं कि अमेरिका और ईरान के बीच वर्तमान युद्ध विराम का भविष्य पूरी तरह अनिश्चित है। अगर ईरान और अमेरिका के बीच कूटनीतिक समाधान नहीं निकला,तो हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य में सैन्य संघर्ष और तेल आपूर्ति में व्यवधान, विश्व बाजार में अप्रत्याशित अस्थिरता ला सकते हैं। दूसरी ओर,अगर रूस और पाकिस्तान जैसे मध्यस्थ देश वार्ता में सक्रिय भूमिका निभा पाए, तो युद्ध विराम को स्थिर किया जा सकता है और दीर्घकालिक समाधान की दिशा में कदम बढ़ाया जा सकता है। इस तरह, अमेरिका और ईरान का अस्थायी युद्ध विराम एक नाजुक संतुलन पर टिका हुआ है, जो किसी भी समय बदल सकता है, और इसकी सफलता पूरी तरह से दोनों पक्षों के कूटनीतिक दृष्टिकोण, अंतरराष्ट्रीय दबाव और क्षेत्रीय सैन्य रणनीति पर निर्भर करती है।

अतः अगर हम उपरोक्त पुरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि़, अमेरिका और ईरान के बीच वर्तमान तनाव और अस्थायी युद्ध विराम, वैश्विक राजनीति, ऊर्जा सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए एक महत्वपूर्ण परीक्षा है। यह दिखाता है कि मध्यपूर्व में सैन्य और कूटनीतिक संतुलन बेहद संवेदनशील है, और किसी भी छोटे कदम या गलती से बड़ी अंतरराष्ट्रीय घटनाओं कीश्रृंखला शुरू हो सकती है। 27 अप्रैल 2026 तक का यह चरण न केवल अमेरिका और ईरान के द्विपक्षीय संबंधों का परिक्षण है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए भी यह एक चुनौती है कि वह मध्यस्थता, कूटनीति और दबाव की संतुलित रणनीति अपनाए, ताकि मिडिल ईस्ट में स्थिरता और वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

रचनाकार

एडव्होकेट किशन भगनानी गोंदिया

दशा महा दशा

इधर महिला आरक्षण।
बात आती है।
उधर महिला को सत्ताधीश।
बनने रोकती है।
एक को हटाने।
इतने वरिष्ठ सारे।
वाह जनाब क्या बात है।
हम सोच रहे थे कुछ।
उधर हो रहा है कुछ।
आज भी सीता हरण।
दोपद्री की बात है।
उधर सूर्पनखा की बात होती है।
वह भी एक इंदु का इतिहास था।
महारानी दुर्गावती।
अहिल्याबाई। अवंतीबाई।
की भी एक कहानी थी।
जिन्हें नरों ने ही पहुंचा था।
आज फिर नर
पहुंचाने आ गया?

लेखक

आचार्य डॉ. वीरेन्द्र सिंह गहरवार 'वीर'

व्हाट्सअप पर प्रतिदिन की खबरें पढ़ने अपने ग्रुप में जोड़ें जगप्रेरणा को.. बालाघाट एवं गोंदिया से एक साथ प्रकाशित हिन्दी दैनिक 'जगप्रेरणा' समाचार पत्र व्हाट्स अप पर भी आम जनों के लिये उपलब्ध है। अपने ग्रुप में जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचा सकते हैं। जगप्रेरणा के मो. 93290 33433 को किसी भी ग्रुप से जोड़ा जा सकता है।

गाँव चाहिये..

महल अटारी तुम्हें समर्पित
मुझे तो सिर पर छांव चाहिये।
महानगर नही, गाँव चाहिये।
छप्पर वाला छोटा सा घर
बलखाती पगडंडी डगर
बरगद पीपल, पेड़ नीम के
तन मन पर हो जिनका असर
एक नदी हो कल कल बहती
उसमें चलती नाव चाहिये।
महानगर नहीं, गाँव चाहिये।।
नहीं चाहिये भोंपू के स्वर
कर्कश डीजे और धमाल।
पेड़ों पर पंछियों का कलरव चाहूँ
शहनाई संग ढोलक की ताल।
छम छम स्वर वाली पैंजनियां
महावर वाले पांव चाहिये।।
महानगर नहीं गाँव चाहिये।।
खेतों में बैलों की हलचल
श्रम के बीज बोते किसान।
लहलहाए फसल प्रेम की-
और मुस्कुराए हिन्दुस्तान।
भाग दौड़ में न भटके मन
शांति प्रदाता ठांव चाहिये।
महानगर नहीं, गाँव चाहिये।।

शशि तिवारी

जब भी..

जब भी
लोग मुझसे मिलते हैं
मै देखकर उन्हें
मुस्कुरा देती हूँ
फूलों के पंखुड़ियों की तरह
देखकर जवाब में
उनका मुरझाया चेहरा भी
खिल उठता है
फूलों से सजी वाटिका की तरह
सरल नहीं होता
यूं किसी को देखकर मुस्कुराना
क्योंकि तब तुम्हारी मनोदशा
कैसी भी हो
पर ऐसा करने से
आत्म संतुष्टि मिलती है
वो पल जब कोई तुम्हे भी
प्रत्युत्तर में अपना
खिलखिलाता हुआ चेहरा देता है
वो नियति के किसी
पुरस्कार से कम नहीं होता
जिसे पाने के लिए
तुम्हे कितने प्रयत्न करते होते हैं
कई बात अपने
दर्द को हृदय की पीड़ा को,
अपने ही
हृदय भित्ति पर दबाना होता है
तब अधर मुस्कुराते हैं
पल भर की खुशी के लिए
भुलाना पड़ता है
जीवन भर पीड़ा..

वंदना सिंह 'त्वरित'

गर्मी के दिन

बढ़ने लगे सूरज के तेवर
बदन हुए पसीने से तर।
तरसेंगे कंठ बूंद बूंद को
पानी मुश्किल
से मिलेगा मगर।
लगने लगे घर- घर में
एसी पंखे, कूल कूल कूलर।
फल फूल और सब्जियां महंगी
खाना गरीबों का हुआ दूभर।
जंगलो से आएंगे वन्यप्राणी
भोजन की तलाश में शहर।
बदलने लगे डेरे बंजारे अपने
ढूंढने लगे छत, बेचारे बेघर।
गन्ना जूस, गोले बर्फके
बिकने लगे हैं सड़कों पर।
आम्रवृक्षो पर छाई बौर घनी
लगता मगर आंधी का डर।
उजड़ते जंगल, न कटते पेड़
आसान होता सड़कों का सफर।
मानव की भूल भोगेगा मानव
बढ़ जाएगी गर्मी धरती पर।

कमलेश तिवारी, गोंदिया

शब्दवर्गपहेली क्र.- 109

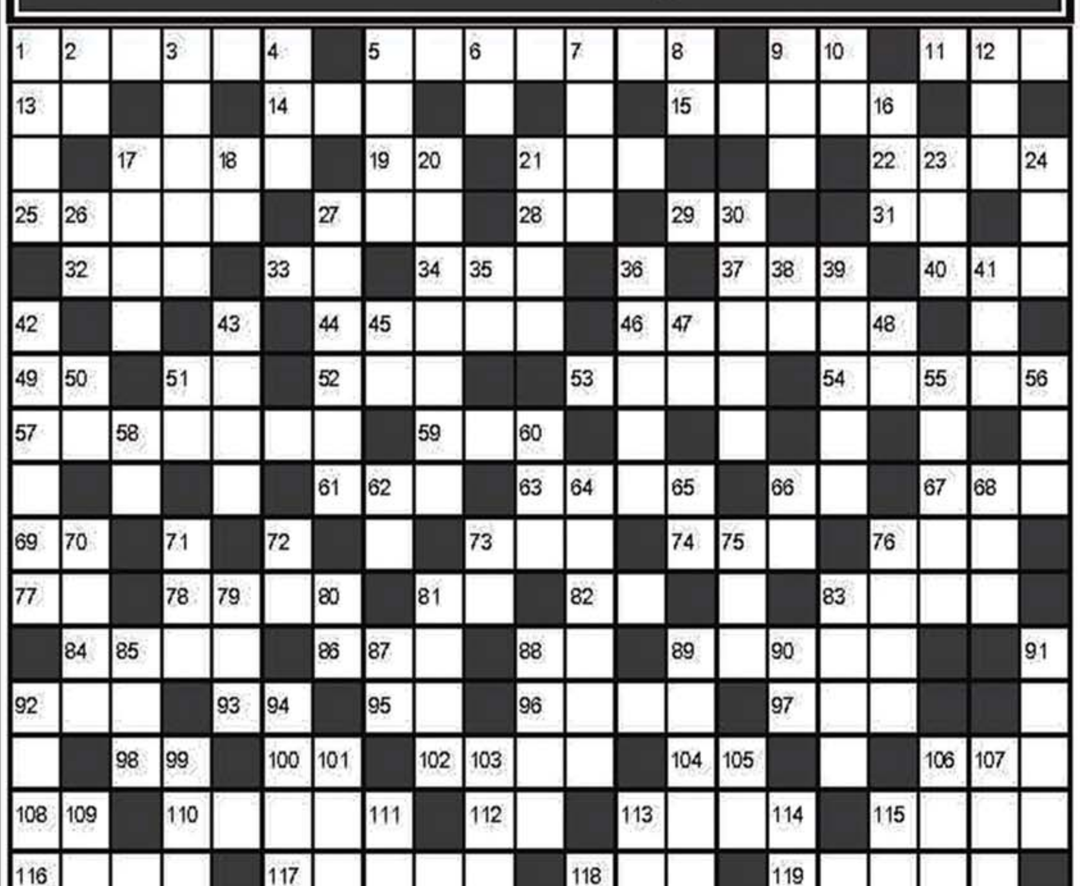

ck;I II nk;I 1& 1) ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त कन्नड के प्रसिद्ध नाटककार एवं कन्नड – हिंन्दी फिल्मों के अभिनेता 5) लता मंगेशकर की गायिका बहन 9) नीर, जल 11) वृत्त, समाचार 13) बुरी आदत 14) नजदीक, पास 15) किसी दल आदि के दो भाग हो जाना इस अर्थवाला एक मुहावरा 17) मां के पिता के पिता 19) नुकसान 21) मादा मोर 22) घी या तेल में पकाये गये व्यंजन 25) प्रथा, चलन 27) धरा, पृथ्वी 28) मारे हुए 29) सपना 31) स्त्री, महिला 32) निर्वाह 33) पांव, चरण 34) सूरत, आकृति 37) आर्थिक व्यवहार में दो पक्षों के बीच में बिचौलिये का काम करनेवाला 40) बक 44) महर्षी वेद व्यासजीद्वारा रचित एक महाकाव्य 46) घर का मालिक, गृहस्वामी 49) पत्नी 51) लकड़ी चिरने का बड़ा औजार 52) अंग्रेजी में रंग 53) धोखेबाज 54) किसी चीज का इच्छूक या चाहनेवाला 57) हमारी गानसम्राज्ञी 59) श्रीकृष्ण की राजधानी 61) रोगी 63) कस कर पकड़ना 66) कन्या, एक कर्णभूषण 67) निराश 69) दिया हुआ वचन 73) लेखनी 74) देश के लिए बलिदान करनेवाला 76) महाराष्ट्र के एक भूतपूर्व मुख्यमंत्री का कुलनाम 77) शक्ति, ताकत 78) पसंद आना या हितकर होना अर्थवाला एक मुहावरा 81) ताश का एक खेल 82) प्रकाश की किरण 83) किसी चीज का अभाव महसूस करना, लालयित होना 84) चीरने और फाड़ने की क्रिया 86) पुष्प केशर 88) धूल, राख, मिट्टी 89) बैंक में अपना अकाऊंट खोलना 92) दासी 93) चाय का प्याला 95) परी 96) कुचलना, मर्दन करना 97) यौवन 98) श्लेष्मा, बलगम 100) नस 102) मूर्च्छा आना 104) एक पक्षी 106) बांसुरी, बंसरी 108) विचार 110) गणित की एक किस्म 112) रास्ता, मार्ग 113) रामायण में विभीषण की भामी 115) वह स्थान जहां ताजिये डुबोये जाते है 116) युक्ति, ढंग, तरीका 117) असफल 118) समुद्र 119) मदद करनेवाला

Åij II ulp 1& 1) चूहे के आकार का एक चंचल जन्तु जो वृक्ष पर रहता है 2) तरीका 3) गुनाहगार, गलती करनेवाला 4) दंश करना 5) भेट, नजराना 6) सुस्त, धीमा 7) शैतानी 8) किसी कपडे के छेद को तागे से भरना 9) एक कुरकुरा व्यंजन 10) घोंसला 12) दंगा, फसाद 16) मापना 17) प्रांगण, आसपास की भूमि 18) घमंड, गर्व 20) एक अभिनेता और भूतपूर्व सांसद जिन्होने दूरदर्शन धारावाहिक 'महाभारत' में श्रीकृष्ण की भूमिका की थी 21) दी गयी अवधि, मीयाद 23) नजदीक, पास, निकट 24) नाक से गिरनेवाला कफ, जुकाम 26) उस समय 27) रणधीर कपूर द्वारा निर्देशित इस फिल्म में राज कपूर ने अदाकारी की थी 30) कुदृष्टी 35) हाथ 36) स्तनपायी उड़नेवाला एक बड़ा जन्तु जिसके चारों पैर पंखादार होते है 38) तिब्बतियों के धर्मगुरु की उपाधि 39) वह कला जिसमें कल्पना और बुद्धि का सुंदर संयोग होता है जैसे काव्य, संगीत, चित्रकला आदि 41) चेला, शिष्य 42) प्रश्न उत्तर 43) पत्थर को काटना या कतरना 45) अवस्था, दशा 47) मक्के का प्रसिद्ध पत्थर या मस्जिद 48) आज के बाद आनेवाला दिन 50) मां, जननी 51) सामने, समक्ष 55) बेसुध, व्याकुल 56) विष्णु का एक नाम 58) बड़ा बाजार या बड़ा हाट 60) आंखो में लगाया जानेवाला अंजन 62) भालु 64) किसी काम को करने के लिए जुट जाना या तत्पर होना 65) नष्ट 66) पश्चात 68) उबारना, उद्धार करना 70) मसाले में डालनेवाला एक पदार्थ 71) सोने – चांदी के दूकानों का बाजार 72) तोता 73) अभाव, न्यूनता 75) तुच्छता 76) मां की मां की मां 79) पक्का रास्ता 80) माप 81) नसनस 83) समशेर, खड्ग 85) धोबी 87) नवग्रहों में से एक 88) फिजूल, अपने आप, स्वतः 89) यायावर, घुमक्कड़ 90) छानबीन, जांच, तलाश 91) श्रीकृष्णद्वारा गोपियों के साथ की गई लीला 92) विश्व का आखरी दिन 94) एक भूभाग जिसके अन्तर्गत अनेक गांव होते है 99) छल, धोखाधड़ी 101) वेश्या, तवायफ 103) मद्य 105) स्मरण, स्मृति 106) कुक्कुट 107) कागज पर लिखा हुआ मिटाने का एक साधन 109) गीला 111) अंधेरा 113) 'तेजी' का विरुद्धार्थी शब्द 114) कागज के 500 तावों की गड्डी 155) शरीर की ऊंचाई (जवाब अगले अंक में)

पिछले अंक के शब्दवर्गपहेली का जवाब

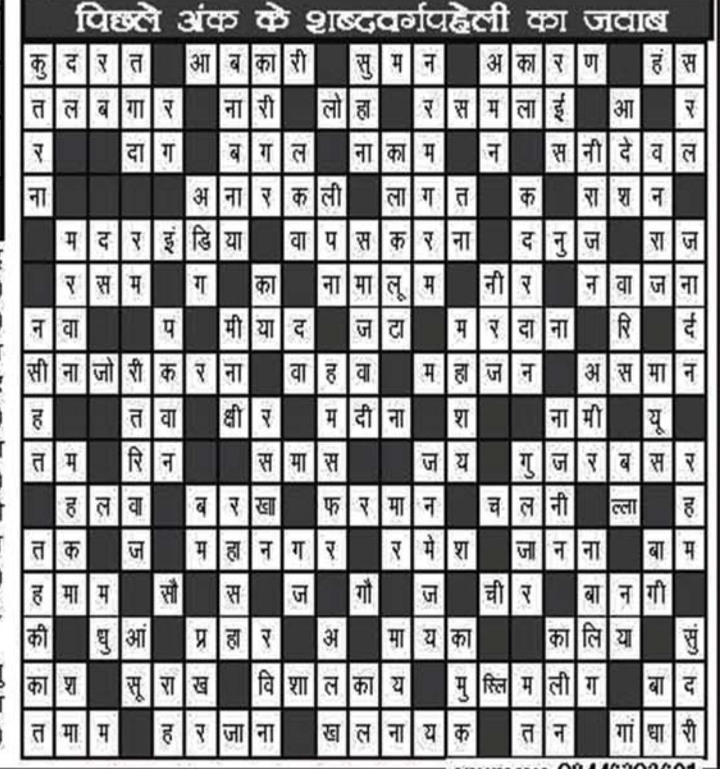

anumeya-08446302691

प्रसिद्ध उद्योगपति

अपने देश के साथ ही आंतरराष्ट्रीय स्तर के उद्योगजगत में अपना नाम चमकानेवाले इन तीन हस्तियों के नाम बता सकते है आप?

पिछ्ले अंक की जोड़ी जमाईये का जवाब :– 1.स्वामी विवेकानंद 2.महात्मा मोहनदास करमचंद गांधी 3. समर्थ रामदास स्वामी 4. पंडित भीमसेन जोशी 5. भगिनी निवेदिता 6.प्रियदर्शनी इंदिरा गांधी

सू-डोकू- 109

	4	2		6				7
			8	5		4		
6	5						2	3
		1	2		6		3	
	6				8	9		
9	3		7				6	
				2	5			4
7	2		6		3			9
	9		1			3		2

● आपको हर आड़ी और खड़ी पंक्ति में 1 से 9 यह अंक इस तरह लिखना है की, एक पंक्तिमें एक अंक एकही बार आना चाहिये. ● हर आड़ी और खड़ी पंक्ति और हर 3 X 3 के वर्ग में 1 से 9 यह अंक आनाही चाहिये. ● पहले से छपे अंको को हिलाना नहीं.

I Mkd 108 dk tokc

7	4	1	3	2	9	8	5	6
2	5	9	1	8	6	3	7	4
3	8	6	7	5	4	1	9	2
5	1	4	8	6	2	7	3	9
8	3	2	4	9	7	5	6	1
6	9	7	5	1	3	4	2	8
4	2	8	9	3	5	6	1	7
1	6	3	2	7	8	9	4	5
9	7	5	6	4	1	2	8	3

जापान में 2026 सत्र के बाद एशियाई खेल ओलंपिक से पहले वाले साल में हो सकते हैं..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

एशियाई खेल 2026 सत्र के बाद विषम संख्या वाले वर्षों में कराए जा सकते हैं जिसका मतलब है कि वे ओलंपिक से एक साल पहले होंगे जिससे कि अधिक खेलों के लिए एक अहम क्वालीफाइंग प्रतियोगिता के तौर पर काम कर सकें। खबरों में ऐसा दावा किया गया है।

एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) के कार्यकारी बोर्ड की बैठक में 21 अप्रैल को चीन के सान्या शहर में इस विषय पर चर्चा हुई। सान्या अभी चल रहे एशियाई बीच खेलों का मेजबान स्थल है। इस कदम का मकसद इस प्रतिष्ठित महाद्वीपीय प्रतियोगिता ओलंपिक चक्र के साथ अधिक करीब से जोड़ना है क्योंकि ओलंपिक खेल सम संख्या वाले वर्षों में होते हैं। अभी एशियाई खेल ओलंपिक से दो साल पहले होते हैं।

जापान के आइची-नागोया में होने वाले अगले एशियाई खेल तय योजना के अनुसार 19 सितंबर से चार अक्टूबर 2026 तक ही होंगे। कैलेंडर में कोई भी बदलाव अगर मंजूर होता है तो शायद अगले सत्र से लागू होगा जो 2030 में कतर के दोहा में होना है जिसे 2031 में स्थानांतरित किया जा सकता है। सऊदी अरब की राजधानी रियाद 2034 सत्र की मेजबानी करेगी जबकि भारत ने 2038 सत्र की मेजबानी के लिए आशय पत्र जमा किया है। 'इनसाइडदगेम्स.बिज' की एक रिपोर्ट में कहा गया है, 'एशियाई ओलंपिक परिषद ने इस हफ्ते सान्या में एक बैठक के दौरान कैलेंडर में संभावित बदलाव पर चर्चा की।

इसका मकसद महाद्वीप के इस प्रमुख टूर्नामेंट को अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के निर्देशों के साथ जोड़ना है।' खेलों से जुड़ी इस खास वेबसाइट ने कहा, 'अगर यह विचार मंजूर हो जाता है तो यह बदलाव दोहा 2030 एशियाई खेलों से शुरू होगा जिन्हें 2031 तक के लिए स्थगित किया जाएगा।'

वेबसाइट ने कहा, 'अगर ये खेल सम संख्या वाले वर्षों की जगह विषम संख्या वाले वर्षों में होते हैं जिससे कि ये ओलंपिक से ठीक एक साल पहले हों तो एशियाई खेल सीधे क्वालीफिकेशन का एक मंच या बेहतरीन तैयारी का एक जरिया बन सकते हैं। इससे पेशेवर खिलाड़ी इस बड़ी प्रतियोगिता से ठीक पहले अपनी फॉर्म को परख सकेंगे।' अगर एशियाई खेल ओलंपिक से एक साल पहले आयोजित किए जाते हैं तो यह महाद्वीपीय टूर्नामेंट कई खेलों के लिए क्वालीफाइंग प्रतियोगिता का काम कर सकता है जिससे शीर्ष खिलाड़ी इसके प्रति आकर्षित होंगे। अधिक खेलों में ओलंपिक शुरू होने से लगभग एक साल पहले ही क्वालीफाइंग प्रतियोगिताएं शुरू होती हैं। फिलहाल एशियाई खेलों में 40 से अधिक खेलों के शामिल होने के बावजूद ये हॉकी और भारोत्तोलन जैसे कुछ ही खेलों के लिए क्वालीफायर का काम करता है।

लेकिन ओसीए को एथलेटिक्स के मामले पर विचार करना पड़ सकता है जो किसी भी खेलों का एक प्रमुख और प्रतिष्ठित खेल है। विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप विषम वर्षों में आयोजित की जाती है, यह दो ओलंपिक के बीच दो बार होती है। इनमें से दूसरी चैंपियनशिप ओलंपिक के लिए क्वालीफाइंग प्रतियोगिता का काम करती है। अगर एशियाई खेल विषम वर्षों में आयोजित किए जाते हैं तो शीर्ष ट्रैक एवं फील्ड खिलाड़ी शायद इसमें हिस्सा नहीं लें क्योंकि वे अधिक प्रतिष्ठित विश्व चैंपियनशिप पर ध्यान केंद्रित करना चाहेंगे। अन्य महाद्वीपीय खेल जैसे कि पैन अमेरिकी खेल, यूरोपीय खेल और अफ्रीकी खेल ओलंपिक्स से ठीक एक साल पहले आयोजित किए जाते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्वोत्तर भारत में बीसीसीआई की छह इंडोर क्रिकेट अकादमियों का उद्घाटन किया..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को पूर्वोत्तर भारत में छह अत्याधुनिक इंडोर क्रिकेट अकादमियों का उद्घाटन किया जो इस क्षेत्र में क्रिकेट के बुनियादी ढांचे के विस्तार के लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के कार्यक्रम का हिस्सा हैं।

ये अकादमियां रंगपो (सिक्किम), दोइमुख (अरुणाचल प्रदेश), इंफाल (मणिपुर), मदनकुरक्लांग (मेघालय), आइजोल (मिजोरम) और दीमापुर (नगालैंड) में स्थित हैं। बीसीसीआई ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा, 'माननीय प्रधानमंत्री ने सिक्किम के गंगटोक में एक राजकीय समारोह के दौरान इन सुविधाओं का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया। यह खेल के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और पूर्वोत्तर क्षेत्र की अपार खेल क्षमता को सामने लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।' उद्घाटन समारोह में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (अईसीसी) के चेयरमैन जय शाह और बीसीसीआई के पदाधिकारी मौजूद थे जबकि पूर्वोत्तर के अन्य पांच राज्यों के प्रशासक वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए इस कार्यक्रम से जुड़े। बीसीसीआई ने कहा, 'इस परियोजना की परिकल्पना बीसीसीआई द्वारा की गई थी और इसे जय शाह के नेतृत्व में आगे बढ़ाया गया। उन्होंने अपने सचिव कार्यकाल के दौरान इस पर विशेष ध्यान दिया जिसका मुख्य उद्देश्य उभरते हुए क्षेत्रों में क्रिकेट के पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना था।'

उन्होंने कहा, 'इन अकादमियों की आधारशिला मई 2024 में शाह द्वारा रखी गई थी। इसके साथ ही पूर्वोत्तर क्षेत्र में विश्व स्तरीय क्रिकेट बुनियादी ढांचा तैयार करने के लिए एक सुनियोजित प्रयास की शुरुआत हुई।' इन अकादमियों को हाई परफोर्मेंस सेंटर के तौर पर डिजाइन किया गया है। इनमें इंडोर अभ्यास पिच, अत्याधुनिक जिम, तापमान-नियंत्रित तैराकी पूल और प्रशासन तथा प्रशिक्षण के लिए अलग से ब्लॉक बनाए गए हैं। ये सुविधाएं खिलाड़ियों को पूरे साल प्रशिक्षण की सुविधा देंगी। इससे विशेष रूप से इस क्षेत्र में लंबे समय तक चलने वाले मॉनसून के कारण आने वाली चुनौतियों से निपटने में मदद मिलेगी। साथ ही खिलाड़ियों को पेशेवर प्रशिक्षण के लिए देश के अन्य हिस्सों में जाने की जरूरत भी काफी हद तक कम हो जाएगी। बीसीसीआई के अध्यक्ष मिथुन मन्हास ने कहा, 'यह पहल क्रिकेट के बुनियादी ढांचे को हर क्षेत्र तक पहुंचाने और इस खेल के लिए एक मजबूत, अधिक समावेशी नींव बनाने के हमारे साफ इरादे को दिखाती है।' उन्होंने कहा, 'यह इस बात को पक्का करने की दिशा में भी एक अहम कदम है कि पूर्वोत्तर के उभरते हुए क्रिकेटरों को भी देश में किसी अन्य जगह की तरह ही अच्छे स्तर की सुविधाएं मिलें।' सचिन देवजीत सैकिया ने कहा, 'मुझे पूरा भरोसा है कि इससे पूर्वोत्तर के और भी खिलाड़ियों के लिए खेल के सबसे ऊंचे स्तर तक पहुंचने का रास्ता खुलेगा।' उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा, 'अब हमारा ध्यान ऐसे मौके और रास्ते बनाने पर होगा जिनसे यह प्रतिभा सबसे ऊंचे स्तर पर और अधिक निखर सके।'

विनेश को हंगामा करने की जरूरत नहीं:

डब्ल्यूएफआई ने रैंकिंग प्रतियोगिता पंजीकरण विवाद पर कहा..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने मंगलवार को कहा कि विनेश फोगाट को आगामी रैंकिंग टूर्नामेंट में देरी से प्रवेश को लेकर 'कोई हंगामा करने की जरूरत नहीं है'। उन्होंने दावा किया कि विनेश का पंजीकरण पहले ही हो चुका था और उनकी भागीदारी को रोकने का कोई प्रयास नहीं किया गया था,

जबकि स्टार पहलवान ने इसके विपरीत दावा किया था। भारत की स्टार पहलवान विनेश ने पुष्टि की कि उन्होंने गोंडा में होने वाले आगामी रैंकिंग टूर्नामेंट के लिए सफलतापूर्वक पंजीकरण कर लिया है। उन्होंने इससे पहले आरोप लगाया था कि डब्ल्यूएफआई उनकी भागीदारी में बाधाएं उत्पन्न कर रहा है। उनके देर से पंजीकरण को लेकर पैदा हुई भ्रम की स्थिति के बीच यह स्पष्टीकरण सामने आया है। डब्ल्यूएफआई का कहना था कि पंजीकरण पोर्टल में तकनीकी समस्याओं के कारण केवल विनेश ही नहीं, बल्कि कई पहलवान शुरुआत में प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाए थे। बाद में लिंक उपलब्ध होने पर विनेश अपना पंजीकरण कराने में सफल रहीं।

डब्ल्यूएफआई के एक अधिकारी ने कहा, 'डब्ल्यूएफआई ने पहलवानों को पंजीकरण कराने के लिए पर्याप्त समय दिया था और वास्तव में अभी भी दो दिन बाकी हैं। इस बारे में इतना हंगामा करने की कोई जरूरत नहीं थी। अगर वेबसाइट काम नहीं कर रही थी, तो डब्ल्यूएफआई कार्यालय हमेशा खुला रहता है। वह आकर व्यक्तिगत रूप से अपना फॉर्म जमा कर सकती थीं, कई पहलवानों ने ऐसा किया है।'

विनेश 10 से 12 मई तक गोंडा में होने वाले राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में 57 किलोग्राम वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेंगी। पेरिस ओलंपिक 2024 में अधिक वजन के कारण अयोग्य घोषित होने के बाद यह उनकी पहली प्रतियोगिता होगी। विनेश ने इससे पहले 'एक्स' पर लिखा, 'आगामी रैंकिंग टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए मेरा पंजीकरण आज सुबह पूरा हो गया। कल लिंक बंद होने के कारण मैं पंजीकरण नहीं कर पाई थी। सभी के समर्थन के लिए धन्यवाद। 20 महीनों के बाद अपनी पहली प्रतियोगिता में उतरने को लेकर उत्साहित हूं।' विनेश ने कहा कि पंजीकरण आज सुबह ही पूरा हो सका, जबकि डब्ल्यूएफआई से मिली जानकारी के अनुसार उनका पंजीकरण सोमवार रात 10:29 बजे पूरा हो गया था। इस बीच, डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा, 'उनका प्रवेश (पंजीकरण) कल रात 10:29 बजे ही पूरा हो गया था और सभी योग्य पहलवानों को प्रक्रिया के अनुसार समायोजित किया जा रहा है।' उन्होंने कहा, 'एक महासंघ के रूप में हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता एक ऐसा सहायक वातावरण प्रदान करना है जहां हमारे खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर ध्यान केंद्रित कर सकें।'

उन्होंने कहा, 'हाल ही में तकनीकी खराबी की जानकारी मिलते ही हमने तुरंत संज्ञान लिया और उसे ठीक कर लिया ताकि भविष्य में हमारे खिलाड़ियों को किसी भी प्रकार की बाधा का सामना न करना पड़े।' विनेश ने इससे पहले संन्यास की घोषणा कर दी थी, लेकिन इस साल के एशियाई खेलों और 2028 ओलंपिक खेलों को ध्यान में रखते हुए अपना फैसला बदल दिया। वह अक्टूबर 2024 में हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस के टिकट पर विधायक चुनी गईं और इसी दौरान मां भी बनीं।

दो चोटी और कंधे पर बस्ता, स्कूल गर्ल बनीं सैयारा की वाणी, 'शक्ति शालिनी' के सेट से वायरल हुआ अनीत पड्डा का लुक..

डेस्क जगप्रेरणा।

अनीत पड्डा 2025 में मोहित सूरी के निर्देशन में बनी 'सैयारा' के लिए सुर्खियों में रहीं। इस फिल्म में उनके साथ अहान पांडे लीड रोल में नजर आए और दोनों की केमेस्ट्री और

जोड़ी सबका ध्यान अपनी तरफ खींचने में सफल रही। सैयारा में अनीत अपने अभिनय से दर्शकों को भी इंप्रेस करने में सफल रहीं और इंडस्ट्री के दिग्गजों से भी खूब वाहवाही लूटी। फिल्म की सफलता के बाद उनके पास नए प्रोजेक्ट्स की लाइन लग गई। अब अनीत पड्डा, मैडॉक फिल्म्स की 'शक्ति शालिनी' में नजर आएंगी, जिसकी उन्होंने शूटिंग भी शुरू कर दी है। 'शक्ति शालिनी' के सेट से अनीत पड्डा का एक वीडियो भी वायरल हुआ है, जिसने उनके फैंस की उत्सुकता बढ़ा दी है।

स्कूल गर्ल के लुक में दिखीं अनीत पड्डा..

'शक्ति शालिनी' के सेट से वायरल हुए वीडियो में अनीत पड्डा स्कूल गर्ल के लुक में नजर आ रही हैं। वीडियो में अभिनेत्री स्कूल यूनिफॉर्म पहने, दो चोटी किए कंधे पर बैग थामे चलती नजर आ रही हैं और उनके साथ क्रू के सदस्य दिखाई दे रहे हैं। अनीत का ये वीडियो सामने आने के बाद उनके फैंस की उत्सुकता और भी बढ़ गई है। खबरों के मुताबिक, शक्ति शालिनी की शूटिंग मध्य प्रदेश के ग्वालियर में चल रही है और वायरल वीडियो भी इसी लोकेशन पर शूट किया गया है, जो फिल्म की ग्राउंडेड सेटिंग को भी दिखाता है। इसने उनके प्रशंसकों के बीच उत्सुकता जगा दी है।

वीडियो पर सोशल मीडिया यूजर्स के रिएक्शन..

जैसे ही ये क्लि सोशल मीडिया पर साझा की गई, एक्ट्रेस के फैंस का रिएक्शन आना भी शुरू हो गया। वीडियो पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा, 'उम्मीद है कि शक्ति शालिनी उनके लिए काम करेगी। लोग पहले से ही इस फिल्म पर टूट पड़ने के लिए तैयार हैं।' एक अन्य ने लिखा- 'मैडॉक को इसे अच्छे से बनाना चाहिए। अनीत को बेस्ट ऑफ लक।' एक ने लिखा- 'ये शायद फ्लैशबैक हो सकता है, क्योंकि वह इसमें स्कूल गर्ल के रोल में नजर नहीं आने वाली हैं।' इन कमेंट्स से जाहिर होता है कि अनीत के फैंस उनकी इस फिल्म को लेकर काफी उत्सुक हैं।

मैडॉक फिल्म्स की हॉरर-कॉमेडी वर्ल्ड में अनीत पड्डा की एंट्री..

मैडॉक फिल्म्स की हॉरर-कॉमेडी दुनिया में अनीत पड्डा की एंट्री आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना स्टारर 'थम्मा' से हुई। फिल्म के अंत में क्रेडिट्स में अनीत को 'शक्ति शालिनी' के रूप में दिखाया गया था, जिसके साथ लिखा था- 'रक्षक। संहारक। सबकी माता। शक्ति शालिनी में अनीत पड्डा।' इसी के साथ मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट भी अनाउंस कर दी, जिसके अनुसार फिल्म 24 दिसंबर, 2026 को रिलीज होगी। इसके अलावा अनीत, मोहित सूरी की एक और इंटेंस लव स्टोरी में नजर आएंगी और वो भी सैयारा को-स्टार अहान पांडे के साथ। इसकी शूटिंग इस साल के अंत में शुरू होगी और 2027 में रिलीज होने की उम्मीद है।

आमिर खान ने दिया सरप्राइज, फिर लौटेगा रैंचो, राजू और फरहान का जादू, 10 साल आगे बढ़ेगी '3 इडियट्स 2' की कहानी..

डेस्क जगप्रेरणा।

बॉलीवुड की सबसे प्रतिष्ठित फिल्मों में से एक '3 इडियट्स' के सीक्वल को लेकर लंबे समय से कयास लगाए जा रहे थे, लेकिन अब खुद आमिर खान ने इन चर्चाओं पर आधिकारिक मुहर लगा दी है।

आमिर ने पुष्टि की है कि फिल्म का दूसरा भाग पाइपलाइन में है और प्रशंसित निर्देशक राजकुमार हिरानी एक बार फिर इस प्रोजेक्ट का निर्देशन करेंगे। यह खबर सिनेमाप्रेमियों के लिए किसी बड़े तोहफे से कम नहीं है, क्योंकि वे सालों से रैंचो, राजू और फरहान की तिकड़ी को पर्दे पर वापस देखने का इंतजार कर रहे थे।

आमिर के अनुसार, फिल्म की पटकथा पर फिलहाल काम चल रहा है और यह एक बेहद 'खूबसूरत कहानी' होने वाली है।

10 साल आगे बढ़ेगी कहानी..

फिल्म के सीक्वल की सबसे दिलचस्प बात इसकी टाइमलाइन है। बताया जा रहा है कि सीक्वल की कहानी पहले भाग की घटनाओं के 10 साल बाद की परिस्थितियों को दिखाएगी। इसमें आमिर खान (रैंचो/फुंसुख वांगडू), आर. माधवन (फरहान) और शरमन जोशी (राजू रस्तोगी) की मुख्य तिकड़ी के साथ करीना कपूर खान भी नजर आने वाली हैं। विधु विनोद चोपड़ा इस फिल्म का निर्माण करेंगे। एक साक्षात्कार के दौरान आमिर ने खुलासा किया कि अभिजात जोशी और राजकुमार हिरानी ने कहानी को बहुत ही अनोखे और मजाकिया अंदाज में बुना है, जो मूल फिल्म की आत्मा को बरकरार रखते हुए दर्शकों को कुछ नया परोसेगी।

फुंसुख वांगडू की वापसी पर आमिर का उत्साह..

आमिर खान ने 'फुंसुख वांगडू' के आइकोनिक किरदार को दोबारा जीने के लिए अपनी उत्सुकता जाहिर की है। उन्होंने कहा, 'राजू फिलहाल '3 इडियट्स 2' पर काम कर रहे हैं। मैंने कहानी सुनी है और यह वाकई अद्भुत है। स्क्रिप्ट पर अभी थोड़ा और काम करने की जरूरत है, लेकिन मूल विचार बहुत ही प्रभावशाली और हटकर है।' 2022 में 'लाल सिंह चड्ढा' की असफलता के बाद, आमिर ने हाल ही में 'सितारे जमीन पर' के साथ बड़े पर्दे पर वापसी की है। ऐसे में '3 इडियट्स' जैसे बड़े ब्रांड से जुड़ना उनके करियर और फैंस दोनों के लिए बेहद रोमांचक होने वाला है।

'3 इडियट्स' और राजकुमार हिरानी की ऐतिहासिक सफलता..

राजकुमार हिरानी के निर्देशन में बनी साल 2009 की फिल्म '3 इडियट्स' केवल एक फिल्म नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक क्रांति थी। चेतन भगत के उपन्यास 'फाइव पॉइंट समवन' पर आधारित यह फिल्म भारतीय शिक्षा प्रणाली और छात्रों पर पड़ने वाले सामाजिक दबावों पर एक गहरी चोट थी। फिल्म में बोमन ईरानी ने 'वायरस' (प्रिंसिपल) और ओमी वैद्य ने 'चतुर' की यादगार भूमिकाएं निभाई थीं। यह फिल्म विश्व स्तर पर ₹400 करोड़ की कमाई करने वाली पहली भारतीय फिल्म बनी थी और इसने ओवरसीज मार्केट में बॉक्स ऑफिस के नए कीर्तिमान स्थापित किए थे। तीन राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने वाली इस फिल्म की विरासत आज भी टीवी और ओटीटी के जरिए जिंदा है। अब देखना यह होगा कि क्या यह सीक्वल भी उसी जादू को दोहरा पाएगा जिसने एक पूरी पीढ़ी को 'ऑल इज वेल' कहना सिखाया था।

दिग्गज अभिनेता भरत कपूर का निधन

कार्डियक अरेस्ट से गई जान, इंडस्ट्री में पसरा मातम..

डेस्क जगप्रेरणा।

दिग्गज अभिनेता भरत कपूर का निधन हो गया है। 80 वर्ष की उम्र में उन्होंने आखिरी सांस ली। भरत कपूर 'हिंदुस्तान की कसम', 'सोने पे सुहागा' और 'बलिदान' जैसी फिल्मों में सपोर्टिंग रोल के लिए मशहूर थे।

अभिनेता का सोमवार दोपहर कार्डियक अरेस्ट के कारण निधन हो गया। उनके दोस्त और अभिनेता अवतार गिल ने उनके निधन की पुष्टि की। भरत कपूर के निधन की खबर सामने आने के बाद से ही फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर है।

अवतार गिल ने की निधन की पुष्टि..

भरत कपूर के करीबी दोस्त और अभिनेता अवतार गिल ने उनके निधन की पुष्टि करते हुए पीटीआई को बताया, 'मुझे भरत जी के बेटे राहुल ने फोन किया था। राहुल ने बताया कि उनके पिता का दोपहर करीब 3 बजे उनके घर पर कार्डियक अरेस्ट के चलते निधन हो गया। भरत करीब तीन दिनों से बीमार चल रहे थे। मैं उन्हें 50 सालों से भी अधिक समय से जानता हूं। हमने साथ में कई नाटक किए और फिल्मों में भी साथ काम किया। हम लगातार संपर्क में थे, लेकिन करीब एक हफ्ते से मेरी उनसे बात नहीं हो पाई। भरत का जाना मेरे लिए यह एक बड़े भाई, एक गुरु और एक दोस्त को खोने जैसा है।'

भरत कूर की फिल्में और टीवी शोज..

भरत कपूर ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत 1972 में की थी। उन्होंने हिंदी सिनेमा मेम करीब 4 दशक तक काम किया और 'बरसात', 'राम बलराम', 'आखिरी रास्ता', 'नूरी', 'इंकार', 'लव स्टोरी', 'बाजार', 'गुलामी', 'सत्यमेव जयते', 'स्वर्ग', 'खुदा गवाह', 'साजन चले ससुराल' और 'रंग' जैसी फिल्मों में काम किया और ज्यादातर नकारात्मक भूमिकाएं निभाईं। भरत कपूर ने फिल्मों के अलावा कई टीवी सीरियल्स में भी काम किया, जिनमें 'तारा', 'चुनौती और कहानी', 'सांस', 'चंद्रकांता', 'परंपरा', 'कैंपस', 'अमानत' और 'भाग्यविधाता' जैसे शोज शामिल हैं।

30 अप्रैल को चौथा संस्कार..

भरत कपूर का अंतिम संस्कार शाम 6:00 बजे सायन अस्पताल के पास स्थित श्मशान घाट में हुआ। वहीं उनका चौथा संस्कार 30 अप्रैल को नॉर्थ बॉम्बे एसोसिएशन में होगा। कई फिल्मी हस्तियों ने भरत कपूर के निधन की जानकारी मिलने पर उनके अंतिम संस्कार में शामिल हुए और राकेश बेदी, निर्देशक रमेश तलवार जैसे सेलेब्स ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। बता दें, भरत कपूर के परिवार में उनकी पत्नी लोपा और दो बेटे राहुल और सागर हैं। वहीं कुछ साल पहले भरत कपूर की बेटी कविता का निधन हो गया था, जिससे पूरा परिवार सदमे में था।

विज्ञापन
आमंत्रित है..
संपर्क -
9329033433

मारुति सुजुकी का 14,000 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड पूंजीगत व्यय का लक्ष्य: चेयरमैन..

नई दिल्ली, (भाषा)।

देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता मारुति सुजुकी इंडिया ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए रिकॉर्ड 14,000 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय का लक्ष्य रखा है। कंपनी बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए उत्पादन क्षमता बढ़ाने की दिशा में यह निवेश कर रही है।

कंपनी के चेयरमैन आर सी भार्गव ने मंगलवार को तिमाही नतीजों पर विश्लेषकों के साथ चर्चा के दौरान कहा कि हरियाणा के खरखौदा और गुजरात के हंसलपुर में नई उत्पादन लाइनें जोड़ी जा रही हैं, जिनकी कुल क्षमता सालाना पांच लाख वाहनों के उत्पादन की होगी। इससे खासकर छोटी कारों की मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी।

भार्गव ने कहा, ÷चालू वित्त वर्ष के लिए पूंजीगत व्यय करीब 14,000 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, जो अब तक के वर्षों में सर्वाधिक है। यह वृद्धि नई विनिर्माण इकाइयों में निवेश के कारण है, जिसमें खरखौदा में विस्तार और गुजरात में नए संयंत्र पर काम शुरू करना शामिल है।÷ उन्होंने कहा कि इन नई उत्पादन लाइनों से इस वित्त वर्ष में लगभग 2.5 लाख अतिरिक्त कारों का उत्पादन संभव होगा।

भार्गव ने बताया कि कंपनी फिलहाल लगभग 100 प्रतिशत क्षमता पर काम कर रही है और उसके पास लंबित ऑर्डर भी है, जबकि डीलर स्तर पर स्टॉक काफी कम है।

कंपनी के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में उत्पादन क्षमता सीमित होने के कारण बिक्री प्रभावित हुई और वित्त वर्ष के अंत तक करीब 1.9 लाख ऑर्डर लंबित रह गए। इनमें से लगभग 1.3 लाख ऑर्डर छोटी कार वाले खंड के थे। डीलरों के पास औसतन केवल 12 दिन का स्टॉक था। मारुति सुजुकी के वर्तमान में चार विनिर्माण संयंत्र हैं। हरियाणा के गुरुग्राम, मानेसर एवं खरखौदा के अलावा गुजरात के हंसलपुर में भी ये संयंत्र मौजूद हैं। इनकी कुल वार्षिक उत्पादन क्षमता 24 लाख वाहनों की है।

कंपनी ने अपनी क्षमता बढ़ाने के लिए गुजरात के साणंद स्थित खोराज इंडस्ट्रियल एस्टेट में अपने पांचवें संयंत्र के लिए जमीन चिह्नित की है। यह संयंत्र पूरी तरह चालू होने पर सालाना 10 लाख इकाइयों का उत्पादन करेगा। पहले चरण में 2.5 लाख वाहनों की क्षमता लगाने के लिए 10,189 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा।

वाहन उद्योग के भविष्य के रुझान पर भार्गव ने कहा कि आने वाले वर्षों में कार उद्योग में लगातार वृद्धि देखने को मिलेगी, क्योंकि मांग फिर से मजबूत हो रही है।

उन्होंने कहा कि छोटे कारों का भारत में दीर्घकालीन भविष्य है, क्योंकि बड़ी आबादी के लिए सस्ती और किफायती गाड़ियां ही व्यावहारिक विकल्प हैं।

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के प्रभाव के बारे में पूछे जाने पर भार्गव ने कहा कि फिलहाल भारतीय कार बाजार पर इसका असर सीमित है। हालांकि, कच्चे माल एवं ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी से लागत पर दबाव है और कंपनी समय आने पर कीमतों में बढ़ोतरी पर फैसला करेगी।

जीत अदाणी, राकेश भारती मित्तल ने कहा, विशाखापत्तनम देश का 'एआई प्रवेशद्वार' बनेगा

विशाखापत्तनम, (भाषा)।

उद्योगपति जीत अदाणी और राकेश भारती मित्तल ने भारत के एआई परिवेश को आकार देने में बुनियादी ढांचे, ऊर्जा एवं संपर्क के महत्व पर जोर देते हुए मंगलवार को कहा कि विशाखापत्तनम एक प्रमुख 'डिजिटल प्रवेशद्वार' के रूप में उभरने जा रहा है। विशाखापत्तनम के पास 15 अरब डॉलर के गूगल एआई डेटा सेंटर के शिलान्यास कार्यक्रम के बाद अदाणी समूह के निदेशक जीत अदाणी ने कहा कि अदाणी समूह और एयरटेल भी इसके निर्माण में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि वैश्विक कृत्रिम मेधा (एआई) प्रतिस्पर्धा अब केवल सॉफ्टवेयर से नहीं बल्कि बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचा खड़ा करने की क्षमता से तय हो रही है और भारत एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है।

अदाणी ने कहा, ''कुछ क्षण इतिहास की दिशा तय करते हैं और आज विशाखापत्तनम ऐसा ही एक क्षण देख रहा है जब यह भारत के एआई-आधारित डिजिटल भविष्य का आधार बन रहा है।''

यह परियोजना अदाणीकनेक्स और नेक्स्ट्रा बाय एयरटेल के साथ साझेदारी में विकसित की जा रही है जिसका उद्देश्य 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण के अनुरूप गीगावाट स्तर का एआई परिवेश स्थापित करना है।

उन्होंने बताया कि भारत में वर्तमान में करीब 1.3 गीगावाट डेटा सेंटर क्षमता है और केवल विशाखापत्तनम में करीब एक गीगावाट (1000 मेगावाट) क्षमता विकसित करने की योजना है, जो बड़े बदलाव का संकेत है।

जीत अदाणी ने कहा कि एआई परिवेश में ऊर्जा की भूमिका केंद्रीय है, क्योंकि बुद्धिमत्ता (इंटेलिजेंस) की लागत सीधे बिजली की लागत से जुड़ी होती है और सस्ती ऊर्जा से एआई का व्यापक उपयोग संभव होगा।

उन्होंने कहा कि समुद्र के भीतर बिछाई जा रही केबल अवसंरचना से यह बंदरगाह शहर एक नए डिजिटल प्रवेशद्वार के रूप में उभरेगा जिससे विलंब में कम होगी और 'एआई वर्कलोड' को तेजी से संचालित करने में मदद मिलेगी।

इस बीच, भारती एंटरप्राइजेज के वाइस चेयरमैन राकेश मित्तल ने कहा कि मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व में आंध्र प्रदेश सरकार ने नीतिगत स्पष्टता और क्रियान्वयन क्षमता दिखाई है।

उन्होंने कहा कि विशाखापत्तनम जो पहले समुद्री प्रवेश द्वार था...अब मजबूत फाइबर नेटवर्क और डिजिटल अवसंरचना के सहारे एआई (इंटेलिजेंस) युग का प्रवेश द्वार बनेगा।

मित्तल ने कहा, ''इस क्षेत्र के लिए अवसर बेहद बड़े हैं और विशाखापत्तनम डिजिटल इंडिया तथा एआई-आधारित अवसंरचना का प्रमुख प्रवेश द्वार बनेगा।''

उन्होंने बताया कि नेक्स्ट्रा बाय एयरटेल देशभर में 120 से अधिक डेटा सेंटर संचालित करता है और यह परियोजना टिकाऊ होगी तथा नवीकरणीय ऊर्जा से संचालित होगी।

मित्तल ने कहा कि इस पहल में अत्याधुनिक केबल लैंडिंग स्टेशन और मजबूत शहर व अंतर-शहर फाइबर नेटवर्क शामिल होंगे, जिससे क्षमता और मजबूती बढ़ेगी।

दोनों उद्योगपतियों ने कहा कि वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियों और घरेलू अवसंरचना प्रदाताओं के बीच मजबूत साझेदारी भारत की एआई क्षमताओं को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि ऊर्जा लागत कम होने से कंप्यूटिंग, प्रशिक्षण और एआई मॉडल तैनाती की लागत घटेगी जिससे प्रौद्योगिकी अधिक सुलभ और विस्तार योग्य बनेगी।

इस अवसर पर भारती एयरटेल के कार्यकारी उपाध्यक्ष गोपाल विट्ठल ने कहा कि एयरटेल की एकीकृत क्षमताएं विशाखापत्तनम में बड़े पैमाने पर एआई अवसंरचना को सक्षम बनाएंगी।

उन्होंने कहा, ''गूगल और अदाणी के साथ हमारी रणनीतिक साझेदारी इस महत्वपूर्ण एआई केंद्र के निर्माण में भारत की डिजिटल महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाने में सहायक होगी।''

राजमार्ग निर्माण में लगे श्रमिकों को लू से बचाने के लिए एनएचएआई ने जारी किए निर्देश

नई दिल्ली, (भाषा)।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने मंगलवार को कहा कि उसने ठेकेदारों और टोल वसूली करने वाली फर्मों को श्रमिकों के लिए चरणबद्ध कार्य-अवधि लागू करने के निर्देश दिए हैं,

ताकि भीषण गर्मी में लू के प्रभाव को कम किया जा सके। एनएचएआई ने एक बयान में कहा कि काम के घंटे इस तरह निर्धारित किए जाएं कि श्रमिकों को अत्यधिक गर्मी वाले दोपहर 12 बजे से शाम चार बजे के बीच काम न करना पड़े।

प्राधिकरण ने दिशानिर्देश जारी किए हैं जिनमें उसके अधिकार क्षेत्र में आने वाले निर्माण स्थलों, रखरखाव के कामों और टोल प्लाजा के लिए जरूरी सुरक्षा नियमों की रूपरेखा दी गई है।

बयान के मुताबिक, सबसे अच्छे तरीकों पर आधारित इन सुरक्षा उपायों को सभी ठेकेदार, रियायत पाने वाली और टोल वसूली एजेंसियां तत्काल लागू करेंगी, ताकि कर्मचारियों और मज़दूरों की भलाई सुनिश्चित की जा सके।

एनएचएआई ने कहा, ''मजदूरों को माहौल के हिसाब से ढालने पर खास जोर दिया गया है, यह सुनिश्चित करते हुए कि नए या काम पर लौटने वाले कर्मचारियों को तीन से पांच दिनों की अवधि में धीरे-धीरे मेहनतकश कामों में लगाया जाए।''

इसमें यह भी बताया गया कि मजदूरों को गर्मी से जुड़ी बीमारियों या स्वास्थ्य समस्याओं, जिनमें लू लगना भी शामिल है, की पहचान करने और उन पर प्रतिक्रिया देने के लिए भी प्रशिक्षित किया जाएगा। प्राधिकरण ने कहा कि आपातकालीन तैयारियों को भी मजबूत किया गया है, और गश्ती एम्बुलेंस में आइस पैक, ठंडा पानी और आईवी तरल पदार्थ उपलब्ध होंगे।

'रूट पेट्रोलिंग यूनिट (आरपीयू) को भी निगरानी बढ़ाने का निर्देश दिया गया है, ताकि राजमार्ग पर यात्रा करने वालों को गर्मी से जुड़ी समस्याओं और ज़्यादा गर्मी के कारण वाहनों के खराब होने की स्थिति में सहायता दी जा सके।

एनएचएआई ने कहा कि टोल संचालन के लिए उसने सलाह दी है कि सुबह 11 बजे से दोपहर तीन बजे तक सर्वाधिक गर्मी वाले घंटों के दौरान कर्मचारियों को बाहर कम-से-कम रखा जाए। इसके लिए शिफ्ट प्रबंधन और बारी-बारी से रोस्टर का बेहतर इस्तेमाल किया जाए। इसमें आगे कहा गया है कि रात के कामकाजी घंटों का प्रभावी ढंग से उपयोग उन प्रशासनिक और रखरखाव संबंधी कार्यों के लिए किया जाएगा जिनके लिए सबसे ज्यादा भीड़ वाले घंटों में लेन में कर्मचारियों की उपस्थिति की जरूरत नहीं होती है।

सोना 1,800 रुपये टूटा, चांदी 6,500 रुपये फिसली

नई दिल्ली, (भाषा)।

राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोने की कीमत 1,800 रुपये टूटकर 1.54 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रही, जबकि चांदी 6,500 रुपये लुढ़ककर 2.44 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गयी।

कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी और मजबूत डॉलर के कारण वैश्विक सर्राफा बाजार पर असर पड़ा है। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 1,800 रुपये यानी 1.15 प्रतिशत टूटकर 1,54,300 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) पर रहा। सोमवार को सोना 1,56,100 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

चांदी की कीमत भी 6,500 रुपये यानी लगभग तीन प्रतिशत टूटकर 2,44,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) रह गई। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 2,50,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, ''मंगलवार को सोना तीन सप्ताह के निचले स्तर पर आ गया, क्योंकि बढ़ती ऊर्जा कीमतों ने मुद्रास्फीति की चिंताओं को बढ़ा दिया और लंबे समय तक उच्च ब्याज दरों की आशंका को मजबूत किया।''

उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति में वृद्धि की आशंका के कारण अधिक सख्त नीतिगत रुख की संभावना है। इससे बॉन्ड प्रतिफल में वृद्धि हुई है। परिणामस्वरूप, यह स्थिति कीमतों पर अतिरिक्त गिरावट का दबाव डालती है।

गांधी ने कहा कि कारोबारी अमेरिकी फेडरल रिजर्व समेत प्रमुख केंद्रीय बैंकों के निर्णयों से पहले अपने सौदों को कम कर रहे हैं। इससे कीमतों पर दबाव और बढ़ गया।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में, हाजिर सोना 95.37 डॉलर यानी 2.04 प्रतिशत टूटकर 4,586.50 डॉलर प्रति औंस पर आ गया, जबकि चांदी 2.33 डॉलर यानी 3.09 प्रतिशत फिसलकर 73.18 डॉलर प्रति औंस पर रही।

मिराए एसेट शेयरखान में जिंस मामलों के प्रमुख प्रवीण सिंह ने कहा कि हाजिर सोना एक प्रतिशत से ज्यादा टूटकर लगभग 4,580 डॉलर प्रति औंस पर रहा। इसकी वजह यह थी कि कच्चातेल और डॉलर में बढ़त जारी रही, क्योंकि ऐसी खबरें आई थीं कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के ताजा प्रस्ताव से नाखुश हैं। इस प्रस्ताव में कथित तौर पर परमाणु वार्ता को टालने की बात शामिल थी।

उन्होंने कहा कि इसके परिणामस्वरूप, महंगाई को लेकर चिंताएं और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों का कम होना डॉलर को मजबूती दे रहा है और कीमती धातुओं पर दबाव डाल रहा है।

भारत में खेती का उत्पादन 2024 - 25 में रिकॉर्ड 35.7 करोड़ टन हुआ: जम्मू-कश्मीर उपराज्यपाल..

जम्मू, (भाषा)।

जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंगलवार को कहा कि भारत जलवायु चुनौतियों के खिलाफ लड़ाई में सबसे आगे है, और देश का कृषि उत्पादन वित्त वर्ष 2024-25 में 35.7 करोड़ टन तक पहुंच गया है, जो 2023-24 की तुलना में 2.5 करोड़ टन ज़्यादा है।

सिन्हा ने जम्मू में शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में 'टिकाऊ और जलवायु-सहिष्णु कृषि पारिस्थितिकी तंत्र: नवाचार और नीति ढांचा' पर राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा, ''वैज्ञानिकों, नवप्रवर्तकों और अन्य अंशधारकों को खेती को जलवायु-सहिष्णु बनाने तथा टिकाऊ कृषि-पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए एक साथ आना चाहिए।'' सिन्हा ने कहा कि अब समय आ गया है कि हम छोटे-मोटे बदलावों से आगे बढ़कर बड़े, विज्ञान-आधारित और किसान-केंद्रित बदलावों को अपनाएं। उपराज्यपाल ने कहा, ''नीतियों को जलवायु-सहिष्णु फसलों को बढ़ावा देना चाहिए। हमें प्रयोगशाला और खेत के बीच की खाई को पाटना होगा, और शोधकर्ताओं को जलवायु के अनुकूल किस्मों को विकसित करने को अपनी सबसे बड़ी प्राथमिकता बनानी चाहिए।'' उन्होंने कहा कि खेत ही सभ्यता की नींव, अर्थव्यवस्थाओं की रीढ़ और कल के भविष्य की उम्मीद हैं। उन्होंने कहा, ''हर नीति, हर हस्तक्षेप को इस बात का सम्मान करना चाहिए कि हमारे खेतों और किसानों ने सदियों की उथल-पुथल के दौरान मानवता को संभाला है। अब जलवायु परिवर्तन का खतरा किसान के खेत से कहीं आगे तक पहुंच गया है और कृषि तथा उससे जुड़े क्षेत्रों पर निर्भर हर जीवन को खतरे में डाल रहा है।

इस संकट की गंभीरता को देखते हुए अब देरी की कोई गुंजाइश नहीं है।''उपराज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वित्तवर्ष 2024-25 में भारत का कृषि उत्पादन 35.7 करोड़ टन तक पहुंच गया, जबकि बागवानी उत्पादन 36.2 करोड़ टन था।

उन्होंने कहा कि वित्तवर्ष 2013-14 से लेकर अब तक न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर दलहनों की खरीद में 7,350 प्रतिशत और तिलहन की खरीद में 1,500 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। हालांकि, जलवायु परिवर्तन के प्रभाव तीव्र होते जा रहे हैं, और पिछले वर्ष विभिन्न राज्यों में चरम मौसम की घटनाएं देखी गईं।

सीतारमण ने 'विकसित भारत 2047' के लिए समावेशी वृद्धि, कौशल विकास का आह्वान किया

मंगलुरु (कर्नाटक), (भाषा)।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि 2047 तक भारत के एक विकसित राष्ट्र बनने का मार्ग समावेशी वृद्धि, मजबूत संस्थानों और बड़े पैमाने पर कौशल विकास पर आधारित होना चाहिए।

उन्होंने यहां एनआईटीटीई विश्वविद्यालय के तत्वावधान में आयोजित एनआईटीटीई विनय हेगड़े व्याख्यान में 'विकसित भारत-2047 के लिए विजन' विषय पर कहा कि भारत की वृद्धि यात्रा केवल आर्थिक संकेतकों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अवसर छोटे शहरों, ग्रामीण क्षेत्रों और पहली पीढ़ी के शिक्षार्थियों तक पहुंचें।

उन्होंने कहा कि विकास व्यापक और सहभागी होना चाहिए, जिसमें समाज का हर वर्ग आर्थिक प्रगति में योगदान दे और उसका लाभ उठाए। सीतारमण ने कहा कि एक विकसित, स्थिर, लोकतांत्रिक और बहुलवादी भारत न केवल भारत के लिए बल्कि पूरी दुनिया के लिए अच्छा है। उन्होंने कहा, ''विकसित भारत केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। यह केंद्र, राज्यों, स्थानीय सरकारों, उद्यमियों, उद्योग, शिक्षाविदों, पेशेवरों और हर नागरिक के बीच एक राष्ट्रीय साझेदारी है। सरकार मंच बना सकती है, लेकिन 140 करोड़ भारतीयों की ऊर्जा, विचार और अनुशासन ही विकसित भारत का निर्माण करेंगे।''

वित्त मंत्री ने याद दिलाया कि आजादी के पहले सात दशक राष्ट्र के पुनर्निर्माण में बीते, जो बड़ी कठिनाई, बहस और गलतियों के साथ ही महत्वपूर्ण उपलब्धियों के क्षण भी थे। उन्होंने कहा, ''अब भारत जाग गया है। और जब भारत जागता है, तो दुनिया ध्यान देती है। आज हम दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था हैं।''

सीतारमण ने कहा कि जैसे-जैसे भारत 2047 में स्वतंत्रता की शताब्दी के करीब पहुंच रहा है, उसके पास एक विकल्प है - सामान्य वृद्धि पथ पर बने रहना और मध्यम आय के जाल का जोखिम उठाना, या प्रगति के लिए एक असाधारण मार्ग अपनाना। उन्होंने कहा, ''हम दुनिया की शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होना चुन सकते हैं। हम हर भारतीय बच्चे को स्वच्छ पानी, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सस्ती स्वास्थ्य सेवा और समृद्धि का अवसर देना चुन सकते हैं। वही विकल्प 'विकसित भारत' है।'' सीतारमण ने कहा, ''एक विकासशील भारत हमारा अंतिम गंतव्य नहीं हो सकता। विकसित भारत ही हमारा लक्ष्य होना चाहिए। आकांक्षाएं बदल गई हैं।'' उन्होंने कहा कि आज की युवा महिला केवल गुजर-बसर का नहीं बल्कि उत्कृष्टता का सपना देखती है। वह गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सेवा, सार्थक रोजगार और स्वच्छ वातावरण चाहती है।

जग प्रेरणा
देश विदेश
● म.प्र. ● महाराष्ट्र ● छ.ग. ● उड़ीसा ● राजस्थान ● गुजरात ● दिल्ली ● हरियाणा ● पंजाब ● जम्मु कश्मीर

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - 9329033433

ओडिशा में कंकाल कंधे पर ले जाने की घटना पर लोगों में आक्रोश..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

ओडिशा के क्योंझर जिले में बैंक से धन निकासी के लिए एक आदिवासी व्यक्ति द्वारा अपनी बहन का कंकाल लेकर बैंक पहुंचने के स्तब्ध कर देने वाले वीडियो क्लिप के सामने आने के बाद लोगों ने आक्रोश व्यक्त किया है, वहीं मूल बैंक ने स्पष्टीकरण दिया है कि उन्होंने केवल वैध दस्तावेज मांगे थे।

घटना के एक दिन बाद, राज्य के मंत्री सुरेश पुजारी ने कहा कि इस मामले में 'मानवीय दृष्टिकोण' नहीं अपनाया गया और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। विपक्षी बीजू जनता दल (बीजद) और कांग्रेस ने भी इस घटना की निंदा की है और राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी राज्य विधानसभा में खुद क्योंझर का प्रतिनिधित्व करते हैं।

इस घटना को ग्रामीण बैंकिंग प्रणाली की कठोर असंवेदनशीलता का प्रमाण बताते हुए बीजद के राज्यसभा सदस्य मानस रंजन मंगाराज ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर बैंकिंग प्रक्रियाओं को सरल करने में उनके तत्काल हस्तक्षेप की जरूरत बताई।

बीजद ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में अपनी बहन के कंकाल को कंधे पर ले जा रहे व्यक्ति के दृश्य का जिक्र करते हुए कहा, 'मुख्यमंत्री के जिले में एक अकल्पनीय दृश्य, क्रूरता की सभी सीमाओं को पार कर गया।' कांग्रेस की प्रदेश इकाई ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'यह वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण है। बैंक अधिकारियों द्वारा इस तरह का उत्पीड़न बंद होना चाहिए।'

इस घटना पर आक्रोश व्यक्त करते हुए ओडिशा के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री पुजारी ने कहा, 'बैंक अधिकारियों के लिए मृत्यु प्रमाण-पत्र पर्याप्त नहीं था और उस व्यक्ति को खाताधारक (बहन) की मृत्यु को सत्यापित करने के लिए कब्र से कंकाल निकालना पड़ा।'

उन्होंने कहा, 'इस पूरे मामले में मानवीय दृष्टिकोण का अभाव था। मैंने स्थानीय प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों से बात की है। सरकार ने इस घटना का गंभीरता से संज्ञान लिया है। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि इसके लिए जिम्मेदार बैंक अधिकारियों को दंडित किया जाए।' यह घटना सोमवार को ओडिशा ग्रामीण बैंक की मालीपोसी शाखा में घटी।

डियानाली गांव के जीतू मुंडा (50) अपनी बड़ी बहन कालरा मुंडा (56) के बैंक खाते से 20,000 रुपये निकालना चाहते थे। कालरा का निधन 26 जनवरी को हो गया था। जीतू मुंडा ने कहा, 'मैं कई बार बैंक गया। मैंने उन्हें बताया कि मेरी बहन की मृत्यु हो गई है, फिर भी वे बार-बार यही कहते रहे कि मैं उन्हें (बहन को) बैंक लाऊं, ताकि उनके नाम पर जमा राशि निकाली जा सके।'

कंकाल देखकर भयभीत बैंक अधिकारियों ने तुरंत स्थानीय पुलिस को सूचना दी। क्योंझर जिला स्थित पटना पुलिस थाने के प्रभारी निरीक्षक किरण प्रसाद साहू ने बताया कि पुलिस के हस्तक्षेप के बाद शव को वापस कब्रिस्तान ले जाकर दोबारा दफना दिया गया। पुलिस अधिकारी ने कहा, 'जीतू अनपढ़ है। उसे नहीं पता कि कानूनी वारिस या 'नामित व्यक्ति' (नॉमिनी) क्या होता है। बैंक अधिकारी उसे किसी रिश्तेदार की मृत्यु होने पर पैसे निकालने की प्रक्रिया नहीं समझा पाए।' इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) ने मंगलवार को एक विस्तृत बयान में कहा कि दावा निपटान प्रक्रिया को लेकर जागरुकता की कमी और शाखा प्रबंधक द्वारा बताई गई प्रक्रिया को समझने में व्यक्ति की अनिच्छा की वजह से घटना घटी लगती है।

आईओबी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'बैंक का मकसद खाते में जमा गरीब आदिवासी महिलाओं के पैसों के हितों की रक्षा करना था। इसमें किसी भी तरह की उत्पीड़न की कोई बात नहीं है। बैंक, मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करवाने के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में भी है। मृत्यु प्रमाण पत्र जमा होते ही, दावे का निपटारा प्राथमिकता के आधार पर कर दिया जाएगा।'

उसने कहा कि बैंक अधिकारियों ने पैसा निकालने के लिए मृतक के मौजूद रहने की मांग नहीं की थी, जैसा कि कुछ खबरों में दावा किया जा रहा है। बयान के अनुसार शाखा प्रबंधक ने स्पष्ट कहा था कि मृत्यु होने पर मृत्यु प्रमाणपत्र समेत कोई वैध दस्तावेज जमा करने पर ही दावे का निपटारा किया जा सकता है। खाता ओडिशा ग्रामीण बैंक में हैं जिसका संचालन इंडियन ओवरसीज बैंक के अधीन होता है।

महिला की 4 महीने पहले हुई थी शादी
एक समारोह में डांस करते समय अचानक हो गई मौत..

डेस्क जगप्रेरणा।

राजस्थान के जालोर जिले से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक महिला की डांस करते समय अचानक मौत हो गई। घटना से मौके पर मौजूद लोगों के बीच हड़कंप मच गया। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है।

क्या है पूरा मामला?

जालोर जिले के बागोड़ा उपखंड क्षेत्र के नई मोरसीम गांव में चल रहे शादी समारोह के बीच उस समय मातम छा गया, जब एक विवाहिता डांस करते-करते अचानक बेहोश होकर गिर गई और अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। घटना के बाद परिवार सहित पूरे गांव में शोक की लहर फैल गई।

जानकारी के अनुसार, नई मोरसीम गांव निवासी लुम्भाराम पुत्र जवाराम पुरोहित के परिवार में मांगलिक कार्यक्रम चल रहे थे। परिवार में बेटी ममता की शादी मंगलवार को प्रस्तावित थी, जिसकी बारात खिरोड़ी से आने वाली थी। वहीं बेटे का विवाह 1 मई को होना तय था। घर में रिश्तेदारों और परिजनों का जमावड़ा लगा हुआ था और शादी की तैयारियां जोरों पर थीं।

इसी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए वाटेरा निवासी दीपिका अपने माता-पिता और बहन के साथ सोमवार को अपने मामा के घर नई मोरसीम पहुंची थी। दीपिका की शादी करीब चार महीने पहले तातोड़ निवासी दिलीप कुमार के साथ हुई थी।

विवाह के बाद यह उसका पहला बड़ा पारिवारिक आयोजन बताया जा रहा है। सोमवार रात बंदोली कार्यक्रम के दौरान घर में गीत-संगीत और नृत्य का माहौल था। महिलाएं और परिवारजन खुशी के साथ कार्यक्रम में शामिल थे। इसी दौरान दीपिका भी परिजनों के साथ डांस कर रही थी। अचानक नृत्य करते समय उसे चक्कर आया और वह वहीं गिरकर अचेत हो गई।

घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। परिजन तुरंत उसे मोरसीम के राजकीय अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे आगे रेफर कर दिया। इसके बाद परिजन उसे बागोड़ा अस्पताल लेकर रवाना हुए, लेकिन रास्ते में ही दीपिका ने दम तोड़ दिया। अचानक हुई इस घटना से परिवार के लोग स्तब्ध रह गए। जिस घर में कुछ देर पहले तक शादी के गीत गूंज रहे थे, वहां देखते ही देखते चीख-पुकार मच गई और खुशियों का माहौल मातम में बदल गया।

ग्रामीणों और रिश्तेदारों ने बताया कि दीपिका पूरी तरह स्वस्थ नजर आ रही थी और खुशी-खुशी कार्यक्रम में भाग ले रही थी। उसकी अचानक मौत से परिवार गहरे सदमे में है। गांव में भी इस दुखद घटना के बाद शोक का माहौल बना हुआ है।

दैनिक जगप्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापनों के लिये संपर्क करें..
मो. 9329033433

जमशेदपुर में रेलवे कर्मी की हत्या, बागबेड़ा लॉबी गेट पर बाइक सवारों ने मार दी गोली..

डेस्क जगप्रेरणा।

जमशेदपुर के बागबेड़ा थाना क्षेत्र में रविवार देर रात उस समय सनसनी फैल गई, जब रेलवे लॉबी गेट के पास अज्ञात बदमाशों ने एक रेलवे कर्मचारी को गोली मार दी।

बाइक सवार दो अपराधियों ने अचानक फायरिंग की, जिसमें कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायल को इलाज के लिए रेलवे अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटनास्थल से एक खोखा बरामद..

सूचना मिलते ही सिटी एसपी ललित मीणा मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू की। पुलिस को घटनास्थल से एक खोखा भी बरामद हुआ है, जिससे साफहै कि हमलावर पूरी तैयारी के साथ आए थे।

जमीन कारोबार में भी सक्रिय था रेलवे कर्मी..

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मृतक जीके मीणा आदित्यपुर का निवासी था और रेलवे से जुड़े कार्यों के साथ-साथ जमीन कारोबार में भी सक्रिय था। बताया जा रहा है कि रेलवे पार्किंग में समतलीकरण का काम भी उसके जिम्मे था। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और हमलावरों की पहचान के प्रयास तेज कर दिए गए हैं।

घटना के पीछे आपसी रंजिश या कारोबार से जुड़ा विवाद होने की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल पूरे इलाके में दहशत का माहौल है, जबकि पुलिस ने जल्द ही मामले के खुलासे का दावा किया है।

भिवानी में प्राइवेट बस में लगी आग, दो लोगों की जलकर मौत; 7 घायल..

डेस्क जगप्रेरणा।

हरियाणा के भिवानी जिले से एक दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां एक निजी बस में अचानक आग लग गई। आग लगने की वजह से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आनन-फानन में बस में सवार यात्री इधर-उधर भागने लगे।

हालांकि आग में जलकर दो यात्रियों की मौत हो गई, जबकि सात अन्य घायल हो गए हैं। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

भिवानी से हांसी जा रही थी बस..

तोशाम (भिवानी) के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) दलीप सिंह ने घटना के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया, ÷सोमवार शाम को मिलकपुर गांव में यह घटना तब घटी जब बस भिवानी से हांसी जा रही थी।÷ पुलिस ने बताया कि इस घटना में मारे गए दोनों व्यक्ति बस से उतर नहीं पाए और आग की लपटों में घिर गए। बाद में उनके जले हुए शव बरामद किए गए। पुलिस ने बताया कि दमकल गाड़ियां तुरंत मौके पर भेजी गईं और घायलों को अस्पताल ले जाया गया।

आग लगने के कारणों की जांच जारी..

डीएसपी ने कहा, 'प्रारंभिक जांच के अनुसार, हमें संदेह है कि उनमें से एक सरकारी कर्मचारी है और दूसरा निजी कर्मचारी। उनके परिजनों का दावा है कि दोनों घर नहीं लौटे व लापता हैं। अभी हम मानकर चल रहे हैं कि ये लोग संभवतः वही हैं।' उन्होंने कहा कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

गुरुग्राम में भी लगी आग..

इससे पहले गुरुग्राम में भी आग लगने की एक घटना सामने आई थी। यहां गुरुग्राम के बजघेड़ा इलाके में रविवार को एक प्लास्टिक कारखाने और गोदाम में भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग आस-पास के इलाकों में भी फैल गई।

अधिकारियों ने बताया कि एहतियात के तौर पर आस-पास के इलाके को खाली करा लिया गया। आग बुझाने के लिए छह दमकल वाहनों को मौके पर भेजा गया और करीब चार घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। फिलहाल आग लगने के सटीक कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।

अपनी शादी से 'नाखुश' महिला मोबाइल टावर पर चढ़ी, तीन घंटे बाद उतरी..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

हाथरस जिले के सासनी क्षेत्र में मंगलवार को कथित तौर पर अपनी शादी से नाखुश एक महिला अपने प्रेमी के साथ जाने की जिद को लेकर मोबाइल टावर पर चढ़ गयी।

करीब तीन घंटे तक चले इस हाई वोल्टेज ड्रामे के बाद महिला को समझा-बुझाकर नीचे उतारा गया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि पूजा नामक महिला आज दोपहर हाथरस जंक्शन स्थित अपनी ससुराल से अचानक निकली और रास्ते में सासनी थाना क्षेत्र के लुटसान मार्ग पर बने एक मोबाइल टावर पर सबसे ऊपर चढ़ गयी।

उन्होंने बताया कि महिला को टावर पर चढ़ा देखकर लोगों को भीड़ जमा हो गयी और उससे नीचे उतरने को कहा लेकिन उसने कहा कि वह अपनी शादी से नाखुश है और अपने प्रेमी के साथ जाना चाहती है।

सूत्रों ने बताया कि महिला को टावर से उतरने के लिये काफी समझाया गया, मगर कोई फर्क नहीं पड़ने पर उसके पिता राजेंद्र और भाई को मौके पर बुलाया गया, जिन्होंने उससे नीचे उतरने के लिये काफी मिन्नतें कीं। उन्होंने बताया कि काफी मान-मनौव्वल पर करीब तीन घंटे बाद महिला टावर से नीचे उतरी।

सासनी कोतवाली प्रभारी विपिन चौधरी ने बताया कि सासनी कस्बे के हरिनगर के रहने वाले राजेंद्र ने अपनी बेटी पूजा की शादी दो साल पहले हाथरस जंक्शन के गांव बरमाना के निवासी यशपाल से की थी।

उन्होंने बताया कि पूजा कथित तौर पर अपनी शादी से खुश नहीं थी और वह सासनी कोतवाली क्षेत्र के समामई गांव के निवासी जयप्रकाश नाम के युवक को पसंद करती थी और वह उसी के साथ जाना चाहती थी, जिसकी मांग को लेकर वह टावर पर चढ़ गयी।

चौधरी ने बताया कि पूजा पुलिस की निगरानी में है और करीब तीन घंटे तक तपती धूप में टावर पर रहने के कारण एहतियातन उसका उपचार किया जा रहा है।

तेज रफ्तार ट्रेन स्टेशन पर खड़ी ट्रेन के महिला बोगी से टकराई
14 की मौत, कई यात्री क्षतिग्रस्त डिब्बों के बीच में फंसे..

डेस्क जगप्रेरणा।

इंडोनेशिया की राजधानी के बाहरी इलाके में एक स्टेशन पर एक ट्रेन दूसरी ट्रेन से टकरा गई, जिसमें कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई। कई लोग बुरी तरह क्षतिग्रस्त डिब्बे में फंस गए। ये हादसा सोमवार को हुआ है। हादसे की जानकारी देते हुए रेलवे के एक अधिकारी ने कहा, 'अब तक यात्री ट्रेन के 38 यात्रियों को आगे के इलाज के लिए अस्पतालों में ले जाया गया है।'

महिलाओं के लिए आरक्षित था डिब्बा..

अर्गो ब्रोमो अंगग्रेक लंबी दूरी की ट्रेन बेकासी तिमुर स्टेशन पर रुकी हुई एक यात्री ट्रेन के पिछले डिब्बे से टकरा गई। यह डिब्बा केवल महिलाओं के लिए आरक्षित था, जो उत्पीड़न से बचने के लिए एक सामान्य व्यवस्था है। बचाव दल क्षतिग्रस्त डिब्बे में फंसे पांच यात्रियों तक पहुंचने के लिए प्रयासरत हैं। रेलवे के अधिकारियों ने बताया कि अर्गो ब्रोमो अंगग्रेक ट्रेन के सभी 240 यात्री सुरक्षित हैं। जकार्ता पुलिस प्रमुख असेप एडी सुहेरी ने घटनास्थल पर पत्रकारों को बताया कि पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है।स्थानीय टेलीविजन फुटेज और सोशल मीडिया पर वीडियो में स्टेशन पर यात्रियों को घबराया हुआ दिखाया गया है। रेल हादसे की जानकारी मिलते ही दर्जनों लोग अपने परिवार के सदस्यों की खबर लेने के लिए स्टेशन की ओर दौड़ पड़े। वहीं, इस हादसे कोलेकर सरकारी रेलवे कंपनी ने यात्रियों से माफी मांगी है।

इंडोनेशिया में पहले भी हुए कई हादसे..

बता दें कि इंडोनेशिया के पुराने रेल नेटवर्क पर दुर्घटनाएं आम बात हैं। जनवरी 2024 में, पश्चिम जावा प्रांत में दो ट्रेनों की टक्कर हो गई, जिसमें कम से कम चार लोगों की मौत हो गई थी। अक्टूबर 2013 में, पश्चिम जावा में एक असुरक्षित क्रॉसिंग पर एक यात्री ट्रेन एक मिनीबस से टकरा गई, जिसमें 13 लोगों की मौत हो गई थी। साल 2010 में जकार्ता से आ रही एक ट्रेन मध्य जावा प्रांत के एक स्टेशन पर खड़ी ट्रेन के पिछले हिस्से से टकरा गई, जिसमें 36 लोगों की मौत हो गई थी।

आईपीएल मैच देखकर लौट रहे रिश्ते के दो भाइयों की संसद मार्ग इलाके में सड़क हादसे में मौत..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

आईपीएल मैच देखकर बाइक से लौट रहे दो व्यक्तियों को दिल्ली के संसद मार्ग इलाके में अशोक रोड पर एक ट्रक ने टक्कर मार दी जिससे उनकी मौत हो गई। वे आपस में रिश्ते के भाई थे।

पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि सोमवार रात करीब साढ़े 10 बजे हादसे के संबंध में एक पीसीआर कॉल आई, जिसके बाद पुलिस टीम पीएनबी कॉम्प्लेक्स के सामने घटनास्थल पर पहुंची। वहां पहुंचने पर अधिकारियों ने दो व्यक्तियों को सड़क पर अचेत अवस्था में पाया। नयी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) सचिन शर्मा ने बताया कि उन्हें तत्काल राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मृतकों की पहचान बाद में बीएससी छात्र यज्ञ भाटिया (20) और 10वीं कक्षा में पढ़ने वाले अभव भाटिया (14) के रूप में हुई। दोनों अशोक नगर के रहने वाले थे। पुलिस के मुताबिक, दोनों दिल्ली और बेंगलुरु के बीच आईपीएल मैच देखकर मोटरसाइकिल से लौट रहे थे, तभी पीछे से आ रहे एक ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। दोनों में से किसी ने भी हेलमेट नहीं पहना था। ट्रक चालक गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया, जिससे यह 'हिट-एंड-रन' का मामला बन गया। पुलिस ने बताया कि यात्रा के दौरान नाबालिग लड़के को उसके पिता का फोन आया था और उसने पिता से कहा था कि वे लगभग आधे घंटे में घर पहुंच जाएंगे। कुछ ही क्षणों बाद दुर्घटना हो गई। पीड़ितों के चाचा ने पीटीआई-भाषा से कहा, 'नाबालिग लड़का अपने पिता से फोन पर बात कर रहा था और अचानक फोन उसके हाथ से फिसल गया और वह चुप हो गया। किसी और ने फोन उठाया और परिवार को दुर्घटना की सूचना दी।' उन्होंने कहा कि वे आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई चाहते हैं। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी और उन्हें अस्पताल पहुंचाने में मदद की, लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। जिला अपराध टीम को मौके पर बुलाया गया और साक्ष्य एकत्र करने के लिए घटनास्थल की फोरेंसिक जांच की गई। चश्मदीदों के बयान के आधार पर कानून की प्रासंगिक धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। बाद में उस ट्रक का पता यमुना पार में चला। चालक ट्रक को उसके मालिक के पास छोड़कर चला गया। पुलिस ने बताया कि मलबे से लदे वाहन को जब्त कर लिया गया है और फरार चालक को गिरफ्तार करने के प्रयास जारी हैं।

मराठा स्पोर्ट्स
9284744867
9112026507
7006748047
• T-shirt • Lower • Short • Shoes etc.
All Sports Items Available
नारायण लॉन के सामने क्रिडा संकुलन मरारटोली, गोंदिया

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..
गणेश भदाड़े आमगांव
मो. 7745823591

विधायक विनोद अग्रवाल से शिक्षक के प्रलंबित मांगों को लेकर मुलाकात की..

शिक्षक समिती को खानापकाने वाली महिलाओ का मानधन बढ़ाने समेत कई मुद्दों पर सकारात्मक आश्वासन दिया गया..

जगप्रेरणा आमगांव।

महाराष्ट्र राज्य प्राथमिक शिक्षक समिती के पदाधिकारियों ने जिले के शिक्षक के कई प्रलंबित मुद्दों को सुलझाने के लिए विनोद अग्रवाल से मुलाकात की।

इस मौके पर, टीचर्स की समस्याओं को सुलझाने के लिए लगातार पहल करने के लिए कमिटी की तरफसे विधायक अग्रवाल का सम्मान किया गया। सभा के दौरान, शिक्षक समिती ने मंत्रालय लेवल पर तुरंत हल किए जाने वाले ज़रूरी मांगों का एक निवेदन पेश किया। इसमें शालेय शिक्षा से जुड़े कई ज्वलंत मुद्दे उठाए गए।

समिती की तरफसे रखी गई मुख्य मांगें इस तरह हैं:

स्कूल पोषण आहार योजना में खाना बनाने वाली महिलाओ की मानधन कम से कम 10,000 रुपये की जाए। पूरे गोंदिया जिले को आदिवासी जिला घोषित किया जाए। सभी स्नातक शिक्षक के लिए सरसकट वेतनश्रेणी लागू किया जाए। शिक्षण सेवक का समय 1 साल करके किमान वेतन 40,000 रू. की जाए। काम करने वाले टीचरों के लिए **TET** परीक्षा ज़रूरी करने का फैसला रद्द किया जाए। विदर्भ की भौगोलिक और मौसम की स्थिति को देखते हुए 26 जून से स्कूल खोले जाएं। इन मांगों पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए विधायक विनोदभाऊ अग्रवाल ने मंत्रालय में ज़रूरी मुद्दे उठाने का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि वे जल्द ही मुख्यमंत्री से मिलकर रसोइयों की मानधन बढ़ाने के मुद्दे पर बात करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि शिक्षक समिती के पदाधिकारियों के साथ मंत्रालय में एक खास सभा रखी जाएगी।

उम्मीद है कि इस सभा से शिक्षक के अलग-अलग मुद्दों का जल्द ही कोई हल निकलेगा और शिक्षक में खुशी का माहौल बना है। समिती के पदाधिकारियों ने विधायक के सकारात्मक रोल पर खुशी ज़ाहिर की।

इस अवसर पर शिक्षक समिति के जिला अध्यक्ष संदीप तिड़के, संभागीय अध्यक्ष किशोर डोंगरवार, एच.एस. बिसेन, शरद पटले, गौतम बांते, उत्तम टेंभरे, शोभेलाल ठाकुर, राज कड़व, राजेंद्र बोपचे, सतीश दमाहे, संजय हुकरे, गणेश कंगने, सचिन सांगले, ओमप्रकाश केवट, रुद्रकर सर सहित कई अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

भजेपार ग्राम पंचायत की नई स्कीम:

समय पर टैक्स भरें और आर ओ वॉटर रिचार्ज पर बंपर डिस्काउंट पाएं..

पंचायत राज दिवस के मौके पर एक प्रेरणा देने वाली पहल का नया अध्याय..

जगप्रेरणा सालेकसा।

मुख्यमंत्री समृद्धि पंचायत राज अभियान के तहत और पंचायत राज दिवस के मौके पर, ग्राम पंचायत भजेपार ने लोगों में टैक्स भरने के बारे में जागरूकता

बढ़ाने और साफ पानी के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए एक नई और आकर्षक स्कीम की घोषणा की है। 'समय पर टैक्स भरें और बंपर डिस्काउंट पाएं' के कॉन्सेप्ट के साथ लागू की गई यह स्कीम आजकल गांव वालों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है।

साल 2026-27 के लिए, जो अकाउंट होल्डर ग्राम पंचायत का पूरा टैक्स एक साथ और समय पर भरेंगे, उन्हें अलग-अलग चरणों में डिस्काउंट दिया जाएगा। खास बात यह है कि यह डिस्काउंट कैश के बजाय **RO** वॉटर **U ATM** कार्ड रिचार्ज के रूप में दिया जाएगा, जिससे लोगों को सीधे साफ पानी का फायदा मिलेगा। इस स्कीम के मुताबिक, अगर अप्रैल और मई के आखिर तक टैक्स भर दिया जाता है, तो **RO** वॉटर रिचार्ज के तौर पर 50 परसेंट तक रकम वापस मिल जाएगी। जून के आखिर तक 40 परसेंट, जुलाई के आखिर तक 30 परसेंट, अगस्त के आखिर तक 20 परसेंट और सितंबर के आखिर तक 10 परसेंट की छूट मिलेगी। इसके बाद ग्राम पंचायत ने साफकिया है कि कोई छूट नहीं मिलेगी।

ग्राम पंचायत की इस पहल से दो ज़रूरी मकसद पूरे होंगे। एक तो यह कि ग्राम पंचायत का टैक्स समय पर और पूरा जमा होगा, जिससे विकास के कामों को बढ़ावा मिलेगा। दूसरा, गांव वालों को साफपानी इस्तेमाल करने की आदत पड़ेगी और 'साफपानी - सेहतमंद सेहत' का मैसेज और असरदार तरीके से फैलेगा। इस स्कीम का फायदा उठाने के लिए पूरा टैक्स एक साथ भरना ज़रूरी है। इसलिए ग्राम पंचायत एडमिनिस्ट्रेशन ने गांव वालों से अपील की है कि वे बिना समय बर्बाद किए जल्द से जल्द टैक्स भर दें और ज़्यादा से ज़्यादा छूट पाएं।

जब सरपंच चंद्रकुमार ने मासिक बैठक में इस पहल का प्रस्ताव रखा, तो बहेकार, उपसरपंच कुंदा ब्राह्मणकर, ग्राम पंचायत सदस्य रविशंकर बहेकार, रेवतचंद बहेकार, राजेश बहेकार, मनीषा चुटे, सरस्वती भलावी, आत्माराम मेंढे, ममता शिवणकर सहित मौजूद सभी सदस्यों ने एकमत होकर इस पहल पर सहमति जताई। भजेपार ग्राम पंचायत की यह नई पहल गांव में 'मेरा टैक्स - मेरी जिम्मेदारी' की भावना को मजबूत कर रही है, और यह अन्य ग्राम पंचायतों के लिए भी एक मॉडल बनेगी।

4 हजार टैक्स भरें और 5 हजार का साफ पानी पाएं..

इस पहल के अनुसार, अगर किसी व्यक्ति का टैक्स 4 हजार रुपये है और उसने अप्रैल या मई महीने में पूरा टैक्स चुका दिया है, तो उसे पानी के रूप में 50 प्रतिशत की छूट यानी 2 हजार रुपये की छूट मिलेगी। एक साल में, वह व्यक्ति 31 मार्च 2027 तक अपनी सुविधा के अनुसार 10 रुपये की दर से 200 कैन पानी इस्तेमाल कर सकता है। आजकल बाज़ार में **RO** पानी के कैन 25 रुपये में मिलते हैं। अगर आप सोचें तो 200×25 = 5000 यानी 4,000 रुपये दें और 5,000 रुपये की छूट पाएं। यह एक शानदार पहल है और इसे बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है।

सिंगल-यूज़ प्लास्टिक फ्री प्रोग्राम के लिए फ्री पानी..

मेरा टैक्स मेरी ज़िम्मेदारी प्लास्टिक फ्री प्रोग्राम के लिए फ्री पानी देने की योजना यहाँ इस पहल से पहले से चल रही है और मौत होने पर भी ग्राम पंचायत द्वारा परिवार को फ्री पानी पहुँचाया जा रहा है। स्कूलों, आँगनवाड़ियों, लाइब्रेरी और दूसरे सभी सरकारी दफ़्तरों में **RO** पानी रेगुलर फ्री दिया जा रहा है।

बोले सरपंच चंद्रकुमार बहेकार गांव के विकास और सेहत का दोहरा मेल..

'यह स्कीम गांव वालों को समय पर टैक्स भरने के लिए बढ़ावा देती है और बदले में उन्हें सीधे तौर पर साफ़ **RO** पानी का फ़ायदा देती है। इस पहल से गांव के विकास और लोगों की सेहत का दोहरा मेल हो रहा है।

एक तरफ़ इस पहल से ग्राम पंचायत का 100 परसेंट टैक्स कलेक्शन पक्का करने की सच्ची कोशिश की जा रही है और दूसरी तरफ़ साफ़ पानी से लोगों की सेहत भी बेहतर हो रही है।

गोंदिया पुलिस डायरी।।

संजीव बापट, शहर प्रतिनिधि मो। 9922607145

खजरी पट के बाजु से मोटरसायकल चोरी मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के डुग्गीपार पुलिस थाना अंतर्गत चोरी का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 19/4/2026 के सुबह 11 बजे से 5 बजे के दरम्यान डोंगरगाव मे फर्यादी प्रभाकर युवराज तोंडफोडे उम्र 40 वर्ष निवासी पांढरवानी ने अपनी मोटरसायकल क्रमांक एम एच 35 एटी 1475 किमत 80 हजार रुपये डोंगरगाव के खजरी पट के बाजु मे रखी था। घटना समय के दरम्यान अज्ञात चोर ने चुराकर ले जाने से दिये शिकायत पर अज्ञात चोर के खिलाफपोस्टे डुग्गीपार मे अपराध क्रमांक 219/2026 धारा 303,2, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जॉच पोहवा राकेश राऊत पोस्टे डुग्गीपार कर रहे है।

खाना बनाने की बात पर भाई ने भाई पर चलाई लाठी मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के ग्रामीण पुलिस थाना अंतर्गत मारपीट का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 26/4/2026 के शाम 6 बजे के दरम्यान दागोटोला मे फर्यादी कपील तेजराम ब्राम्हणकर उम्र 40 वर्ष और आरोपी भाई होकर घटना के समय फर्यादी अपने घर मे खाना बना रहे थे। जहा आरोपी ने आकर गालीगलौच की और कहा तु क्यो खाना बना रहा है, बोलकर लकडी से सर पर मारकर जख्मी किया और आगे देख लेने की धमकी देने से दिये शिकायत पर पोस्टे गोंदिया ग्रामीण मे अपराध क्रमांक 233/2026 धारा 118,1,352, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जाँच पोहवा धुवारे 423 पोस्टे गोंदिया ग्रामीण कर रहे है।

जमीन बेचकर पैसे लेकर पुन: की पैसे की मांग मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के आमगाव पुलिस थाना अंतर्गत धोखाधडी का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 6/1/2026 से दिनांक 24/2/2026 के दरम्यान आमगाव मे फर्यादी रानी राजेश काळसर्पे उम्र 43 वर्ष निवासी कुंभारटोली ने पैसे देकर जमीन खरीदी और रजीस्ट्री करा ली, कुछ दिन बाद आरोपी ने आकर कहा तु हमको 5 लाख रुपये और दे तुने हमको पैसे नही दिये है नही तो हम रजिस्ट्री कँसल करा देंगे तेरा फेरफार नही होगा और यदी पैसे नही दिये तो तुझे जान से मार देंगे। धमकी देने से 6 आरोपियो के खिलाफ पोस्टे आमगांव मे अपराध क्रमांक 306/2026 धारा 189, 2, 351,2,351,3, बी एन एस 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जॉच पोना भजने 1702 पोस्टे आमगांव कर रहे है।

गोंदिया के प्रगती कॉलोनी मे दिनदहाड़े हुई चोरी मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के शहर पुलिस थाना अंतर्गत चोरी का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 27/4/2026 के दोपहर 1 बजे से 4 बजे के दरम्यान प्रगती कॉलोनी राजाभोज चौक मे फर्यादी सौ गिता जिवनलाल रहीले उम्र 47 वर्ष निवासी प्रगती कॉलोनी अपने मकान को ताला लगाकर अपनी गाडी से बेटे को नागपुर जाने के लिये स्टेशन छोड़कर अपने नये निर्माणाधीन मकान का काम देखने गई। 4 बजे करीब बेटे का फोन आया मै नागपुर नही गया और घर आया तो सामने का ताला टूटा है, जानकारी मिलते ही फर्यादी ने घर आकर देखा की अज्ञात चोर ने आलमारी मे रखा मंगलसुत्र 15 ग्राम किमत 45 हजार रुपये, 2 सोने की अंगुठी किमत 18 हजार रुपये, चांदी की पैरपट्टी किमत 20 हज़ार रुपये, चांदी के कडे किमत 10 हजार रुपये, नगदी 17 हजार रुपये, कुल 1 लाख 10 हजार रुपये का माल चुराकर ले जाने से दिये शिकायत पर पोस्टे गोंदिया शहर मे अपराध क्रमांक 350/2026 धारा 305,331,3, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जाँच पोऊपनी अनिल डोंगरवार पोस्टे गोंदिया शहर कर रहे है।

किसान पर जंगली सुअर का हमला

जगप्रेरणा गोरेगांव।

वनपरिक्षेत्र अंतर्गत झांजिया खेत परिसर में किसान पर एक जंगली सुवर ने हमला कर दिया घटना शुक्रवार 24 एप्रिल के श्याम को किसान डॉक्टर रुस्तमजी येडे घायल हो गये इस संदर्भ में जानकारी दी जा रही है

कि गोरेगाव निवासी डॉक्टर रुस्तमजी येडे ग्राम झांजिया परिसर में खेती है जहा पर वे प्रतिदिन ग्रीष्मकालीन धान की फसल को देखने सुबह शाम जाते है। जब डॉक्टर येडे खेत मे घूम रहे थे तो अचानक जंगली सुअर नेऊन पर हमला कर दिया इस घटना मे घायल होकर गिर गये जिससे डॉक्टर येडे के पैर की हड्डी फ्रैक्चर हो गई घायल डॉक्टर येडे जी को गोंदिया उपचार के लिए नीची अस्पताल मे भर्ती किया बताया जा रहा है की उपचार के बाद आपरेशन किया जायेंगा।

गो-हत्या बंदी के लिए 'एक देश, एक कानून' की मांग

देवरी में गो-सम्मान रैली; राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन..

जगप्रेरणा देवरी।

भारतीय संस्कृति के संरक्षण और गोवंश की सुरक्षा के लिए देशभर में चलाए जा रहे 'गो-संवर्धन आह्वान अभियान' के तहत सोमवार, 27 तारीख को देवरी शहर में गो-सम्मान रैली निकाली गई।

इस रैली के माध्यम से गौमाता को 'राष्ट्रमाता' घोषित करने और देशभर में कड़ा गोवंश हत्या बंदी कानून लागू करने की मांग की गई। यह रैली सुरभी चौक स्थित राम मंदिर से शुरू हुई और शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए तहसील कार्यालय पहुंची। रैली के समापन पर विभिन्न मांगों का ज्ञापन और 'गो-सम्मान हस्ताक्षर अभियान' के तहत शहरवासियों द्वारा हस्ताक्षरित पत्रक तहसीलदार के माध्यम से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री को भेजा गया।

ये रहे उपस्थित..

इस अवसर पर गो-सम्मान अभियान के देवरी तालुका संयोजक कोमलप्रसाद गौतम, विनोद अग्रवाल, नगराध्यक्ष संजू उईके, उपाध्यक्ष प्रज्ञाताई संगीडवार, नगरसेवक पिंकीताई कटकवार, कृषि उपज मंडी समिति के सभापति प्रमोद संगीडवार, छोटेलाल बिसेन, गोपाल तिवारी, एडवोकेट प्रशांत संगीडवार, राजकुमार शाहू, प्रवीण दहिकर, रामगोपाल अग्रवाल, कमल अग्रवाल, पवन अग्रवाल, रामाअवतार अग्रवाल, संतोष बहेकार, कुणाल कत्रे, गोविंद अग्रवाल, दीपक शाहू, शंकर माळे, रहांगडाले, रचना उजवणे, मौसमी नेताम सहित बजरंग दल के सभी पदाधिकारी और बड़ी संख्या में शहरवासी उपस्थित थे।

शिक्षक-शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के मुद्दे गंभीर, सरकार से तत्काल नीति बनाने की मांग..

जगप्रेरणा आमगांव।

महाराष्ट्र राज्य में स्थायी विनाअनुदानित, स्व-वित्तपोषित तथा अनुदानित शैक्षणिक संस्थाओं में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के सेवा, वेतन और भविष्य से जुड़े प्रश्न लगातार गंभीर होते जा रहे हैं।

राज्य सरकार द्वारा अब तक इस संबंध में कोई ठोस एवं सर्वसमावेशी नीति तय नहीं किए जाने से कर्मचारियों में असुरक्षा का माहौल बना हुआ है। इस पृष्ठभूमि में महाराष्ट्र राज्य शिक्षक शिक्षकेत्तर कर्मचारी संघटना ने सरकार से तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है।

संघटना के अनुसार, राज्य की विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं में कर्मचारियों की सेवा शर्तों में भारी असमानता देखी जा रही है। विशेष रूप से अनुदानित एवं स्व-वित्तपोषित संस्थानों में वेतन संरचना, न्यूनतम वेतन का पालन तथा भविष्य निर्वाह निधि **(EPF/ PF)** के संदर्भ में गंभीर अनियमितताएं और देरी सामने आ रही हैं। कई निजी शैक्षणिक संस्थानों में कर्मचारियों को दबाव में रखकर नियमों के विरुद्ध **PF** की कटौती तक नहीं की जा रही, जिससे उनके आर्थिक भविष्य पर प्रश्नचिन्ह खड़ा हो गया है। इसके अलावा, कई स्थानों पर कर्मचारियों की नियुक्ति बिना शासकीय मान्यता के की जा रही है और उन्हें संविदा (कॉन्ट्रैक्ट) आधार पर दिखाकर उनकी सेवाओं का नियमितीकरण टाला जा रहा है। स्कूल समितियों द्वारा मनमानी तरीके से सेवाएं समाप्त करने की घटनाएं भी बढ़ रही हैं, जिससे कर्मचारियों और उनके परिवारों के भविष्य पर गंभीर असर पड़ रहा है। संघटना ने इस स्थिति को अत्यंत चिंताजनक बताते हुए सरकार से तत्काल संज्ञान लेने की मांग की है।

संघटना के पदाधिकारी प्रा. सुभाष आकरे और यशवंत मानकर ने कहा कि राज्य के सभी घटकों को ध्यान में रखते हुए एक समान और न्यायसंगत सेवा नीति लागू करना समय की आवश्यकता है। अन्यथा शिक्षा क्षेत्र में कर्मचारियों पर अन्याय जारी रहेगा। उन्होंने सरकार से इस मुद्दे पर जल्द निर्णय लेकर कर्मचारियों को न्याय देने की मांग की।इस संबंध में अधिक जानकारी देने या अपनी समस्याएं रखने के लिए संबंधित कर्मचारी संघटना से संपर्क कर सकते हैं।

इच्छुक कर्मचारी भारतीय जनकल्याण फाउंडेशन, पुलिस स्टेशन के पास, आमगांव, जिला गोंदिया स्थित कार्यालय में पत्राचार या प्रत्यक्ष संपर्क कर सकते हैं, ऐसा संघटना ने बताया। संघटना ने यह भी जानकारी दी है कि जल्द ही निजी शैक्षणिक संस्थानों के कर्मचारियों के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल तैयार किया जाएगा, जिसके माध्यम से कर्मचारियों की समस्याओं को सीधे शासन स्तर तक पहुंचाया जाएगा।

दैनिक जगप्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापनों के लिये संपर्क करें मो. 9329033433

दरीयां, मेटींग्स, कार्पेट्स, डोरमेट्स, शॉल, ब्लैंकेट्स, स्कूल की भोजन पट्टियां, ताड़पत्री, मच्छरदानी, ग्रीन नेट, चादरें, बेड शीट्स के थोक व चिल्लर विक्रेता
रमनकुमार मेठी हैंडलुम हाऊस
मेन रोड, बड़ी मस्जिद के सामने, गोंदिया 9890696200

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..
संजीव बापट गोंदिया
मो. 9922607145

जग प्रेरणा
गोंदिया भंडारा
● तिरोड़ा ● गोरेगांव ● आमगांव ● सालेकसा ● देवरी ● मोरगांव अर्जुनी ● तुमसर ● साकोली ● लाखांदूर

महावीर डेवलपर्स गोरेगांव
1 महावीर कॉम्पलेक्स
एन.एच.रोड, बस स्टेंड के पास
2. अष्ट विनायक अपार्टमेंन्ट
2 बीचके फ्लेट रेडी पजेशन, लिफ्ट, पार्किंग, बैंक लोन सुविधा.. 3) एनए किये हुए प्लॉट उपलब्ध..
संपर्क-नायरा पेट्रोल पंप मो. 9372316555

गोंदिया जिले में भीषण गर्मी के प्रकोप के चलते 2 मई से नहीं लगेंगी स्कूलें..

स्कूलों के 'विशेष दुकानों' से, गणवेश, सामग्री खरीदी सख्ती पर रोक लगाने की भी कि भाजयुमो ने मांग..

विधायक विनोद अग्रवाल की प्रमुख उपस्थिति मे भाजयुमो के जिलाधिकारी को सौंपे ज्ञापन के बाद जारी किया गया तत्काल आदेश..

जगप्रेरणा गोंदिया।

अप्रैल माह में ही आग उगलने वाली गर्मी से तापमान में भारी बढ़ोत्तरी देखी जा रही है। गर्मी की उष्णता से गोंदिया सहित पूरा विदर्भ जल रहा है। उष्माघात, डिहाइड्रेशन, लू जैसे घातक प्रकोप के चलते लोग घरों से बाहर नही निकल रहे है। पर इन दिनों अभी भी स्कूलों में स्कूली बच्चों को गर्मी

सहन करनी पड़ रही है। स्कूलों द्वारा अबतक गर्मी की छुट्टी घोषित नही की गई, वहीं निजी स्कूलों के साथ ही कोचिंग संस्थाओं में भी क्लासेस जारी है, जिससे बच्चे उष्माघात की चपेट में आ सकते है। इस स्थिति को देखते हुए आज 28 अप्रैल को गोंदिया के विधायक विनोद अग्रवाल की प्रमुख उपस्थिति में भाजयुमो द्वारा जिलाधिकारी डॉ. मंगेश गोंदावले को ज्ञापन सौंपकर भीषण गर्मी में स्कूलों में अवकाश प्रदान करने के लिये ज्ञापन सौंपा था, जिस पर तत्काल कार्यवाही करते हुए जिलाधिकारी डॉ. मंगेश गोंदावले ने स्कूल शिक्षा शिक्षणाधिकारी को आदेश जारी किये, जिस पर तत्काल आज 28 अप्रैल को ही शिक्षणाधिकारी (प्राथमिक) ने आदेश जारी कर 2 मई से गोंदिया जिले में अवकाश की घोषणा कर दी है।

भाजयुमो ने की यह भी मांग..

गौरतलब है कि बढ़ती गर्मी के भीषण प्रकोप एवं इससे होने वाले स्वास्थ्य के बुरे प्रभाव को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी युवामोर्चा ने गोंदिया के विधायक विनोद अग्रवाल के मार्गदर्शन में जिलाधिकारी डॉ. मंगेश गोंदावले को निवेदन देकर आगामी 30 अप्रैल से जिले की सभी सरकारी, प्राइवेट स्कूल/कॉलेजो को तत्काल प्रभाव से बंद करने हेतु मांग की, जिस पर जिलाधिकारी श्री गोंदावले ने 2 मई से अवकाश जारी करने आदेश जारी कर दिया। वहीं अपने निवेदन में युवामोर्चा जिलाध्यक्ष रोहित अग्रवाल ने यह भी मांग की है कि, आजकल निजी स्कूलें अपना एक ट्रेंड चला रहे है। निजी स्कूल संचालकों द्वारा बच्चों और उनके पालकों पर किसी विशेष दुकानों से स्कूल ड्रेस और शैक्षणिक सामग्री खरीदने की सख्ती थोपी जाती है, जिसकी बहुत सी शिकायतें मिल रही है, ऐसे में उन्होंने जिलाधिकारी से निजी स्कूलों द्वारा गणवेश खरीदी व शैक्षणिक सामग्री खरीदी के थोपे जा रहे इस सख्ती पर रोक लगाकर बच्चों के पालको को राहत देने की मांग की है। इस निवेदन को जिलाधिकारी श्री गोंदावले को सौंपने के दौरान भारतीय जनता युवा मोर्चा गोंदिया जिलाध्यक्ष रोहित अग्रवाल, जिप सभापति लक्ष्मण भगत, पंस सभापति मुनेश रहांगडाले, पार्षद अभय अग्रवाल, भाजयुमो महामंत्री विक्की बघेले, अभय मानकर, संदीप श्रीवास, बिट्टू जायसवाल, हर्ष उजवने, ऋषभ मसानी, अविनाश जयसिंघानिया व अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

जिलाधिकारी द्वारा जारी किया गया एक आदेश यह भी..

गौरतलब है कि गोंदिया जिले में तापमान में भारी वृद्धि के चलते हीट वेव (लू) की स्थिति में नागरिकों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका को देखते हुए जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 की धारा 25 के तहत जिला कलेक्टर को जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का अध्यक्ष होने के नाते आपदा से बचाव हेतु आवश्यक उपाय करने के अधिकार प्राप्त हैं। इसी के तहत जिला कलेक्टर तथा अध्यक्ष, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, डॉ. मंगेश गोंदावले ने आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश के अनुसार, गोंदिया जिले की सभी आंगनवाड़ी, प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूलों का समय सुबह 07:00 बजे से 10:00 बजे तक निर्धारित किया गया है। यह निर्णय विद्यार्थियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। इसके अलावा, निजी ट्यूशन कक्षाएं (कोचिंग क्लासेस), प्रशिक्षण कक्षाएं, समर कैंप तथा शिक्षा से संबंधित सभी गतिविधियां सुबह 07:00 बजे से 10:00 बजे तक या शाम 05:00 बजे के बाद आयोजित करने की अनुमति दी गई है। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे हीट वेव की स्थिति को देखते हुए आवश्यक सावधानियां बरतें।

गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्रीयों का ही विक्रय करें होटल, रेस्टॉरेंट एवं स्ट्रीट फुड विक्रेता..

उपायुक्त खाद्य अमृता शिरके ने बैठक लेकर रेस्टोरेंट एसोसिएशन को दिये निर्देश..

30 अप्रैल को भव्य बैठक मे किया सभी खाद्य विक्रेताओं को आमंत्रित

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले में दुध, दही, पनीर, छाछ, खोवा सहित सभी खाद्य पदार्थ गुणवत्तापूर्ण सामग्रीयों के ही विक्रय किये जाएं, तथा किसी भी तरह के नकली एवं केमिकलयुक्त तथा नुकसानदायक खाद्य पदार्थों का यदि विक्रय किया जाना पाया जायेगा, तो इस संबंध में कड़ी

कार्रवाई की जायेगी, ऐसी समझाईश के साथ आज 28 अप्रैल को अन्न व औषध प्रशासन गोंदिया की ओर से नवनियुक्त खाद्य उपायुक्त अमृता शिरके ने उपविभागीय सभागृह में गोंदिया जिले के रेस्टोरेंट संचालकों के साथ बैठक ली, एवं आवश्यक चर्चाएं करते हुए पनीर व चीज अनलॉग को लेकर एवं अन्न विभाग की सभी अति आवश्यक जानकारी होटल व रेस्टॉरेंट संचालकों को प्रदान की। इस अवसर पर उपायुक्त अमृता शिर्के के साथ ही खाद्य अधिकारी चैतन्य नानोटे भी उपस्थित थे।

यह रहे बैठक मे उपस्थित..

गौरतलब है कि खाद्य उपायुक्त के साथ बैठक में होटल रेस्टॉरेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष अखिलेश सेठ के साथ ही राजेश चावड़ा, राजेश अग्रवाल, लक्की सिंग भाटिया, संदेश बंसोड़, नीरज रंगलानी, विवेक बजाज, रमनदीप होरा, रब्बू जैन, शाहरुख सोलंकी, सोहेब सोलंकी, अमित अनवानी, रहमतकर आदि उपस्थित थे। अगली बैठक में बाकी सभी रेस्टोरेंट संचालकों से उपस्थित रहने की अपील अखिलेश सेठ ने की है।

30 अप्रैल को आयोजित की गई महाबैठक..

गौरतलब है कि अन्न व औषधी प्रशासन की ओर से उपायुक्त अमृता शिरके द्वारा गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्रीयों के प्रति जाहिर की गई प्रतिबद्धता पर होटल रेस्टॉरेंट एसोसिएशन ने इस पहल का स्वागत किया, वहीं एसोसिएशन के अध्यक्ष अखिलेश सेठ एवं अन्य पदाधिकारियों ने खाद्य उपायुक्त को सुझाव भी दिये। अखिलेश सेठ ने जगप्रेरणा को बताया कि चूंकि आज की बैठक में सभी होटल रेस्टॉरेंट संचालक उपस्थित नहीं हो सके थे, जिससे कि अगली बैठक 30 अप्रैल को खाद्य उपायुक्त अमृता शेरके ने सुनिश्चित की, एवं इस बैठक को भव्य स्वरुप में आयोजित कर होटल, रेस्टॉरंट के साथ ही डेयरी संचालकों, स्ट्रीट फुड संचालकों को भी इस संबंध में अवगत कराते हुए जिले में गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्रीयां विक्रय करने संबंधी जानकारी प्रदान करने की बात कही।

'डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर सार्वजनिक जयंती उत्सव समिति' द्वारा 1 मई को मनाई जायेगी बुद्ध जयंती..

बुद्ध वंदना, धम्म रैली एवं समारोह का किया गया आयोजन..

जगप्रेरणा गोंदिया।

दुनिया को प्रज्ञा, शील और करुणा का मार्ग दिखाकर शांति का संदेश देने वाले महामानव तथागत सिद्धार्थ गौतम बुद्ध की 2589वीं जयंती की गोंदिया में जोरों-शोरों से तैयारियां शुरू हो गई हैं। इस जयंती कार्यक्रम की शुरुआत 1 मई से होगी, जबकि मुख्य कार्यक्रम अगले दिन 2 मई को आयोजित किया जाएगा।

यह कार्यक्रम 'डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर सार्वजनिक जयंती उत्सव समिति' द्वारा आयोजित किया गया है। समिति के अध्यक्ष अरविंद भावे द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, शुक्रवार 1 मई को सुबह बुद्ध वंदना की जाएगी। शाम को आकर्षक झांकियों के साथ शहर में कारों और दुपहिया वाहनों के जरिए भव्य 'धम्म महा रैली' निकाली जाएगी।

इस रैली का शुभारंभ भीम नगर मैदान से होगा, जिसे श्री भावे के साथ सामाजिक कार्यकर्ता अशोक कांबले और एन.के. शेंडे पंचशील ध्वज दिखाकर रवाना करेंगे।

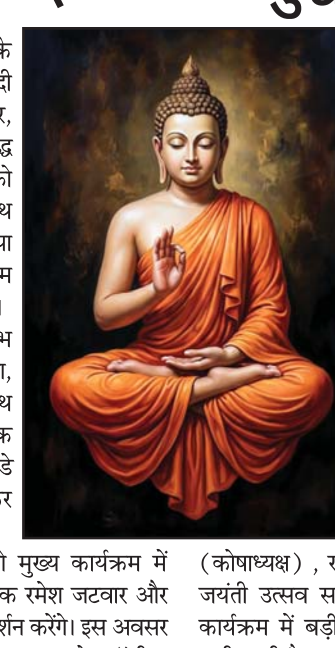

दूसरे दिन, 2 मई को मुख्य कार्यक्रम में बिलासपुर के बहुजन चिंतक रमेश जटवार और श्रीमती अमृता मिलन मार्गदर्शन करेंगे। इस अवसर पर पार्षद सुनील भरणे, स्नेहा गडपायले (डॉली), पूर्व अध्यक्ष अनंत टेम्भूरकर, बामसेफ के सुशील बनसोड और संथागार के प्रा. रोशन मडामे उपस्थित रहेंगे।

शाम 7:00 बजे औरंगाबाद के योगीराज आनंद भीम-बुद्ध गीतों की संगीतमय महफिल 'जत्था वामन का' पेश करेंगे। अरविंद भावे (अध्यक्ष), दिनेश उके (उपाध्यक्ष), डॉ. अश्विन खांडेकर (महासचिव), अंकुर गजभिये (सचिव), किशोर रामटेके (कोषाध्यक्ष), राजश्री गोंडाने (संयोजक) व जयंती उत्सव समिति के कार्यकर्ताओं ने इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित होने की अपील की है।

गोंदिया जिले में हानिकारक रसायनों से फल पकाने पर प्रतिबंध, उल्लंघन करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

जगप्रेरणा गोंदिया।

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (FSSAI) के नियमों के अनुसार फलों को पकाने के लिए किसी भी प्रकार के हानिकारक रसायन का उपयोग मानव स्वास्थ्य के लिए अत्यंत खतरनाक है और यह कानूनन दंडनीय अपराध है। सहायक आयुक्त (खाद्य) अमृता शिर्के ने जानकारी दी कि यदि कोई व्यापारी ऐसे रसायनों का

उपयोग करते हुए पाया गया तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। गोंदिया जिले के सभी फल व्यापारी, थोक एवं खुदरा विक्रेता तथा कोल्ड स्टोरेज संचालकों को सूचित किया गया है कि गर्मी के मौसम में आम, केला, पपीता और चीकू जैसे फलों की मांग तेजी से बढ़ती है। इस बढ़ती मांग का फायदा उठाकर कुछ व्यापारी फलों को कृत्रिम रूप से जल्दी पकाने के लिए 'कैल्शियम कार्बाइड' जैसे प्रतिबंधित रसायनों का उपयोग कर रहे हैं, जो पूरी तरह से अवैध है।

कानूनी प्रावधान और प्रशासनिक कार्रवाई..

'खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006' के तहत असुरक्षित खाद्य पदार्थों का उत्पादन, भंडारण और बिक्री दंडनीय अपराध है। प्रशासन द्वारा जिलेभर में फल बाजारों, गोदामों और कोल्ड स्टोरेज की जांच के लिए विशेष टीमों की तैनाती की गई है। संदिग्ध फलों के नमूने लेकर प्रयोगशाला में जांच कराई जाएगी। यदि किसी व्यापारी के पास प्रतिबंधित रसायन या रासायनिक रूप से पकाए गए फल पाए गए, तो उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी और लाइसेंस रद्द करने से लेकर जेल तक की कार्रवाई हो सकती है।

स्वास्थ्य पर दुष्प्रभावः

कैल्शियम कार्बाइड में आर्सेनिक और फॉस्फोरस जैसे जहरीले तत्व होते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक हैं। इसके सेवन से पेट दर्द, उल्टी, दस्त, मितली जैसी समस्याएं हो सकती हैं। गंभीर मामलों में यह यकृत, गुर्दे और तंत्रिका तंत्र को नुकसान पहुंचा सकता है तथा लंबे समय तक सेवन करने पर कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है।

ग्राहकों के लिए सावधानीः

प्रशासन ने नागरिकों से फल खरीदते समय सतर्क रहने की अपील की है। कृत्रिम रूप से पकाए गए फल अक्सर एक समान पीले रंग के होते हैं और उनमें प्राकृतिक सुगंध नहीं होती। ऐसे फलों को पहचानकर खरीदने से बचें। साथ ही, फलों को खाने से पहले कम से कम 30 से 60 मिनट तक गुनगुने पानी में भिगोकर रखें और पानी में थोड़ा नमक या खाने का सोडा मिलाने से रसायनों के अंश हटाने में मदद मिल सकती है।

व्यापारियों के लिए निर्देशः

सभी व्यापारियों को फलों को प्राकृतिक तरीके से पकाने की सलाह दी गई है। आवश्यकता होने पर केवल एफएसएसएआई द्वारा स्वीकृत इथिलीन गैस का नियंत्रित उपयोग करें। कैल्शियम कार्बाइड का उपयोग एक गंभीर अपराध है और इसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

प्रशासन का उद्देश्यः

गोंदिया जिले के नागरिकों को सुरक्षित और शुद्ध खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। यदि किसी को फलों में रसायनों के उपयोग की शिकायत हो, तो वह तुरंत जिला खाद्य एवं औषधि प्रशासन कार्यालय से संपर्क कर सकता है। शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

गोंदिया के प्रगती कॉलोनी मे दिनदहाड़े हुई चोरी, मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

दिनांक 27/4/2026 के दोप. 1 से 4 के दरम्यान प्रगती कॉलोनी राजाभोज चौक में फर्यादी सौ गीता जिवनलाल रहीले अपने मकान को ताला लगाकर अपनी गाडी से बेटे को नागपुर जाने के लिये स्टेशन छोड़कर अपने निर्माणाधीन मकान का काम देखने गई। 4 बजे करीब बेटे का फोन आया मै नागपुर नहीं गया और घर आया तो सामने का ताला टूटा है, फर्यादी ने तुरंत घर आकर देखा की अज्ञात चोर ने आलमारी में रखा मंगलसुत्र 15 ग्राम, 2 सोने की अंगुठी, चांदी की पैरपट्टी, चांदी के कडे, नगदी 17 हजार इस प्रकार कुल 1 लाख 10 हजार का माल चुराकर ले जाने से पोस्टे गोंदिया शहर मे अपराध क्रमांक 350/2026 धारा 305, 331, 3, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जाँच पोऊपनी अनिल डोंगरवार पोस्टे गोंदिया शहर कर रहे है।

उत्कृष्टता एवम् गुणवत्ता के 23 वर्ष...
सुश्रुत प्रोक्टो आयुर्वेदा
मुळव्याध (बवासीर), फिशर भगंदर व अन्य गुदारोग चिकित्सा व संशोधन केन्द्र
● मुळव्याध (बवासीर) ● भगंदर (नासुर)
● फिशर ● कड निकलना व अन्य गुदारोग
। अत्याधुनिक लेजर, व्हेसल सिलर, क्षारसुत्र व आयुर्वेद द्वारा गुदा रोगों की दर्दरहित सफल चिकित्सा
। जटिल भगंदर के इलाज में विशेष प्राविण्यता
डॉ. कमलापती खोब्रागडे
BAMS, M.S. (Ayu.) CCKS (Guj)
बवासीर, भगंदर व गुदारोग तज्ञ
मो. 98230 21274, 93098 53003
साकेत पब्लिक स्कुल रोड़, गणेश नगर, गोंदिया 07182-796738

व्हाट्सअप पर प्रतिदिन की खबरें पढ़ने अपने ग्रुप में जोड़ें जगप्रेरणा को..

बालाघाट एवं गोंदिया से एक साथ प्रकाशित हिन्दी दैनिक 'जगप्रेरणा' समाचार पत्र व्हाट्स अप पर भी आम जनों के लिये उपलब्ध है। अपने ग्रुप में जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचा सकते हैं। जगप्रेरणा के मो. 93290 33433 को किसी भी ग्रुप में जोड़ा जा सकता है।

जनता सहकारी बैंक लि., गोंदिया
लांजी रोड़, आमगांव, जि. गोंदिया - 441 902
बैंक के सभासदों एवं ग्राहकों हेतु सुचना
सम्माननिय सभासद, ग्राहक तथा हितचिंतकों को सुचित किया जाता है की जनता सहकारी बैंक लिमी. गोंदिया शाखा आमगांव कार्यालय का स्थानांतरण बैंक के मालकियत के भवन में निम्न पते पर शनिवार दिनांक 2 मई 2026 से किया जायेगा। कृपया नोंद करें।
नया पता : जनता सहकारी बैंक लिमी. गोंदिया, शाखा आमगांव
लांजी रोड़, आमगांव, जि. गोंदिया – 441 902 (महा.)
विरेन्द्र गोस्वामी
प्रभारी शाखा व्यवस्थापक
जनता सहकारी बैंक लिमी. गोंदिया, शाखा आमगांव
गोंदिया
28 अप्रैल 2026

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, संपादक आशीष वर्मा द्वारा जगप्रेरणा पेपर इंडस्ट्रीज कटंगीकला गोंदिया से मुद्रित तथा कार्यालय जगप्रेरणा, वार्ड नं.16, कल्पतरु मॉल, महावीर चौक, बालाघाट (मध्यप्रदेश) से प्रकाशित..
संस्थापक - स्व. गंगाबिसन जी वर्मा, प्रधान संपादक - आशीष वर्मा मो. 9329033433 आर.एन.आई. रजि. नं. एमपी/हिन्दी/2012/43298 ईमेल - jagprernaw@gmail.com